नई दिल्ली । रविवार , 05 अप्रैल, 2026
बैशाख कृष्ण पक्ष द्वितीया, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083,
वर्ष :12, अंक :89 । मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwakesari
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल टेनिसः थियागो अगस्टिन ने पहला सेट ...
@ साहित्य केसरी खूनी सड़क ...
@ व्यापार सप्लाई चेन पर असर कम करने के लिए काम ...

संक्षिप्त खबर

आर्टेमिस II मिशनः आधी सदी बाद चंद्रमा के करीब पहुंचा मानव मिशन

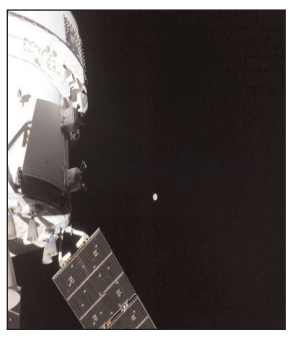

नई दिल्ली। नासा के आर्टेमिस II मिशन पर गए अंतरिक्ष यात्रियों ने चांद के पास पहुंचते हुए धरती की बेहद शानदार और मनमोहक तस्वीरें भेजी हैं।

कमांडर रीड वाइजमैन द्वारा ली गई एक तस्वीर में पृथ्वी का घुमावदार हिस्सा ओरियन कैप्सूल की खिड़की से नजर आ रहा है। दूसरी तस्वीर में पूरी धरती दिखाई दे रही है, जिसमें महासागर, सफेद बादल और हरी रोशनी वाली ऑरोरा साफ नजर आ रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह पिछले आधे से ज्यादा सदी में पहली बार है जब इंसान चंद्रमा के इतने करीब पहुंचा है।

नासा ने एक्स पर तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'आर्टेमिस II क्रू द्वारा ली गई इस तस्वीर में धरती पर इंसानी गतिविधियों की रोशनी दिखाई दे रही है। नीचे की ओर सूर्य की रोशनी धरती के किनारे को रोशन कर रही है।

पहली तस्वीर में ज्यादा शटर स्पीड के कारण धरती से आने वाली रोशनी ज्यादा कैद हुई, जबकि दूसरी तस्वीर में कम शटर स्पीड के जरिए रात में चमकती धरती को बेहतर तरीके से दिखाया गया है।

एक अन्य तस्वीर में धरती पर दिन और रात के बीच की साफ सीमा दिखाई देती है, जिसे 'टर्मिनेटर' कहा जाता है।

विस्तृत रिपोर्ट पेज नं -11

नाकेबंदी हटाओ वरना तबाह होने के लिए तैयार रहोः होमुर्ज पर ट्रम्प की धमकी

ईरान को 48 घंटे का डेडलाइन

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को 48 घंटे की डेडलाइन दी है। धमकी होर्मुज नाकेबंदी को लेकर है। उन्होंने स्पष्ट और सख्त टोन में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ पर कहा है, 'नाकेबंदी हटाओ वरना तबाह होने के लिए तैयार रहो।

ट्रंप ने ट्रुथ पोस्ट में पिछली चेतावनी याद दिलाते हुए सब कुछ तबाह करने की धमकी दी। उन्होंने लिखा, 'याद है जब मैंने ईरान को डील करने या होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए दस दिन की मोहलत दी

थी! समय खत्म हो रहा है—48 घंटे बाद कहर बरपाया जाएगा। होर्मुज को लेकर ट्रंप बार-बार अपने बयान बदलते रहे हैं। शनिवार को दस दिन की मोहलत से पहले ट्रंप ने इसे न खोलने की दशा में 48 घंटे के बाद पावर प्लांट पर हमले की धमकी दी थी। पेज नं -2

ईरान ने बातचीत के लिए दरवाजा खुला रखा

तेहरान । ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने जारी युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत की संभावना खुली रखी है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम ने पाकिस्तान जाने से कभी इनकार नहीं किया, जबकि यह खबरें सामने आई थीं कि इस्लामाबाद की ओर से शुरू की गई कूटनीतिक पहल ठप हो गई है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक दर ने कहा कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के नेतृत्व में एक अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल मध्यस्थता वार्ता के लिए पाकिस्तान आने को तैयार था, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा तेहरान को 'पाषाण युग में वापस भेजने' की धमकी के बाद ईरान ने प्रस्तावित वार्ता में शामिल होने से इनकार कर दिया।

हालांकि युद्ध की शुरुआत से ही ईरान का नेतृत्व सख्त रुख अपनाए हुए है।

पांच किलो एलपीजी सिलेंडर के लिए अब एड्रेस प्रूफ जरूरी नहीं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में जारी तनावों के बीच पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को एक बड़ा फैसला लेते हुए कहा कि अब 5 किलो एलपीजी सिलेंडर खरीदने के लिए एड्रेस प्रूफ की जरूरत नहीं होगी। उपभोक्ता केवल वैध पहचान पत्र (आईडी) दिखाकर इसे नजदीकी डिस्ट्रीब्यूटर से खरीद सकते हैं।

सरकार ने कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ने की आशंकाओं के बीच देश में ईंधन और ऊर्जा की उपलब्धता बनाए रखने के लिए व्यापक कदम उठाए जा रहे हैं।

मंत्रालय ने कहा, '5 किलो एफटीएल (फ्री ट्रेड एलपीजी) एलपीजी सिलेंडर नजदीकी डिस्ट्रीब्यूटर पर उपलब्ध हैं और इन्हें किसी भी वैध आईडी दिखाकर खरीदा जा सकता है। इसके लिए एड्रेस प्रूफ जरूरी नहीं है।

अधिकारियों के अनुसार, यह फैसला खासतौर पर प्रवासी मजदूरों और उन लोगों के लिए लिया गया है, जिनके पास स्थानीय पते के दस्तावेज नहीं होते ताकि उन्हें खाना पकाने के लिए गैस आसानी से मिल सके। 23 मार्च से अब तक ऐसे करीब 5.7 लाख सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। पेज नं -2

'वोट नहीं, तो रिश्ता नहीं' : बंगाल के मतदाताओं के लिए 'भावुक' ममता बनर्जी का संदेश

एजेंसी ■ कोलकाता

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से पहले जनता को स्पष्ट संदेश देते हुए उनके समर्थन के भावनात्मक महत्व पर जोर दिया। एक जनसभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा, '...अगर आप हमें वोट नहीं देते हैं, तो मैं आपके साथ कोई रिश्ता नहीं रखूंगी। मैं बहुत भावुक व्यक्ति हूं।

उन्होंने विपक्षी दलों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाते हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस का समर्थन करने वाले मतदाताओं की वफादारी पर सवाल उठाया। उन्होंने पूछा, 'अगर आप भाजपा और कांग्रेस को वोट वोट देंगे, फिर बंगाल के लोगों के लिए कौन लड़ेगा? आपको उनके लिए सरकारी योजनाओं का लाभ कैसे मिलेगा? अपनी पार्टी के जमीनी कार्यकर्ताओं के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री बनर्जी ने

कहा, 'जब हमारे बीएलओ कैंप चला रहे थे, तब ब्लॉक 1 और 2 ने स्थानीय लोगों की मदद की... तब आप कहां थे? अब आप केवल वोट के समय आते हैं। इतना काम करने के बाद भी मालदा में एक सीट कांग्रेस को गई, एक भाजपा को और तृणमूल कांग्रेस को एक भी नहीं मिली। अगर टीएमसी वहां होती, तो यहां बहुत अधिक काम किया गया होता।

मानिकचक में एक अन्य जनसभा में ममता बनर्जी ने लोगों से विधानसभा चुनाव में भाजपा को रोकने के लिए एकजुट होने का आग्रह किया। उन्होंने भाजपा पर धर्मों का अपमान करने, अशांति पैदा करने और मालदा में स्थानीय लोगों को निशाना बनाने का आरोप लगाया, साथ ही दावा किया कि राजनीतिक उद्देश्यों के लिए केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा, 'अगर आप अगले 5 वर्षों तक शांति से रहना चाहते हैं, तो आपको भाजपा को रोकने के लिए एकजुट होना होगा। भाजपा देश को बर्बाद कर देगी। वे किसी धर्म का सम्मान नहीं करते हैं। वे अपना बनाया हुआ धर्म थोपते हैं। मां काली के प्रसाद में मछली और मांस दोनों शामिल होते हैं। भाजपा किस धर्म का प्रचार करने की कोशिश कर रही है? उन्हें पहले बंगाल की संस्कृति को समझने की जरूरत है।

चंडीगढ़ में भाजपा कार्यालय पर ग्रेनेड हमले के मामले में पांच गिरफ्तार

एजेंसी ■ चंडीगढ़

पंजाब पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने चंडीगढ़ पुलिस के साथ संयुक्त अभियान में भाजपा कार्यालय पर हुए ग्रेनेड हमले के मामले को सुलझा लिया है। इस घटना में शामिल पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से एक हैंड ग्रेनेड और एक .30 बोर जिगाना पिस्टल के साथ गोला-बारूद बरामद किया गया है। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शनिवार को यहां यह जानकारी दी।गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान बलविंदर लाल उर्फ शमी, जसवीर सिंह उर्फ जस्सी, चरणजीत सिंह उर्फ चन्नी, रुबल चौहान और मनदीप उर्फ अभिजोत शर्मा के रूप में हुई है।डीजीपी यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि इस मॉड्यूल को पाकिस्तान की आईएसआई का समर्थन प्राप्त था और यह पुर्तगाल और जर्मनी में स्थित विदेशी हैंडलरों के निर्देशों पर काम कर रहा था। उन्होंने आगे बताया कि आरोपी एक सुनियोजित नेटवर्क का हिस्सा थे, जिसमें हमले को अंजाम देने के लिए कई सहायक संगठन और उप-मॉड्यूल शामिल थे। डीजीपी ने बताया कि हमले में शामिल दो मुख्य अपराधियों की पहचान भी कर ली गई है। पेज नं -2

भाजपा-एनडीए गठबंधन 4 मई को केरल में सरकार बनाने के लिए तैयार : पीएम मोदी

एजेंसी ■ तिरुवल्ला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को केरल के तिरुवल्ला में सार्वजनिक सभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने अपने संबोधन की शुरुआत जय केरलम! जय विकासिता केरलम! के उद्घोष से की। उन्होंने कहा कि मैं श्री वल्लभम के देवता तिरुवल्लुवर को नमन करता हूं और सबरीमाला व स्वामी अयप्पा को अपना सम्मान अर्पित करता हूं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एनडीए पर आपका भरोसा और केरल की महिलाओं का अपार समर्थन पूरे राज्य में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। मैं पहले भी यहां आ चुका हूं, लेकिन इस बार परिस्थितियां अलग हैं और माहौल बदला हुआ है। केरल एक ऐतिहासिक परिवर्तन के लिए तैयार है।

9 अप्रैल को मतदान के बाद भाजपा-एनडीए गठबंधन 4 मई को केरल में सरकार बनाने के लिए तैयार है। इस चुनाव में केरल को लाभ होगा लेकिन व्यक्तिगत रूप से मुझे कुछ नुकसान हो सकता है।

उन्होंने कहा कि एनडीए के उम्मीदवार अनूप ने पिछले पांच वर्षों से अटूट समर्पण के साथ मेरे साथ काम किया है। वे एक विश्वसनीय सहयोगी रहे हैं, शांत, ईमानदार और अथक दिन-रात काम करने वाले। मुझे लगा कि केरल को इस युवा नेता की सेवा और ऊर्जा की आवश्यकता है। आज मैं अनूप को केरल की जनता की सेवा के लिए आपके हवाले करता हूं। हाल ही में 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' अभियान के दौरान मैंने केरल में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ व्यापक संवाद किया। केरल के 5,000 शक्ति केंद्रों से 1,25,000 से अधिक कार्यकर्ताओं ने जुड़कर अपने विचार साझा किए। एक बात स्पष्ट थी, केरल ने एलडीएफ सरकार को सत्ता से बेदखल करने का मन बना लिया है। पेज नं -2

पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिएः मल्लिकार्जुन खड़गे

एजेंसी ■ पुडुचेरी

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शनिवार को पुडुचेरी में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए, क्योंकि उपराज्यपाल सरकारी कामकाज में दखल देते हैं। पुडुचेरी में 30 प्रतिशत कमीशन है, ऑल इंडिया एनआर कांग्रेस और भाजपा दोनों मिलकर पुडुचेरी को लूट रहे हैं।

उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार हर जगह है। प्रधानमंत्री मोदी ने शून्य प्रतिशत भ्रष्टाचार का वादा किया था, लेकिन सब कुछ लूटा जा रहा है। पुडुचेरी आकर मुझे यह जानकर आश्चर्य हुआ कि एनआर भाजपा सरकार ने 450 शराब की दुकानें और रेस्तरां खोल दिए हैं। लोगों को ताजा पानी देने के बजाय वे शराब दे रहे हैं। पुडुचेरी में ड्रग माफिया और नशीली दवाओं के

दुरुपयोग के मामले बढ़ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने पुडुचेरी के लिए कांग्रेस पार्टी के वादे को भी दोहराया। उन्होंने कहा कि सरकार बनने पर पुडुचेरी के सभी छात्रों को प्राथमिक शिक्षा से लेकर शोध शिक्षा तक निःशुल्क और संपूर्ण शिक्षा प्रदान की जाएगी। सरकारी और निजी कॉलेजों में पढ़ने वाले छात्रों को 2000 रुपए की मासिक छात्रवृत्ति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राशन दुकानों के माध्यम से सभी परिवारों को प्रति माह 2,500 रुपए मूल्य की किराने की वस्तुएं प्रदान की जाएंगी। आपकी सोने की बढ़ती कीमतों से आम जनता परेशान है। इसलिए, सरकार विवाहित महिलाओं को थाली के बदले सोना सब्सिडी के रूप में प्रदान करेगी। 2019 और फिर 2024 के हमारे लोकसभा घोषणापत्रों में, हमने पुडुचेरी के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा सुनिश्चित करने का वादा किया था। हम इस वादे और प्रतिबद्धता को फिर से दोहराते हैं। पेज नं -2

वैश्विक तनावों के बावजूद वित्त वर्ष 2026 में भारतीय शेयर बाजार की बुनियादी स्थिति मजबूत

एजेंसी ■ मुंबई

भारतीय शेयर बाजार ने वित्त वर्ष 2025-26 का समापन निराशाजनक प्रदर्शन के साथ किया। कोविड-19 से प्रभावित वर्ष को छोड़ दें, तो सेंसेक्स और निफ्टी जैसे प्रमुख सूचकांकों के लिए यह पिछले एक दशक का सबसे खराब साल साबित हुआ। वित्त वर्ष के अंतिम कारोबारी दिन सोमवार को भारी बिकवाली ने बाजार में मंदी के माहौल को और गहरा कर दिया। वित्तीय वर्ष के आखिरी कारोबारी दिन सोमवार को

सेंसेक्स 1,635 अंक गिरकर 71,947 पर और निफ्टी 488 अंक गिरकर 22,331 पर बंद हुआ। इस गिरावट के चलते बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकरण भी करीब 10 लाख करोड़ रुपए घटकर 412.43 लाख करोड़ रुपए रह गया, जो पिछले सत्र में 422 लाख करोड़ रुपए था। जानकारों का कहना है कि बावजूद इसके बाजार की बुनियादी स्थिति अब भी मजबूत बनी हुई है, जो आने वाले समय में रिकवरी के संकेत देती है। पूरे वित्त वर्ष 2026 की बात करें तो सेंसेक्स करीब 5.36 प्रतिशत और निफ्टी 3.6 प्रतिशत गिरा।

इस गिरावट के पीछे मुख्य वजह पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता रही। इसके अलावा, विदेशी निवेशकों की रिकॉर्ड बिकवाली ने भी बाजार पर दबाव डाला। वहीं, मार्च 2026 बाजार के लिए सबसे कमजोर महीना रहा और सेंसेक्स तथा निफ्टी, दोनों में करीब 10.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। यह गिरावट मार्च 2020 के बाद सबसे ज्यादा मानी जा रही है। कच्चे तेल की कीमतें 115 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर बने रहना और विदेशी निवेशकों द्वारा 12.3 अरब डॉलर की रिकॉर्ड बिकवाली ने बाजार पर अतिरिक्त दबाव बनाया। पेज नं -2

आईपीएल 2026 : मुंबई को हराकर दिल्ली टॉप पर

रिजवी की 90 रन की तूफानी पारी

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने शनिवार को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 8वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ 6 विकेट से जीत दर्ज की। सीजन की लगातार दूसरी जीत के साथ डीसी ने प्वाइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान अपने नाम कर लिया है।

मुकाबले में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई इंडियंस ने खराब शुरुआत के बावजूद 6 विकेट खोकर 162 रन बनाए। इस टीम ने तीसरे ओवर में रयान रिकलटन (9) और तिलक वर्मा (0) के विकेट खो दिए थे। उस समय तक टीम के खाते में सिर्फ 18 ही रन जुड़ सके थे। हार्दिक पंड्या के स्थान पर डीसी की कमान संभाल रहे सूर्यकुमार यादव ने यहां से रोहित शर्मा के साथ तीसरे विकेट के लिए 40 गेंदों में 53 रन की साझेदारी करते हुए टीम को मजबूती दी। पेज नं -2

कांग्रेस के शासनकाल में लोगों को रोटी के लिए भटकना पड़ता था: नितिन नवीन

श्रीभूमि। असम के श्रीभूमि में आयोजित जनसभा में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने शनिवार को भाजपा-एनडीए की जीत का दावा किया है। उन्होंने कहा कि सभा में उमड़ी भारी भीड़ इस बात का साफ संकेत है कि आने वाले समय में असम में भाजपा की प्रचंड बहुमत वाली सरकार बनने जा रही है और जनता का पूरा आशीर्वाद पार्टी को मिलने वाला है।

नितिन नवीन ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में भाजपा सरकार ने असम के विकास और उसकी समृद्ध विरासत, दोनों को आगे बढ़ाने का काम किया है। इससे पहले राज्य को अपराध का गढ़ बना दिया गया था। कांग्रेस के शासनकाल में लोगों को रोटी के लिए भटकना पड़ता था, रोजगार के अवसर नहीं थे और न ही महिलाओं और राज्य की जमीन की सुरक्षा सुनिश्चित थी। इसी कारण असम की जनता ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर सजा दी।

उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और असम तेजी से विकास की राह पर आगे बढ़ रहे हैं। सड़क, बिजली, रोजगार जैसे हर क्षेत्र में राज्य ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

बराक वैली का जिक्र करते हुए नितिन नवीन ने कहा कि एक समय यह इलाका उपेक्षा और भेदभाव का शिकार था, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। उन्होंने बताया कि ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर के जरिए इस क्षेत्र में विकास की रफ्तार तेज हुई है और लोगों तक सुविधाएं पहुंच रही हैं।

नितिन नवीन ने केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत असम में 22 लाख गरीबों को पक्के घर दिए जा चुके हैं। साथ ही आने वाले समय में 15 लाख और मकान बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

इसके अलावा ओरुनोडोई (अरुणोदय) योजना के तहत लाभार्थियों को अब 3,000 रुपए की सहायता राशि दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों के घर बनाने और उनके जीवन स्तर को बेहतर करने के लिए लगातार काम कर रही है। बता दें कि अरुणोदय योजना असम सरकार की एक प्रमुख कल्याणकारी योजना है। इसका उद्देश्य गरीब परिवारों को प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता प्रदान करना है।महिलाओं के सशक्तीकरण का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पीएम मोदी और मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के नेतृत्व में राज्य सरकार माताओं-बहनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उनकी सुरक्षा, सम्मान और आर्थिक मजबूती सुनिश्चित करने के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं।रोजगार के मुद्दे पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि सरकार ने 2 लाख युवाओं को नौकरी देने का संकल्प लिया है।

जनहानि, पशुहानि, घायलों व आपदा से प्रभावितों को 24 घंटे में दिलाएं मुआवजा: सीएम योगी

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के कई जनपदों में शनिवार को फिर हुई असमय बारिश से किसानों को होने वाली परेशानी के बारे में जिलाधिकारियों से रिपोर्ट मांगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर हाल में यह प्रयास करें कि आपदा का असर किसानों पर न्यूनतम हो। जनहानि, पशुहानि, घायलों व चोटिलों को 24 घंटे में मुआवजा दिलाना सुनिश्चित करें। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अधिकारियों को अलर्ट मोड पर रहने का निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि मौसम के कारण किसानों की बर्बाद हुई फसल के नुकसान का आकलन कर संपूर्ण जानकारी एकत्र करें और उन्हें जल्द से जल्द राहत दिलाएं। राजस्व, कृषि विभाग व बीमा कंपनी फसल नुकसान का तत्काल संयुक्त सर्वे कराकर शासन को अवगत कराएं, जिससे किसानों को तत्काल मुआवजा दिलाया जा सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार हर प्रतिकूल परिस्थिति में प्रदेशवासियों के साथ निरंतर खड़ी है।

निरंतर बारिश से भी किसानों की फसल प्रभावित हो रही है, इससे नुकसान होने वाली फसल का मुआवजा दिलाया जा रहा है। शनिवार को फिर हुई बारिश से भी फसल को जो नुकसान हुआ है, उसका भी जल्द से जल्द आकलन करा लिया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों के हित में संवेदनशीलता के साथ कार्य करें और निरंतर सुनिश्चित करें कि अन्नदाता को कोई परेशानी न हो।

मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देशित किया कि निरंतर फील्ड में रहें, वस्तुस्थिति का जायजा लें और प्रभावित क्षेत्रों में फसलों को हुए नुकसान का वास्तविक आकलन कराएं, जिससे किसानों को समय पर उचित सहायता मिल सके। मुख्यमंत्री ने प्रमुख सचिव (कृषि) व राहत आयुक्त से कहा कि फील्ड में कार्यरत अधिकारियों से सीधा संपर्क करें और समन्वय बनाएं।

एलपीजी पर अफवाहों के खिलाफ 21 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश रोज कर रहे प्रेस ब्रीफिंग: केंद्र

नई दिल्ली। सरकार ने शनिवार को कहा कि देश के 21 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश एलपीजी से जुड़ी अफवाहों को रोकने और लोगों को सही जानकारी देने के लिए नियमित प्रेस ब्रीफिंग कर रहे हैं।

सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों से कहा था कि वे लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने के लिए सक्रिय और नियमित संवाद बढ़ाएं, वरिष्ठ स्तर पर रोजाना प्रेस ब्रीफिंग करें और सोशल व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जरिए सही जानकारी समय पर साझा करें, ताकि एलपीजी को लेकर फैल रही गलतफहमियों को दूर किया जा सके।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 और एलपीजी कंट्रोल ऑर्डर, 2000 के तहत राज्य सरकारों को जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार दिया गया है।

इसमें कहा गया है कि पेट्रोल, डीजल और एलपीजी जैसे जरूरी सामानों की सप्लाई की निगरानी और नियंत्रण में राज्यों की मुख्य भूमिका होती है। केंद्र सरकार ने इस संबंध में कई पत्र और वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए राज्यों को निर्देश भी दिए हैं।

इसी बीच, कई राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एलपीजी की जमाखोरी और कालाबाजारी को रोकने के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। हाल ही में एक दिन में 3,700 से ज्यादा रेड की गई हैं।

मंत्रालय ने बताया कि सरकारी तेल कंपनियों के अधिकारियों को अचानक निरीक्षण बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोका जा सके। अब तक एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर के खिलाफ 1,000 से ज्यादा कारण बताओ नोटिस जारी किए जा चुके हैं और 27 डिस्ट्रीब्यूटर को सस्पेंड किया जा चुका है।

राज्यों से कहा गया है कि वे रोजाना प्रेस ब्रीफिंग को नियमित बनाएं, जनता के लिए एडवाइजरी जारी करें, हेल्पलाइन और कंट्रोल रूम स्थापित करें, सोशल मीडिया पर फेक न्यूज पर नजर रखें और जिला प्रशासन के जरिए रोजाना सख्त कार्रवाई जारी रखें।

इसके अलावा, राज्यों को अपने-अपने क्षेत्रों में कमर्शियल एलपीजी आवंटन आदेश जारी करने, सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन (सीजीडी) को तेजी से बढ़ाने, पीएनजी कनेक्शन को बढ़ावा देने और वैकल्पिक ईंधनों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए भी कहा गया है।

यूपी एटीएस ने पाकिस्तान संचालित आंतकवादी गिरोह का भंडाफोड़ किया, 4 गिरफ्तार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने पाकिस्तान स्थित आतंकी नेटवर्क से जुड़े चार व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, जिससे राष्ट्रीय संस्थानों, रेलवे संपत्तियों और राजनीतिक हस्तियों को निशाना बनाने वाली एक बड़ी साजिश को सफलतापूर्वक विफल कर दिया गया है।

मेरठ के अगवानपुर गांव के साकिब उर्फ 'डेविल' (25), मेरठ के ही अरबाज (20), गौतम बुद्ध नगर के विकास पहलावत उर्फ 'रौनक' (27) और लोकेश उर्फ 'पपला पंडित' (19) के रूप में पहचाने गए इन आरोपियों को रेलवे सिग्नल और अन्य बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाने की योजना को अंजाम देने से पहले लखनऊ रेलवे स्टेशन के पास से पकड़ा गया। खुफिया जानकारी से पता चला है कि टेलीग्राम, इंस्टाग्राम और सिग्नल जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से संचालित यह गिरोह पाकिस्तान और अफगानिस्तान में बैठे हैंडलर्स के संपर्क में था। आरोपियों ने संवेदनशील स्थानों की रेकी की, जानकारी अपने आकाओं को भेजी और डर एवं आर्थिक नुकसान पैदा करने के लिए आगजनी और विस्फोटों की

योजना बनाई। अधिकारियों ने आरोपियों के पास से ज्वलनशील पदार्थ वाला एक कनस्तर, सात स्मार्टफोन, 24 पर्चे और आधार कार्ड बरामद किए हैं। लखनऊ के एटीएस पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता, 2023 और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की प्रासंगिक धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। एटीएस ने पुष्टि की है कि गिरोह ने पहले भी आगजनी की छोटी घटनाएं की थीं और इन कृत्यों के लिए पाकिस्तानी हैंडलर्स से भुगतान प्राप्त किया था। गिरफ्तार व्यक्तियों को अदालत में पेश किया गया है और आगे की कानूनी कार्यवाही जारी है।

इस निर्णायक कार्रवाई ने एक संभावित बड़े पैमाने के आतंकी हमले को रोक दिया है और उत्तर प्रदेश में राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में शामिल एक आपराधिक नेटवर्क का पर्दाफाश किया है।

वित्तीय लालच से प्रेरित होकर इन आरोपी व्यक्तियों ने देश के विभिन्न शहरों में रणनीतिक स्थानों की रेकी की और विवरण एवं वीडियो फुटेज अपने पाकिस्तानी आकाओं को भेजे। आरोपियों ने गाजियाबाद, अलीगढ़ और लखनऊ जैसे शहरों में विभिन्न स्थानों पर रेकी मिशन भी संचालित किए थे। चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी पहले ही कुछ स्थानों पर आगजनी की छोटी घटनाओं को अंजाम दे चुके थे।

और इन घटनाओं के वीडियो बनाकर पाकिस्तान भेज रहे थे। इन कृत्यों के बदले में उन्हें क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान मिलता था।

शेष पेज - 01

नाकेबंदी हटाओ वरना तबाह होने के लिए तैयार रहो: होर्मुज पर ट्रम्प की धमकी...

फिर इसकी मियाद 10 दिन तक बढ़ा दी और बीच में एक और बयान दिया जिसमें नाटो को निशाने पर लेते हुए कहा कि होर्मुज खुलवाने की जिम्मेदारी अब उनकी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इस रास्ते से तेल की जरूरत नहीं है और जो देश इस पर निर्भर है, वही इसकी जिम्मेदारी उठाएं। ट्रंप के मुताबिक, उन्होंने ईरान को होर्मुज को लेकर इसलिए चेतावनी दी क्योंकि कई देश इस मुद्दे पर अमेरिका का साथ देने से पीछे हट गए थे।

उन्होंने कहा कि जो देश इस रास्ते से तेल पर निर्भर हैं, उन्हें आगे आकर इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी लेनी चाहिए, जबकि अमेरिका उनकी मदद करेगा।

28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल की तरफ से ईरान पर हमले के बाद से ही ईरान ने इस रास्ते को लगभग बंद कर दिया है, जिससे तेल सप्लाई पर भारी असर पड़ा है।

वहीं, ट्रुथ की दूसरी पोस्ट में ट्रंप ने नाटो को निशाने पर लिया है। नाटो को कमजोर और गैर-भरोसेमंद साझेदार बताया है। ट्रंप ने संकेत दिया कि अमेरिका इसके साथ अपने रिश्तों की समीक्षा कर सकता है। ट्रंप ने कहा कि मौजूदा हालात में 'नाटो अपने दायित्वों को पूरी तरह निभाने में असफल रहा है।

ईरान ने बातचीत के लिए दरवाजा खुला रखा...

लेकिन अराकची ने पाकिस्तान की मध्यस्थता के लिए दरवाजा खुला रखा है। हालांकि उन्होंने ट्रंप की मांगों के आगे तेहरान के झुकने के कोई संकेत नहीं दिए।

उन्होंने एक्स पर कहा, 'अमेरिकी मीडिया द्वारा ईरान की स्थिति को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। हम पाकिस्तान के प्रयासों के लिए बेहद आभारी हैं और इस्लामाबाद जाने से हमने कभी इनकार नहीं किया है। हमारे लिए महत्वपूर्ण यह है कि हम पर थोपे गए इस अवैध युद्ध का निर्णायक और स्थायी अंत किन शर्तों पर हो।

पांच किलो एलपीजी सिलेंडर के लिए अब एड्रेस प्रूफ जरूरी नहीं ...

जिसमें हाल ही में एक दिन में 71,000 से ज्यादा सिलेंडर की बिक्री हुई है।

मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं है और लोगों से अपील की है कि वे घबराहट में खरीदारी न करें।

सरकार ने बताया कि सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से काम कर रहे हैं और देश भर में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है, हालांकि कुछ जगहों पर अफवाहों के कारण भीड़ देखने को मिली है।

सप्लाई को स्थिर बनाए रखने के लिए सरकार ने घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाया है, रिफाइनरियों को पूरी क्षमता पर चलाया जा रहा है और घरेलू उपभोक्ताओं, अस्पतालों और जरूरी सेवाओं के लिए ईंधन की आपूर्ति को प्राथमिकता दी जा रही है।

इसके साथ ही मांग को नियंत्रित करने के लिए भी कई कदम उठाए गए हैं, जैसे एलपीजी बुकिंग साइकिल बढ़ाना और पीएनजी, केरोसिन व इलेक्ट्रिक कुकिंग जैसे विकल्पों को बढ़ावा देना। मंत्रालय ने बताया कि राज्यों को घरेलू और कमर्शियल उपभोक्ताओं के लिए नए पीएनजी कनेक्शन देने में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं।

सरकार ने जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए निगरानी भी बढ़ा दी है। हाल ही में 3,700 से ज्यादा छापे मारे गए हैं और गड़बड़ी करने वाले एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उनके लाइसेंस सस्पेंड किए गए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि राज्यों को आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कार्रवाई करने के अधिकार दिए गए हैं और उन्हें नियमित जांच और जनसंपर्क गतिविधियां करने के लिए कहा गया है।

चंडीगढ़ में भाजपा कार्यालय पर ग्रेनेड हमले के मामले में पांच गिरफ्तार...

उन्होंने आगे कहा कि इस मामले में आगे और पीछे की कड़ियों को स्थापित करने के लिए आगे की जांच जारी है।

जानकारी के अनुसार, बुधवार को चंडीगढ़ के सेक्टर-37 स्थित भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कार्यालय के बाहर ग्रेनेड हमला किया गया था।

सहायक महानिरीक्षक (राज्य विशेष अभियान प्रकोष्ठ), दीपक पारेख ने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि जांच में यह भी पता चला है कि आरोपियों ने हथगोले, हथियार और कारतूसों से भरी खेप का परिवहन किया था।

उन्होंने आगे बताया कि यह खेप अंतिम अपराधियों को सौंपे जाने से पहले कई अधिकारियों के माध्यम से वितरित की गई थी।

एआईजी ने कहा कि पुर्तगाल स्थित हैंडलर के निर्देशों पर कार्रवाई करते हुए, आरोपियों ने हमले की डिलीवरी और उसे अंजाम देने का समन्वय किया।

उन्होंने आगे बताया कि पुलिस टीमें हमले में शामिल फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी कर रही हैं।

मोहाली में शस्त्र अधिनियम की धारा 25(1)(बी) और भारतीय न्याय संहिता की धारा 61(2) के तहत 3 अप्रैल को प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज की गई है।

भाजपा-एनडीए गठबंधन 4 मई को केरल में सरकार बनाने के लिए तैयार : पीएम मोदी...

उन्होंने कहा कि मेरे पहुंचने पर मैंने देखा कि कार्यक्रम स्थल तक जाने वाले पूरे रास्ते पर भारी भीड़ जमा थी। वामपंथी मानव श्रृंखला की बात करते हैं लेकिन केरल के लोगों ने एनडीए के प्रति अपना प्रेम मानव दीवार बनाकर दिखाया है। एलडीएफ और यूडीएफ सरकारों ने लंबे समय से इस क्षेत्र की उपेक्षा की है। संपर्क मार्ग जर्जर हालत में हैं। वर्षों से कोई नया पुल नहीं बनाया गया है और मेडिकल कॉलेज की स्थिति बेहद चिंताजनक है।

उन्होंने कहा कि बुनियादी ढांचे की इस कमी से यह स्पष्ट है कि आपके जीवन स्तर पर कितना गंभीर प्रभाव पड़ा है। जब केंद्र में एलडीएफ और यूडीएफ सत्ता में थे, तब केरल को बहुत कम धनराशि मिलती थी। मोदी सरकार के कार्यकाल में उस अवधि की तुलना में राज्य को पांच गुना अधिक धनराशि आवंटित की गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर में जहां ईसाई आबादी काफी अधिक है, एनडीए ने 7 राज्यों में सरकार बनाई है। हमने दशकों से लंबित कार्यों को पूरा किया है। गोवा में भी, जहां ईसाई समुदाय की अच्छी खासी आबादी है, हम सेवा कार्य जारी रखे हुए हैं और विकास को गति दे रहे हैं। केरल में हम सरकार बनाएंगे, जीवन स्तर में सुधार करेंगे और मछुआरों व स्थानीय समुदायों की चिंताओं का समाधान करेंगे। नॉर्थईस्ट में एक राज्य को छोड़कर भाजपा-एनडीए की सरकार है और वहां पिछले 50-60 साल में जो काम नहीं हुआ, वो हमने करके दिखाया है। उन्होंने कहा कि गोवा में लगातार भाजपा-एनडीए की सरकार है और गोवा विकास की नई ऊंचाई को छू रहा है। केरलम में भी एनडीए की सरकार बनेगी तो विकास की नई ऊंचाइयों को पाएंगे। स्थानीय किसानों और मछुआरों की हर समस्या का हम समाधान करेंगे।

उन्होंने कहा कि सबरीमाला रेलवे परियोजना से पूरे क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे और सबरीमाला तीर्थयात्रियों से सीधा संपर्क स्थापित होगा। इससे स्थानीय व्यापार को बढ़ावा मिलेगा और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

हालांकि, राज्य सरकार ने इस परियोजना में लगातार बाधाएं खड़ी की हैं। केरल में भाजपा की दोहरी इंजन वाली सरकार सत्ता में आते ही ये बाधाएं दूर हो जाएंगी। यह मोदी का आश्वासन है। केरल नई गति से विकास करेगा।

उन्होंने कहा कि एनडीए की नीतियों से सबसे अधिक लाभान्वित होने वाला समूह महिलाएं हैं। महिला सशक्तिकरण हमारी प्राथमिकता है। हमने उनके जीवन के हर स्तर पर चुनौतियों का समाधान करने के लिए काम किया है। शौचालय निर्माण और बैंक खाते खोलने से लेकर उनके नाम पर घर उपलब्ध कराने और मुद्रा ऋण के माध्यम से उद्यमिता को बढ़ावा देने तक, हमने उनकी नींव मजबूत की है।

उन्होंने कहा कि हम महिला स्वयं सहायता समूहों का भी समर्थन कर रहे हैं और लखपति दीदी कार्यक्रम ने शानदार परिणाम दिए हैं। हमने पहले ही 3 करोड़ लखपति दीदियां बनाई हैं और 3 करोड़ और बनाने का लक्ष्य रखा है।यदि केरल में भाजपा सरकार बनती है, तो महिलाओं को सबसे अधिक लाभ होगा।

पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाना चाहिए: मल्लिकार्जुन खड़गे...

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने पुडुचेरी को शक्तिहीन बना दिया है। पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा चाहिए, लेकिन भाजपा ऐसा नहीं चाहती। पुडुचेरी के उपराज्यपाल मोदी की कठपुतली की तरह काम करते हैं। उन्होंने कहा कि आपका स्वास्थ्य खतरे में है, आपके बच्चों का भविष्य अनिश्चित है, आपकी सुरक्षा कमजोर हो रही है और सार्वजनिक संपत्ति खतरे में है। भ्रष्टाचार हर क्षेत्र में फैल चुका है। आपका वोट ही आपकी शक्ति है; इसका बुद्धिमानी से उपयोग करें। कांग्रेस पार्टी आपके अधिकारों, आपकी आवाज और आपके कल्याण के लिए लड़ेगी।

वैश्विक तनावों के बावजूद वित्त वर्ष 2026 में भारतीय शेयर बाजार की बुनियादी स्थिति मजबूत...

हालांकि, यह भी ध्यान देने वाली बात है कि भारतीय बाजार का इतिहास बताता है कि लगातार दो वित्तीय वर्षों में गिरावट की संभावना बेहद कम रहती है। इससे संकेत मिलता है कि आगे बाजार में सुधार देखने को मिल सकती है।

वैश्विक घटनाक्रमों का असर भी भारतीय बाजार पर साफ दिखाई दिया। पश्चिम एशिया में बढ़ते युद्ध, ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने और तेल की कीमतों में उछाल ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। इसके साथ ही आरबीआई द्वारा घरेलू कर्ज से जुड़े नियमों में सख्ती के बाद बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में भी गिरावट देखने को मिली।

सेक्टोरल स्तर पर देखें तो निफ्टी रियल्टी, आईटी और एफएमसीजी इंडेक्स सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। वित्त वर्ष 2026 में रियल्टी इंडेक्स में 21 प्रतिशत, आईटी में 20 प्रतिशत और एफएमसीजी में 13 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

आईपीएल 2026: मुंबई को हराकर दिल्ली टॉप पर ...

रोहित 26 गेंदों में 1 छक्के और 5 चौकों के साथ 35 रन बनाकर आउट हुए, जबकि सूर्या ने 36 गेंदों में 2 छक्कों और 3 चौकों के साथ 51 रन टीम के खाते में जोड़े। इनके अलावा, नमन धीर ने 28 रन और मिचेल सेंटनर ने नाबाद 18 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

विपक्षी खेमे से मुकेश कुमार ने 2 विकेट हासिल किए, जबकि लुंगी एनगिडी, अक्षर पटेल, विपराज निगम और टी नटराजन ने एक-एक विकेट हासिल किया।

इसके जवाब में दिल्ली कैपिटल्स ने 18.1 ओवरों में जीत हासिल कर ली। मेजबान टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। डीसी ने 1.4 ओवरों में महज 7 के स्कोर तक अपने 2 विकेट गंवा दिए थे। यहां से पथुम निसांका ने समीर रिजवी के साथ तीसरे विकेट के लिए 49 गेंदों में 66 रन जुटाते हुए टीम को 73 के स्कोर तक पहुंचाया।

निसांका 30 गेंदों में 1 छक्के और 6 चौकों के साथ 44 रन बनाकर आउट हुए। यहां से रिजवी ने डेविड मिलर के साथ मोर्चा संभाला। दोनों खिलाड़ियों ने चौथे विकेट के लिए 39 गेंदों में 78 रन की साझेदारी करते हुए डीसी को जीत की दहलीज पर ला दिया।

इस बीच, रिजवी अपने आईपीएल करियर का पहला शतक चूक गए। उन्होंने 51 गेंदों में 7 छक्कों और इतने ही चौकों के साथ 90 रन की पारी खेली।

मिलर ने नाबाद 21 रन बनाकर टीम को 11 गेंदें शेष रहते जीत दिलाई। विपक्षी खेमे से दीपक चाहर, मिचेल सेंटनर और कॉर्बिन बॉश ने 1-1 विकेट हासिल किया।

आईआईएम रायपुर के दीक्षांत समारोह में एस. जयशंकर बोले–ग्लोबल सोच अपनाएं और भारत को आत्मनिर्भर बनाएं

रायपुर । छत्तीसगढ़ के नया रायपुर स्थित भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर के 15वें दीक्षांत समारोह में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शनिवार को छात्रों को संबोधित किया। अपने भाषण में उन्होंने बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच युवाओं की भूमिका और उनकी तैयारी पर विस्तार से बात की। उन्होंने कहा कि आज का दौर तेज़ी से बदलावों का है, जहां सीमाओं के पार होने वाली घटनाएं सीधे हमारे जीवन और करियर को प्रभावित करती हैं। ऐसे में छात्रों के लिए जरूरी है कि वे केवल अपनी पढ़ाई या अपने क्षेत्र तक सीमित न रहें, बल्कि दुनिया में हो रहे राजनीतिक और आर्थिक परिवर्तनों को भी समझें।

भारत की प्रगति का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि देश ने बीते वर्षों में आर्थिक मोर्चे पर मजबूत पकड़ बनाई है और वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान को और सशक्त किया है। उन्होंने यह भी कहा कि कठिन अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बावजूद भारत ने स्थिरता बनाए रखी, जो उसकी नीतियों और क्षमता को दर्शाती है।

अपने संबोधन में उन्होंने बुनियादी ढांचे और तकनीकी विकास पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि देश में सड़कों, रेल नेटवर्क और बंदरगाहों के विस्तार के साथ-साथ डिजिटल क्रांति ने व्यापार और दैनिक जीवन को अधिक सुगम बनाया है। इससे युवाओं के लिए नए अवसरों के द्वार खुले हैं। इसके अलावा, उन्होंने आत्मनिर्भरता को भविष्य की आवश्यकता बताते हुए खाद्य, स्वास्थ्य और ऊर्जा क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में काम करने की बात कही। उनका मानना था कि इन क्षेत्रों में मजबूती भारत को वैश्विक स्तर पर और अधिक सक्षम बनाएगी। विदेश नीति के महत्व को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि यह केवल कूटनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापार और उद्योग को अंतरराष्ट्रीय बाजार में आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। छात्रों को उन्होंने प्रेरित किया कि वे वैश्विक सोच के साथ अपने कौशल का उपयोग करें और भारत का नाम दुनिया में ऊंचा करें। अंत में उन्होंने छात्रों को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि प्रतिस्पर्धा हर क्षेत्र में मौजूद है, इसलिए निरंतर मेहनत, नेतृत्व क्षमता और मजबूत संबंध बनाना बेहद जरूरी है।

छत्तीसगढ़ के खनिज राजस्व में 14 प्रतिशत की वृद्धि, 16,625 करोड़

रायपुर । छत्तीसगढ़ सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान खनिज राजस्व संग्रह में उल्लेखनीय उपलब्धि दर्ज की है। शनिवार को जानकारी दी गयी की राज्य ने इस अवधि में 16,625 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है जो निर्धारित लक्ष्य का लगभग 98 प्रतिशत है। यह संग्रहण पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में 14 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है।

खनिज विभाग के सचिव पी दयानंद के अनुसार यह वृद्धि दर पिछले पांच वर्षों की औसत वार्षिक वृद्धि दर यानी 6 प्रतिशत के मुकाबले दोगुनी से भी अधिक है। विभाग का मानना है कि राजस्व में यह उछाल पारदर्शी प्रबंधन और सुदृढ़ प्रशासनिक नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन की वजह से संभव हो पाया है। राज्य की खनिज आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा रहा है।

राजस्व में हुई इस बढ़ोतरी के पीछे कई तकनीकी और रणनीतिक कारक प्रभावी रहे हैं। इनमें एनएमडीसी और अन्य सार्वजनिक उपक्रमों के लिए खनिज परिवहन मार्गों का बेहतर प्रबंधन प्रमुख है। इसके साथ ही खनिज 2.0 जैसे आईटी आधारित प्लेटफॉर्म के उपयोग से निगरानी और संचालन की क्षमता में सुधार आया है। इस प्रणाली ने पूरी प्रक्रिया को अधिक जवाबदेह और डिजिटल बनाने में सहायता की है।

आगामी योजनाओं के तहत राज्य सरकार अब गौण खनिजों को भी खनिज 2.0 पोर्टल के दायरे में लाने की तैयारी कर रही है।

प्रभावी पुलिसिंग के लिए सुधार और सामाजिक भागीदारी जरूरी: डीजीपी

सुरगुजा । छत्तीसगढ़ के पुलिस महानिदेशक अरुणदेव गौतम ने कहा है कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए पुलिसिंग में सुधार, ट्रैफिक नियमों का कड़ाई से पालन और नशे के खिलाफ व्यापक सामाजिक भागीदारी बेहद जरूरी है। सरगुजा प्रवास के दौरान पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि सभी रेंज के पुलिस अधीक्षकों और राजपत्रित अधिकारियों की समीक्षा बैठक में अपराध नियंत्रण, थाना स्तर की कार्यप्रणाली और ग्रामीण क्षेत्रों में पुलिस की पहुंच बढ़ाने जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। डीजीपी ने कहा कि सरगुजा जैसे बड़े और ग्रामीण इलाकों में कई बार पुलिस की निगरानी पूरी तरह प्रभावी नहीं हो पाती। ऐसे में पारंपरिक पुलिसिंग तरीकों और व्यावहारिक साधनों को फिर से अपनाने की जरूरत है। उन्होंने डीएसपी स्तर के अधिकारियों को अपने क्षेत्र की गहराई से जानकारी रखने और थाना स्तर पर सतत निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षकों को नियमित निरीक्षण के साथ गांवों का भ्रमण करने और आम लोगों से संवाद बढ़ाने पर विशेष जोर दिया गया है। साथ ही, आईजी स्तर पर लगातार समीक्षा कर इन प्रयासों की निगरानी सुनिश्चित की जाएगी। ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन, विशेषकर नाबालिगों द्वारा वाहन चलाने के मामलों पर डीजीपी ने सख्त रुख अपनाने की बात कही। उन्होंने बताया कि मोटर व्हीकल एक्ट के तहत वाहन मालिकों पर भी कार्रवाई का प्रावधान है। सोशल मीडिया पर खतरनाक स्टंट और रील बनाने की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि इसे रोकने के लिए समाज को भी आगे आना होगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केवल पुलिस कार्रवाई पर्याप्त नहीं है, बल्कि बच्चों को सही दिशा देने में परिवार और स्कूलों की भूमिका भी अहम है।

माओवाद से मुक्ति केवल सरकार नहीं बल्कि वीर जवानों के शौर्य की जीत है: साय

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को कहा की छत्तीसगढ़ को माओवादी आतंक से पूरी तरह मुक्त होने की सफलता केवल सरकार की जीत नहीं बल्कि पूरे राष्ट्र और उन बहादुर जवानों की जीत है जिन्होंने क्षेत्र में शांति बहाली के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है।

साय ने इस उपलब्धि का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व के साथ-साथ सुरक्षा बलों और बस्तर की जनता के सामूहिक संकल्प को दिया ।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के प्रति आभार जताते हुए वर्ष 2015 के दंतेवाड़ा संदेश को याद किया जिसमें युवाओं से हिंसा छोड़कर मानवता की राह पर चलने का आह्वान किया गया था। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को माओवाद उन्मूलन रणनीति का मुख्य सूत्रधार बताया। साय ने उल्लेख किया कि अमित शाह ने रायपुर में 31 मार्च 2026 तक माओवाद समाप्त करने का जो लक्ष्य रखा था उसे सुरक्षा बलों के समन्वय और स्पष्ट दिशा-निर्देशों के माध्यम से समय सीमा के भीतर पूरा कर लिया गया है। उनके मार्गदर्शन में सुरक्षा बलों को न केवल आधुनिक संसाधन मिले बल्कि एक स्पष्ट संदेश भी दिया गया कि हिंसा का जवाब दृढ़ता से मिलेगा जबकि शांति का मार्ग चुनने वालों का स्वागत होगा।

बस्तर की जनता के प्रति कृतज्ञता प्रकट करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों का लोकतंत्र में अटूट विश्वास ही इस बड़े बदलाव का आधार बना है। एक समय था जब मतदान करने पर उंगली काटने जैसी धमकियां दी जाती थीं लेकिन जनता ने निर्भय होकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूत किया। उन्होंने उन शहीदों को भी भावभीनी श्रद्धांजलि दी जिनके बलिदान ने बस्तर की नई कहानी लिखने में मदद की है। मुख्यमंत्री के अनुसार हिंसक विचारधारा ने दशकों तक अनगिनत परिवारों को जो पीड़ा दी है उसका अंत अब सुरक्षा बलों के अदम्य साहस और राष्ट्र के सामूहिक संकल्प से संभव हो सका है। राज्य में डबल इंजन सरकार के गठन के बाद पिछले ढाई वर्षों में विकास पुनर्वास और विश्वास के समन्वित प्रयासों से इस सशस्त्र चुनौती का समूल नाश किया गया है। साय ने स्पष्ट किया कि जो लोग हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में लौटे हैं उनका शासन द्वारा स्वागत किया गया है और जनता के विश्वास की रक्षा करना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी।

रायपुर में 2026 में बनेगे चार फ्लाईओवर

रायपुर । राजधानी रायपुर में यातायात की सुगमता और शहरवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष चार नए फ्लाईओवर्स का निर्माण कार्य शुरू होने जा रहा है, शनिवार को जानकारी दी गयी। उप मुख्यमंत्री और लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के निर्देशों के बाद विभाग ने इन परियोजनाओं के लिए कुल 360 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत कर दी है। इन निर्माण कार्यों का मुख्य उद्देश्य शहर के व्यस्ततम क्षेत्रों में वाहनों की आवाजाही को तेज और व्यवस्थित बनाना है जिससे ट्रैफिक जाम की समस्या से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

परियोजना के विवरण के अनुसार सबसे बड़ी राशि जी.ई. रोड के लिए आवंटित की गई है। गुरू तेज बहादुर उद्यान से तेलीबांधा के नेताजी सुभाष चौक तक बनने वाले फ्लाईओवर के लिए 172.86 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इसके अलावा रिंग रोड क्रमांक-2 पर स्थित सोनडोंगरी चौक पर एक ओवरपास का निर्माण किया जाएगा जिसके लिए 43.89 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली है। इन ढांचागत सुधारों से रायपुर के प्रमुख व्यापारिक मार्गों पर दबाव कम होगा और सड़क सुरक्षा में भी सुधार आएगा।

शहर के अन्य महत्वपूर्ण जंक्शनों को भी इस योजना में शामिल किया गया है। वी.आई.पी. रोड के फुंडहर चौक पर ओवरपास निर्माण के लिए 56 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। वहीं अटल पथ एक्सप्रेस-वे पर फुंडहर चौक में ही एक ग्रेड सेपरेटर का निर्माण भी किया जाएगा जिसके लिए प्रशासन ने 87.53 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। यह ग्रेड सेपरेटर एक्सप्रेस-वे पर चलने वाले वाहनों की निर्बाध गति सुनिश्चित करने में सहायक सिद्ध होगा।

लोक निर्माण मंत्री अरुण साव ने इस विकास कार्य पर जोर देते हुए कहा कि राज्य शासन रायपुर के बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने के लिए पूरी गंभीरता से काम कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि सड़कों के चौड़ीकरण और नए फ्लाईओवर्स के निर्माण से न केवल समय की बचत होगी बल्कि राजधानी में आने-जाने वाले लोगों को एक सुगम और सुरक्षित अनुभव मिलेगा। विभाग का प्राथमिकता शहर के भीतर यातायात के बढ़ते बोझ को नियंत्रित करना और नागरिकों की आवाजाही को अधिक सहज बनाना है।

रायगढ़ में अंतरराज्यीय बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़, 9 गिरफ्तार और 21 मोटरसाइकिलें बरामद

रायगढ़ । छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले की पुलिस टीम ने चोरी की बाईक बेचने और और खरीदने वाले नेटवर्क का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी समेत 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, शनिवार को यह जानकारी दी गयी ।

आरोपियों के पास से चोरी की 21 मोटर सायकल बरामद की गई है। इस मामले में एक अन्य आरोपी फरार है। जब्त मोटर सायकल की कीमत 15 लाख रूपये बताई जा रही है।पुलिस ने बताया कि रायगढ़ जिले के अलग-अलग इलाकों से लगातार हो रही बाईक चोरी के संबंध में सभी थाना प्रभारियों को बाईक चोरी करने वाले वालों पर विशेष निगाह रखने को कहा गया था। इसी क्रम में पुलिस को सूचना मिली कि लैलूंगा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम धौराडांड निवासी सुखदेव चौहान अपने साथी शिव नागवंशी के साथ मिलकर पूंजीपथरा, धरमजयगढ़, ओडिसा से बाईक चोरी कर सस्ते दामों में बेच रहे हैं। इस सूचना के बाद साइबर थाना प्रभारी एवं पूंजीपथरा थाना प्रभारी संयुक्त टीम बनाकर सुखदेव चौहान को हिरासत में लिया गया।

चौहान पूछताछ में बताया कि वह अपने साथी शिव नागवंशी के साथ मिलकर बाइक चोरी करता था। जुलाई 2025 में पूंजीपथरा क्षेत्र के सराईपाली बाजार से एक पैशन प्रो मोटरसाइकिल और अगस्त 2025 में तुमीडीह बाजार से एक पल्सर मोटरसाइकिल चोरी की थी। इसके अलावा मार्च 2026 में थाना धरमजयगढ़ क्षेत्र के ग्राम पोरिया से एक एचएफ डीलक्स बाइक चोरी करना भी स्वीकार किया।

चौहान ने पुलिस को बताया कि उसने चोरी की मोटरसाइकिलें कार्तिक राम डूंगडूंग, रामकुमार वैष्णव, केशव यादव, भोजराम पैंकरा, जगदीश पैंकरा, शिवचरण चौहान, सुखचरण चौहान, अमित कुमार नागवंशी और शिवप्रसाद विश्वकर्मा को बेची थीं। पुलिस ने इन सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 14 मोटरसाइकिल बरामद की। वहीं आरोपी सुखदेव चौहान द्वारा अपने बाड़ी में छिपाकर रखी गई 7 अन्य मोटरसाइकिल भी जप्त की गई। पूरे ऑपरेशन में पुलिस ने कुल 21 चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है, जिनकी बाजार कीमत करीब 15 लाख रुपये है।

आरोपियों ने बताया कि दोनों पेशे से ड्राइवर हैं और गाड़ियों की मरम्मत का काम भी जानते हैं। इसी वजह से वे पेचकस और अन्य सामान्य औजारों की मदद से आसानी से मोटरसाइकिल का लॉक तोड़कर बाइक चोरी कर लेते थे। चोरी के बाद वे मोटरसाइकिलों को सुनसान स्थानों पर छिपाकर रखते और बाद में सस्ते दामों में बेच देते थे।

छत्तीसगढ़ के महासमुंद में 282 किलो गांजा के साथ 5 तस्कर गिरफ्तार, 2 करोड़ 6 लाख की संपत्ति जब्त

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और थाना सिंघोड़ा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में उड़िशा से महाराष्ट्र ले जाए जा रहे भारी मात्रा में गांजा को जब्त करते हुए 5 तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। इस पूरी कार्रवाई में कुल 2 करोड़ 6 लाख 45 हजार रुपए की संपत्ति जब्त की गई है, जिसमें 1 करोड़ 40 लाख 95 हजार रुपए कीमत का 281.900 किलो गांजा भी शामिल है।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय महासमुंद से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स को लगातार निर्देश दिए गए हैं कि अवैध मादक पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सोर्स प्वाइंट से लेकर डेस्टिनेशन प्वाइंट तक सघन और वैज्ञानिक जांच की जाए। इसी कड़ी में जिलेभर में लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि उड़ीसा की ओर से दो लग्जरी वाहन में भारी मात्रा में गांजा भरकर महाराष्ट्र की ओर ले जाया जा रहा है। यह पूरी कार्रवाई एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और थाना सिंघोड़ा पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा अंजाम दी गई। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग 53 स्थित रेहटीखोल के पास नाकाबंदी की। कुछ ही देर में बताए गए नंबर की फार्चुनर और स्कॉर्पियो वहां पहुंचीं, जिन्हें रोककर तलाशी ली गई। फार्चुनर कार में तीन लोग सवार थे, जिन्होंने पूछताछ में अपने नाम प्रशांत शंकर गोले, क्षितिज वीरसेन जाधव और अक्षय नंदकुमार निगम बताए, जो महाराष्ट्र के सतारा जिले के निवासी हैं। वहीं, स्कॉर्पियो सवार दो अन्य व्यक्तियों ने अपना नाम अभिषेक डेविड जगले, निवासी शोलापुर और महेश काटकर, निवासी सतारा बताया।

वाहनों की तलाशी लेने पर फार्चुनर की पिछली सीट और स्कॉर्पियो के बीच तथा पीछे रखी बोरियों में गांजा भरा मिला। आरोपियों ने पूछताछ में स्वीकार किया कि वे यह गांजा उड़ीसा के फुलवानी जिले से महाराष्ट्र के पुणे में खपाने के लिए ले जा रहे थे। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए 281.900 किलो गांजा जब्त कर लिया।

नियद नेल्लानार योजना: बीजापुर के वनांचलों में घर के पास मिल रहा इलाज

बीजापुर । बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों के कायाकल्प के लिए संचालित 'नियद नेल्लानार' (आपका अच्छा गाँव) योजना अब धरातल पर सार्थक परिणाम दे रही है, एक आधिकारिक बयां में शनिवार को कहा गया।

जिला बीजापुर के दुर्गम क्षेत्र ग्राम पालनार में आयुष्मान आरोग्य मंदिर के खुलने के बाद से 28 जनवरी 2026 से लेकर अब तक 747 मरीजों ने ओपीडी सेवाओं का लाभ उठाया है। इसके अतिरिक्त 16 मरीजों को आवश्यकतानुसार भर्ती कर उनका उपचार किया गया है। स्थानीय स्तर पर चिकित्सा परामर्श और दवाएं उपलब्ध होने से ग्रामीणों को अब इलाज के लिए लंबी दूरी तय नहीं करनी पड़ रही है।

मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के अंतर्गत इस केंद्र में अब तक पांच संस्थागत प्रसव कराए गए हैं और नियमानुसार नवजातों को जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं। इसके साथ ही क्षेत्र की 15 गर्भवती महिलाओं और 18 धात्री माताओं की नियमित स्वास्थ्य जांच तथा टीकाकरण का कार्य भी सुनिश्चित किया गया है। गैर-संचारी रोगों की पहचान के लिए स्वास्थ्य केंद्र में अब तक 250 ग्रामीणों की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग की गई है। इस जांच में पच्चीस मरीज उच्च रक्तचाप और बारह मरीज मधुमेह से ग्रसित पाए गए।

भारतीय रेलवे 398 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट से गुजरात और एमपी में बिछाएगी 1,929 किमी ऑप्टिकल फाइबर केबल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गुजरात और मध्य प्रदेश में रेलवे नेटवर्क को मजबूत करने के लिए 398.36 करोड़ रुपए की परियोजना को मंजूरी दी है। रेल मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद और रतलाम डिवीजनों में 1,929 किलोमीटर मार्ग पर ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाई जाएगी।

रेल मंत्रालय के अनुसार, इस परियोजना में अहमदाबाद डिवीजन में 1,456 किलोमीटर और रतलाम डिवीजन में 473 किलोमीटर रूट पर 2×48 फाइबर ऑप्टिकल केबल बिछाई जाएगी। यह काम 2024-25 के वर्क्स प्रोग्राम के तहत 27,693 करोड़ रुपए की बड़ी योजना का हिस्सा है, जिसमें पूरे रेलवे नेटवर्क पर 'कवच' सिस्टम के लिए लॉन्ग टर्म इवोल्यूशन (एलटीई) आधारित कम्युनिकेशन नेटवर्क तैयार किया जा रहा है। इसके अलावा, पश्चिम रेलवे के लिए 2,800 करोड़ रुपए की अलग सब-प्रोजेक्ट मंजूर की गई है, जिसके तहत यह काम किया जाएगा। नई कम्युनिकेशन व्यवस्था से रेलवे के आधुनिक सिग्नलिंग सिस्टम को सपोर्ट मिलेगा, डेटा ट्रांसमिशन आसान होगा और ट्रेनों की संचालन क्षमता व विश्वसनीयता में सुधार आएगा।

'कवच' भारतीय रेलवे द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित एक ऑटोमैटिक ट्रेन प्रोटेक्शन सिस्टम है, जिसे ट्रेनों की टक्कर रोकने के लिए तैयार किया गया है। यह सिस्टम सिग्नल मिस होने या दो ट्रेनों के आमने-सामने आने की स्थिति में खुद ही ब्रेक लगा देता है। हाल के वर्षों में हुई ट्रेन दुर्घटनाओं के बाद सरकार ने 'कवच' सिस्टम को तेजी से लागू करने पर जोर दिया है। इसके अलावा, सरकार ने पिछले तीन वर्षों में यात्रियों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए 34,000 करोड़ रुपए से अधिक खर्च को मंजूरी दी है, जिसमें स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन जैसे काम शामिल हैं। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, 2023-24 में 9,392 करोड़ रुपए, 2024-25 में 12,884 करोड़ रुपए और 2025-26 में 12,018 करोड़ रुपए यात्री सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए आवंटित किए गए हैं।

आईपीएल इतिहास की 5 सबसे बड़ी साझेदारियां, टॉप पर कोहली-डिविलियर्स की जोड़ी

नई दिल्ली। क्रिकेट के खेल में साझेदारी का महत्व काफी अहम होता है। एक अच्छी पार्टनरशिप पूरे मैच का रुख पलट देती है। आईपीएल में भी ऐसी कई साझेदारियां हुई हैं, जो इस लीग के इतिहास के पन्नों में दर्ज हो चुकी हैं। आईपीएल में सबसे बड़ी साझेदारी का रिकॉर्ड विराट कोहली और एबी डिविलियर्स की जोड़ी के नाम दर्ज है।

कोहली-डिविलियर्स (229 रन): आईपीएल 2016 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की तरफ से खेलते हुए विराट कोहली और एबी डिविलियर्स ने दूसरे विकेट के लिए 229 रनों की साझेदारी निभाई थी। यह इस लीग के इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारी भी है, जो गुजरात लायंस के खिलाफ बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में बनी थी। इस मैच में कोहली ने 55 गेंदों में 109 रन बनाए थे, जबकि डिविलियर्स ने 52 गेंदों में 129 रनों की नाबाद पारी खेली थी।

कोहली-डिविलियर्स (215 रन): साल 2015 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में विराट कोहली और एबी डिविलियर्स ने आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी निभाई थी। दोनों ने मिलकर वानखेड़े के मैदान पर दूसरे विकेट के लिए 215 रन जोड़े थे। डिविलियर्स ने 59 गेंदों में 133 रनों की बेमिसाल पारी खेली थी, जबकि कोहली 82 रन बनाकर नाबाद रहे थे।

केएल राहुल-डी कॉक (210 रन): 18 मई 2022 को केएल राहुल और क्विंटन डी कॉक ने लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से खेलते हुए पहले विकेट के लिए 210 रनों की अटूट साझेदारी निभाई थी। डी कॉक ने 70 गेंदों में 200 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए नाबाद 140 रन बनाए थे, तो राहुल 51 गेंदों में 68 रन बनाकर नाबाद रहे थे।

गिल-सुदर्शन (210 रन): शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने आईपीएल 2024 में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ खेले गए मुकाबले में पहले विकेट के लिए 210 रनों की साझेदारी की थी। गिल ने 55 गेंदों में 104 रनों की दमदार पारी खेली थी, जबकि सुदर्शन ने 51 गेंदों में 103 रन बनाए थे। मार्श-गिलक्रिस्ट (206 रन): आईपीएल 2011 में शॉन मार्श और एडम गिलक्रिस्ट ने आरसीबी के खिलाफ हुए मैच में दूसरे विकेट के लिए 206 रन जोड़े थे। गिलक्रिस्ट ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए।

1000 किलोग्राम के 600 एरियल बम की खरीद करेगी भारतीय वायुसेना

नई दिल्ली। स्वदेशी हथियारों के निर्माण और उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार नए इकोसिस्टम के विकास में जुटी है। अधिकांश रक्षा खरीद अब स्वदेशी कंपनियों से की जा रही है, और इसी दिशा में विशेष जोर दिया जा रहा है।

सेना अपनी आवश्यकताओं की जानकारी देश की हथियार निर्माण कंपनियों को देती है। इसी क्रम में भारतीय वायुसेना ने 1000 किलोग्राम के एरियल बम के लिए स्वदेशी कंपनियों से जानकारी मांगी है। खास बात यह है कि वायुसेना को अमेरिकी एमके-84 जैसा शक्तिशाली एरियल बम चाहिए।

इसके लिए वायुसेना और रक्षा मंत्रालय ने एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट (ईओआई) जारी किया है। रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया 2020 के तहत 1000 किलोग्राम के एमके-84 के समान एरियल बम के स्वदेशी डिजाइन, विकास और खरीद के लिए रुचि की अभिव्यक्ति आमंत्रित की गई है। यह प्रोजेक्ट पहले मेक-द्वद्व (इंडस्ट्री फंडेड) श्रेणी के तहत शुरू होगा और बाद में बाई (इंडियन-आईडीडीएम) श्रेणी के तहत इसकी खरीद की जाएगी।

इस परियोजना को दो चरणों में विभाजित किया जाएगा। पहले चरण में प्रोटोटाइप तैयार किए जाएंगे, जबकि दूसरे चरण में स्वदेशी कंपनियों से इनकी खरीद की जाएगी। पहले चरण में कुल 6 प्रोटोटाइप बनाए जाएंगे, जिनमें वास्तविक और डमी दोनों प्रकार के बम शामिल होंगे। इसके बाद उनका परीक्षण किया जाएगा और आवश्यक तकनीकी मानकों को अंतिम रूप दिया जाएगा। इस चरण में कम से कम 50 प्रतिशत सामग्री भारत में निर्मित होना अनिवार्य होगा। इस बम को इस प्रकार विकसित किया जाएगा कि इसे भारतीय वायुसेना के स्वदेशी, रूसी और अन्य विदेशी विमानों पर आसानी से इस्तेमाल किया जा सके। यह बम अत्यधिक विस्फोटक क्षमता वाला होगा और दुश्मन पर अधिक प्रभाव डालने में सक्षम होगा। वर्तमान में भारतीय वायुसेना के पास इस प्रकार के एरियल बम मौजूद हैं, लेकिन वे विदेशों से खरीदे जाते हैं। पहले चरण के बाद दूसरे चरण में लगभग 600 बमों की खरीद की जाएगी।

ईओआई जारी होने से लेकर कॉन्ट्रैक्ट साइन होने तक लगभग 2.5 वर्ष का समय लगेगा, जिसमें डिजाइन, परीक्षण, मूल्यांकन और अन्य प्रक्रियाएं शामिल होंगी। सभी परीक्षण भारत में ही वायुसेना की यूनिट्स या निर्धारित स्थानों पर किए जाएंगे।

विभिन्न प्लेटफॉर्म से इन बमों का परीक्षण किया जाएगा।

एमके-84 अमेरिका का एक भारी एरियल बम है, जिसे लड़ाकू या भारी बमवर्षक विमानों से गिराया जाता है। इसका वजन लगभग 900-1000 किलोग्राम (2000 पाउंड) होता है। यह एक जनरल-पर्पस बम है, जिसका उपयोग विभिन्न प्रकार के लक्ष्यों पर किया जा सकता है। इसकी विस्फोटक क्षमता बहुत अधिक होती है, जिससे बड़े स्तर पर नुकसान होता है। आमतौर पर इसका उपयोग दुश्मन के बंकर, इमारतों, रनवे और गोदाम जैसे मजबूत ठिकानों को नष्ट करने के लिए किया जाता है। आधुनिक प्रणालियों के साथ इसे जोड़कर इसे प्रिसिजन (सटीक) बम में भी बदला जा सकता है।

मध्य प्रदेश में किसानों की ऋण अदायगी तिथि बढ़ेः उमंग सिंघार

भोपाल । मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर प्रदेश में किसानों की ऋण अदायगी की अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग की है।

नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने अपने पत्र में उल्लेख किया है कि प्रदेश में गेहूं खरीदी की प्रक्रिया बार-बार प्रभावित हो रही है और अब तक खरीदी की तिथि तीन बार परिवर्तित की जा चुकी है। इसके साथ ही बारदाने की कमी के कारण खरीदी कार्य बाधित हो रहा है, जिससे किसान अपनी उपज न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम कीमत पर बेचने को मजबूर हैं। इससे किसानों को गंभीर आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि इस स्थिति का सीधा असर किसानों की ऋण चुकाने की क्षमता पर पड़ रहा है। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के अनुसार प्रदेश में किसान क्रेडिट कार्ड के लगभग 64,17,424 खाते संचालित हैं, जिन पर कुल बकाया ऋण लगभग 86,995 करोड़ रुपए है। उमंग सिंघार ने यह भी उल्लेख किया कि पहले भी सरकार से ऋण अदायगी की अंतिम तिथि बढ़ाने का अनुरोध किया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई सकारात्मक जवाब प्राप्त नहीं हुआ है।

मेट्रो पोस्टर कांडः लश्कर-ए-तैयबा के हैंडलर शब्बीर अहमद लोन को 7 दिन की न्यायिक हिरासत

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के आतंकवादी और मेट्रो पोस्टर मामले से जुड़े हाल ही में पकड़े गए मॉड्यूल के संचालक शब्बीर अहमद लोन को अदालत में पेश किया है। आतंकी शब्बीर अहमद लोन की पांच दिन की पुलिस कस्टडी पूरी होने के बाद शनिवार को उसे पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया गया, जहां अदालत ने उसे सात दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया।

पुलिस के मुताबिक, शब्बीर अहमद लोन उसी मॉड्यूल का हैंडलर था, जिसमें पहले आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इन आठ आरोपियों में सात बांग्लादेशी नागरिक और एक भारतीय शामिल था। जांच एजेंसियों का मानना है कि यह मॉड्यूल संगठित तरीके से देश में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने की साजिश में जुटा था।

स्पेशल सेल की जांच में यह भी सामने आया है कि हाल ही में सामने आए मेट्रो पोस्टर मामले में भी शब्बीर अहमद लोन की भूमिका संदिग्ध रही है। इसी कड़ी में उसे गिरफ्तार कर पूछताछ की गई थी। पुलिस कस्टडी के दौरान उससे कई महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाई गई हैं, जिनके आधार पर आगे की जांच को दिशा मिल रही है।

अदालत में पेशी के दौरान जांच एजेंसी ने बताया कि पूछताछ में आरोपी से मॉड्यूल के नेटवर्क, फंडिंग और अन्य साथियों के बारे में अहम सुराग मिले हैं। हालांकि, जांच अभी जारी है और एजेंसियां इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों तक पहुंचने की कोशिश कर रही हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए अदालत ने आरोपी को सात दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इससे पहले, अदालत ने 30 मार्च को शब्बीर अहमद लोन को 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेजा था।

स्पेशल सेल के अतिरिक्त कमिश्नर प्रमोद सिंह कुशवाहा के अनुसार, 29 मार्च की रात दिल्ली के गाजीपुर इलाके से शब्बीर को गिरफ्तार किया गया था। इस कार्रवाई की निगरानी डीसीपी प्रवीण त्रिपाठी ने की। शब्बीर एक ट्रेंड और हार्डकोर आतंकवादी है, जो पाकिस्तान में ट्रेनिंग ले चुका है और बांग्लादेश से अपना मॉड्यूल चला रहा था। यह संवेदनशील इलाकों में पोस्टर लगवा रहा था, जिसमें सुप्रीम कोर्ट एरिया भी शामिल था।

गिरफ्तारी के दौरान शब्बीर के पास से अलग-अलग देशों की करेंसी बरामद हुई थी। उसके पास से नेपाल का सिम कार्ड और करीब 23 सौ टका बांग्लादेश की करेंसी, लगभग 5 हजार की पाकिस्तानी करेंसी और 3 हजार की भारतीय करेंसी भी मिली हथी।

ताइवान को चीनी खतरे से निपटने के लिए 'आत्म-निरोधक क्षमता' बढ़ानी होगीः रिपोर्ट

वॉशिंगटन । ताइवान को अपनी लोकतांत्रिक व्यवस्था की रक्षा के लिए चीन के बढ़ते खतरे के बीच 'सेल्फ-डिटरेंस' यानी आत्म-निरोधक क्षमता विकसित करनी होगी। यह बात अमेरिकी पत्रिका जॉर्नल ऑफ डेमोक्रेसी में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कही गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, यह रणनीति सैन्य आक्रामकता बढ़ाने की नहीं, बल्कि संभावित हमले की लागत इतनी बढ़ाने की है कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) के लिए ताइवान पर हमला करना बेहद महंगा और जोखिम भरा हो जाए।

रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की ओर से खतरे केवल सैद्धांतिक नहीं हैं, बल्कि वे रोज़ाना सैन्य दबाव, साइबर हमलों और दुष्प्रचार अभियानों के रूप में दिखाई देते हैं। चीनी लड़ाकू विमान बार-बार ताइवान स्ट्रेट की मध्य रेखा को पार कर रहे हैं, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता प्रभावित हो रही है। इसके अलावा, साइबर हमलों के जरिए सरकारी ढांचे को निशाना बनाया जा रहा है और फर्जी सूचनाओं के माध्यम से जनता के विश्वास को कमजोर करने की कोशिश की जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, बीजिंग की रणनीति डर का माहौल बनाकर ताइवान और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को यह संदेश देना है कि ताइवान का भविष्य पहले से तय है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि केवल लोकतंत्र होने से सुरक्षा सुनिश्चित नहीं होती। इतिहास बताता है कि मजबूत प्रतिरोध क्षमता के बिना लोकतांत्रिक देश भी बाहरी आक्रमण का शिकार हो सकते हैं।

ताइवान की भौगोलिक स्थिति को उसकी ताकत बताते हुए रिपोर्ट में कहा गया है ।

कि पहाड़ी इलाकों, घनी आबादी वाले शहरों और संकरे समुद्री मार्गों के कारण यहां सैन्य अभियान चलाना बेहद कठिन होगा।

रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि ताइवान को मोबाइल मिसाइल सिस्टम, मजबूत बुनियादी ढांचा और विकेन्द्रीकृत कमांड सिस्टम में निवेश करना चाहिए। साथ ही नागरिकों को सिविल डिफेंस ट्रेनिंग देकर किसी भी संभावित कब्जे के खिलाफ तैयार करना जरूरी है।

रिपोर्ट के अनुसार, ताइवान का लक्ष्य चीन को हराना नहीं, बल्कि किसी भी हमले को इतना जोखिम भरा बना देना है कि वह प्रयास ही न करे।

अंत में रिपोर्ट में कहा गया है कि ताइवान की लड़ाई केवल अस्तित्व की नहीं, बल्कि आत्मनिर्णय और स्वतंत्रता जैसे सार्वभौमिक मूल्यों की रक्षा की भी है।

त्रिपुरा में जंगली हाथी का कहरः बुजुर्ग महिला की मौत के बाद भड़के ग्रामीण, वन विभाग पर हमला

अगरतला। त्रिपुरा के खोवाई जिले में शनिवार सुबह एक जंगली हाथी के हमले में 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला की मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और गुस्साए ग्रामीणों ने वन विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया।

घटना तेलियामुरा उपखंड के जुम्बारी गांव में हुई, जहां मनिमाला देबबर्मा अपने घर के आंगन में थीं। तभी अचानक एक जंगली हाथी ने उन पर हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतका के बेटे अजीत देबबर्मा के अनुसार, हमला सुबह तड़के हुआ और उनकी मां को बचाने का मौका नहीं मिला।

इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। हालात इतने बिगड़ गए कि सूचना जुटाने पहुंचे एक पत्रकार और सब-डिविजनल फॉरेस्ट ऑफिसर (एसडीएफओ) पर भी भीड़ ने हमला कर दिया। गुस्साए लोगों ने स्थानीय वन कार्यालय में भी तोड़फोड़ की। हिंसा में एसडीएफओ घायल हो गए, जबकि सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम) को स्थिति बिगड़ने पर वहां से निकलना पड़ा। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी निष्क्रिय बने रहे और हालात को काबू में करने में नाकाम रहे। घटना के बाद प्रशासन ने मुआवजे का ऐलान किया है। वन विभाग की ओर से 1 लाख रुपये और राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) से 4 लाख रुपये देने की बात कही गई है।

प्रशासन ने भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए जुम्बारी क्षेत्र में सोलर इलेक्ट्रिक फेंसिंग और हाथी-रोधी खाइयां (ट्रेंच) बनाने का आश्वासन दिया है। साथ ही, समस्या पैदा कर रहे हाथी को नियमानुसार

हिमाचल प्रदेश के बद्दी में नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, युवक हेरोइन के साथ गिरफ्तार

बद्दी । हिमाचल प्रदेश के बद्दी क्षेत्र में पुलिस ने नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई बद्दी पुलिस की स्पेशल सेल 'एक्स टीम' द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर की गई।

पुलिस को जानकारी मिली थी कि एक व्यक्ति गांव नंदपुर के पास मोटरसाइकिल पर बैठकर चिट्टा यानी हेरोइन बेचने की फिराक में है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर दबिश दी और आरोपी को काबू कर लिया।

गिरफ्तार युवक की पहचान मुस्ताक मोहम्मद (26) के रूप में हुई है, जो गांव रोतांवाला, डाकघर लोधीमाजरा, तहसील बद्दी, जिला सोलन का निवासी है। पुलिस ने जब आरोपी की तलाशी ली तो उसकी मोटरसाइकिल के बैटरी बॉक्स के पास से एक पारदर्शी जिप पाउच बरामद हुआ। इस पाउच में 3.18 ग्राम चिट्टा यानी हेरोइन पाई गई, जिसे तुरंत कब्जे में ले लिया गया।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले की जांच जारी है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि आरोपी यह नशा कहां से लाया था और किन लोगों तक इसकी सप्लाई करने वाला था।

डीएसपी बद्दी योगराज चंदेल ने बताया कि यह पूरी कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की गई है और पुलिस इस मामले की गहराई से जांच कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार और पुलिस मुख्यालय के निर्देशों के अनुसार नशे के खिलाफ विशेष अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में नशे के कारोबार को किसी भी सूरत में पनपने नहीं दिया जाएगा और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने आम लोगों से भी अपील की है कि यदि उन्हें कहीं नशे से जुड़ी कोई गतिविधि दिखाई दे तो तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

कहानी

खूनी सड़क !

डॉ. संजय अलंग

बीजापुर जिला बन गया था, लेकिन नक्शे पर खींची गई वह लकीर पगडंडियों को सड़क नहीं बना पाई थी। वहाँ हवा में ऑक्सीजन कम, खौफ ज्यादा था। गंगालूर जाने वाली राह पर पेड़ों के पत्तों की सरसराहट भी दादा लोगों की किसी पार्टी की पदचाप जैसी लगती। ठेकेदार सोमू ने अपनी पुरानी जीप के बोनट पर हाथ मारते हुए मुंशी से कहा – 'ये जो लाल मिट्टी दिख रही है न, इसमें मुरुम कम और लोहा ज्यादा है। और जहाँ लोहा होता है, वहाँ आईईडी की फसल जल्दी उगती है।

मुंशी ने बीड़ी का कश खींचते हुए बीजापुर की बेबसी को शब्दों में ढाला – 'साहब, यहाँ जिला बनने की खुशी नहीं, मुठभेड़ की गिनती होती है। कल रात फिर चेरपाल के पास धमाका हुआ है। रोड ओपनिंग पार्टी के जवान जब तक सड़क पर खड़े हैं, तब तक ही यह जमीन हमारी है। उनके जाते ही यह आजाद इलाका हो जाता है।

गंगालूर की वह दूरी, जो शहर में पंद्रह मिनट की होती, यहाँ सैकड़ों जन्मों के बराबर थी। सड़क विहीनता ऐसी कि, बीमार को कावड़ पर लादकर ले जाते समय रास्ते में ही सांसे टूट जातीं।

पुलिस की गोलियां और दादा लोगों के फरमान के बीच फंसा हुआ एक आदिवासी ग्रामीण बंतू कहता है – 'ममता (दीदी), इदे नीत (यहाँ देखो)... सरकार बोलता है रोड बनेगा, पार्टी बोलता है कि उससे पुलिस आएगा। हम लोग किधर जाएगा? हमको पुलिस का बूट भी दिखता है और नक्सलियों का पिट्ठू भी। पर पैर को चलने के लिए पत्थर चुभता हुआ रास्ता ही मिलता है।

सड़क निर्माण का काम शुरू हुआ तो बैकहो लोडर (जेसीबी) के टायर नहीं, इंसानी हौसले फटने लगे। हर सौ मीटर पर एक स्पाइक होल होता, जिसमें नुकीले तीर गाड़कर ऊपर से पत्तियां बिछा दी जातीं। रात को जब ठेकेदार के कैंप पर हमला हुआ और गाड़ियां फूंकी गईं, तो आसमान का रंग वैसा ही काला हो गया जैसा उन जंगलों का भविष्य था।

सड़क बन रही थी ताकि कोई कहीं पहुँच सके, लेकिन सड़क बनाने वाले खुद ही कहीं खो जाने के डर में जी रहे थे। एक दोपहर, जब कोलतार की खुशबू जंगल की नमी से लड़ रही थी, अचानक एक धमाका हुआ। पहाड़ी की ओट से गोलियां चलने लगीं। मजदूर झाड़ियों में दुबक गए। धुएं के गुबार के बाद जब सन्नाटा पसरा, तो वहाँ सिर्फ टूटी हुई गिट्टियां और एक अधबनी सड़क थी, जो लहू पीकर और लाल हो गई थी। भय और सन्नाटा चारो ओर था। बीजापुर से गंगालूर की वह चौबीस किलोमीटर की दूरी महज एक रास्ता नहीं, मौत का गलियारा थी। इसे स्थानीय लोग और जवान खूनी सड़क कहते थे। उस वक्त स्थिति यह थी कि सड़क पर गड्ढे कम और बारूद के मुहाने ज्यादा थे। गंगालूर रोड पर चलने का मतलब था – हर कदम पर अपनी किस्मत को आजमाना। यहाँ जमीन के भीतर सन्नाटा नहीं, मौत दबी होती थी। नक्सली सड़क के उन जानलेवा गड्ढों का इस्तेमाल आई.ई.डी. (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) यानी परिष्कृत विस्फोटक उपकरण लगाने के लिए करते थे। मुंशी शिवचरण ने सड़क की एक गहरी दरार की ओर इशारा करते हुए कहा – 'साहब, इस गड्ढे को मिट्टी से मत भरिए। इसमें कल रात ही पार्टी ने मौत बोई है। यहाँ सड़क ऊपर से दिखती है, पर नीचे से खोखली है। आई.ई.डी. का मतलब समझते हैं न? परिष्कृत विस्फोटक उपकरण – यानी आपकी सावधानी को धता बताने वाला देशी जुगाड़, जो एक पल में पुलिस की बख्तरबंद गाड़ी को खिलौने की तरह हवा में उछाल दे। बंतू अपनी टूटी साइकिल लेकर खड़ा था, उसने धीरे से कहा – 'हूँ साहेब, ये सड़क नहीं है, ये तो बड़ा वाला जाल है। पुलिस की गाड़ी आती है तो गड्ढे में चक्का फंसता है, और जैसे ही जवान नीचे उतरते हैं, झाड़ियों से गोलियां चलने लगती हैं। यहाँ पत्थर भी दुश्मन है और मिट्टी भी।

सड़क निर्माण में सबसे बड़ी बाधा यह थी कि दिन भर जवान अपनी जान हथेली पर रखकर डि-माइनिंग (बारूद हटाना) करते और रात होते ही नक्सली फिर से गड्ढे खोदकर आई.ई.डी. लगा देते। बीजापुर के जिला बनने के बाद भी यह चौबीस किलोमीटर का सफर पूरा करने में कभी-कभी आधा दिन निकल जाता था, क्योंकि हर इंच को लोहे की रॉड से कुरेदकर चेक करना पड़ता था। सुविधाहीनता का आलम यह था कि अगर किसी को सांप काट ले या प्रसव पीड़ा हो, तो गंगालूर से बीजापुर पहुँचते तक इंसान दम तोड़ देता। सड़क विहीनता ने पूरे इलाके को एक बंद टापू बना दिया था जहाँ विकास की आहट भी धमाके की गूंज में दब जाती थी।

वर्ष 2005 की शीत का प्रारम्भ तो बड़े धमाके के साथ आई विभत्स छवि से हुआ। सितंबर 2005 की वह शाम बीजापुर के इतिहास में एक ऐसा गहरा घाव दे गई, जिसकी टीस आज भी गंगालूर की लाल मिट्टी में महसूस की जा सकती है। जब कुंजर नाला के पास दादा लोगो ने 80 किलोग्राम बारूद से भरे

आई.ई.डी. (परिष्कृत विस्फोटक उपकरण) के जरिए एक माइन प्रोटेक्टेड व्हीकल के परखच्चे उड़ा दिए। दहशत हवा में घुल गई। लोग दहल गए। वह लोहे का अभेद्य किला जिसे एंटी-लैंडमाइन व्हीकल कहा जाता था, हवा में पैंतीस फीट ऊंचा उछलकर मलबे में तब्दील हो गया। माँस के लोथड़े चारो ओर बिखर गए। शरीरों के चीथड़े उड़ गए। उस धमाके ने चौबीस केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों की सांसें एक झटके में छीन लीं। यह केवल एक हमला नहीं था, बल्कि विकास की हर संभावना पर नक्सलियों का डेथ वारंट था। साइट पर खड़ा इंजीनियर मयंक उस गहरे गड्ढे को देख रहा था जो धमाके ने सड़क के बीचों-बीच बना दिया था। उसकी नजर उन झाड़ियों पर टिक गई थी, जहाँ से अब भी बारूद का धुआं उठ रहा था। ठेकेदार सोमू ने कांपते हाथों से अपनी फाइल समेटी। उसने मुंशी से कहा – 'ये सड़क नहीं, ये हमारा कफन है। कहते हैं प्रोटेक्टेड गाड़ी में चलो, पर जब 8 टन का लोहा खिलौने की तरह उड़ सकता है, तो हम और तुम किस खेत की मूली हैं? वहाँ अब कोई पक्षी नहीं चहकता था, केवल एक भारी और डरावना सन्नाटा था। वह सन्नाटा जो किसी आने वाले तूफान या अगले धमाके की आहट देता था।धमाके के कुछ ही दिनों बाद, रात के अंधेरे में फिर हमला हुआ। निर्माण कार्य में लगी बैकहो लोडर (जेसीबी) और डंपरों को आग के हवाले कर दिया गया।आसमान में उठती लपटों ने बीजापुर के प्रशासन को साफ संदेश दे दिया – 'सड़क बनी तो मौत आएगी। मजदूरों के कैंप पर पर्चे फेंके गए, जिनमें साफ लिखा था कि जो भी यहाँ काम करेगा, उसे जन अदालत में सजा दी जाएगी। दहशत इतनी गहरी थी कि रातों-रात ठेकेदार अपनी बची – खुची मशीनें लेकर भाग निकले।

गंगालूर की वह चौबीस किलोमीटर की सड़क, जो जिले की लाइफ लाइन बननी थी, अब मशीनों के कंकालों और जले हुए टायरों का कब्रिस्तान बन चुकी थी। सड़क अधूरी रह गई थी, जैसे कोई अधूरी प्रार्थना। मिट्टी वापस अपनी पुरानी उबड़-खाबड़ पहचान में लौट आई थी, बस उस पर अब बारूद की एक स्थायी गंध बस गई थी। बरसों तक वह चौबीस किलोमीटर का टुकड़ा एक निषिद्ध भूगोल बना रहा, जहाँ समय रुक गया था। टूटी और अधूरी सड़क जंगल के बीच खिंची एक अभिशप्त लाइन बनी पड़ी रही। समय ने करवट ली। बीजापुर के प्रशासन ने कागजों पर नई लकीरें नहीं, बल्कि कंक्रीट और सुरक्षा का एक अभेद्य कवच बुनना चाहा। यह सत्ता का शक्ति-परीक्षण था। वे अंततः उम्मीद का घर बनाने के लिए प्रयास करना चाहते थे।अब बीजापुर जिला प्रशासन ने नीति बदली थी।

बजट की थैलियां खुल चुकी थीं और जिला निर्माण समिति का गठन कर निर्माण के लिए एक युद्ध स्तर की तैयारी थी। सड़क अब अकेले नहीं बन रही थी, उसे सुरक्षा की उंगलियों ने थाम रखा था। हर 3 किलोमीटर पर अस्थाई कैंप ऐसे उग आए थे जैसे जंगल के बीच लोहे के फूल। मिक्सिंग प्लांट के चारों ओर कँटीले तारों का घेरा और जवानों की सतर्क आँखें थीं।

मुंशी ने नए इंजीनियर से कहा— 'साहब, अब गिट्टी और कोलतार अकेले नहीं आते। उनके साथ रोड ओपनिंग पार्टी का सुरक्षा कवर चलता है। दिन-रात गश्त होती है। अब यहाँ सन्नाटा नहीं, बूटों की थाप और मशीनों का शोर एक साथ जुगलबंदी करते हैं। थोड़ा हिम्मत और लगन से काम करेंगे तो रोड समय पर बन जाएगी। अब मजदूरों के कैंप में डर की जगह एक जिम्मेदारी थी। मशीनों को रात भर जवानों की निगरानी में रखा जाता। उन्हें लगने लगा कि, यह सिर्फ मिट्टी और पत्थर का जुड़ना नहीं था, बल्कि बीजापुर के कटे हुए अंगों का वापस जुड़ना था।जैसे-जैसे सड़क आगे बढ़ी तो गोली बारूद की ताकत कम पड़ने लगी। रणनीति बदल दी गई। जनता को सामने किया गया। ग्रामीणों और गाँव के मुखिया को आगे कर विरोध सामने आया। कुछ ने आत्महत्या तक की धमकी दे दी। पेड़ वही थे, पर उनके नीचे खड़े लोग बदल गए थे। कुछ डर से चिल्ला रहे थे, और कुछ उस सड़क को अपनी आँखों से बनता देख भीतर ही भीतर मुसकुरा रहे थे।विरोध के शोर के बीच एक बूढ़ी महिला, जिसका पोता पिछली बारिश में इलाज के अभाव में दम तोड़ गया था, छिपकर सड़क को छूती। वह जानती थी कि यह खूनी सड़क अब उसकी आने वाली पीढ़ियों के लिए जीवन रेखा बन रही है।

वह दिन बीजापुर के इतिहास में किसी विजय की तरह नहीं, बल्कि एक आगे बढ़ने की चाह की तरह उतरा।गंगालूर की वह चौबीस किलोमीटर की खूनी राह अब काली पट्टी की तरह चमक रही थी, जिस पर बारूद की गंध दूर हो गई थी और कोलतार की महक जीत गई थी।

इसी सड़क से होकर स्कूल और अस्पताल को आना था। यह आशा की सड़क थी। इस सड़क ने आदिम सन्नाटे और आधुनिकता के बीच छिड़े युद्ध में एक पुल का निर्माण करना था। सड़क पर बस चली तो लगा जैसे पूरा जंगल अपनी जगह से हिल गया हो। खिड़की से झांकते बच्चों के लिए अब बाहर की दुनिया खतरनाक नहीं, बस दूर थी, जिसे यह सड़क छोटा कर रही थी।

(पूर्व संभागीय आयुक्त और सचिव)

नवगीत

प्रथम गीत लिखने वाले ने

प्रथम गीत लिखने वाले ने ,
कितना दर्द सहा होगा।
आँखों से उसका हर सपना,
अनगिन बार बहा होगा ।

अपने आतुर अरमानों को
ढाढ़स देकर फुसलाकर
रेतीले महलों के जैसे
सागर तट तक ले जाकर
जितनी बार बनाया होगा ,
उतनी बार ढहा होगा ।

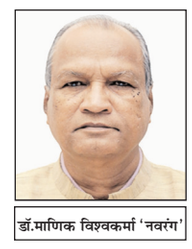

डॉ.माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

राग से विमुखता होने पर ,
मन होता है वैरागी

सिंचित हुए बिना मधुरस के
कौन हुआ है अनुरागी
कानों में चुपके से कोई
कुछ न कुछ तो कहा होगा

जब विश्वास टूटता है तो
दिल से आह निकलती है
बागी होकर स्वयं लेखनी
अपनी राह बदलती है
दुख देने वाला मानस में,
कोई नाम रहा होगा ।

139 , यूनीहोम्स कॉलोनी, पानी टंकी के पास, भाटागाँव, रायपुर -492013

गज़ल

धूप-गर्मी-उमस जिंदगी के कितने
करम
गीली मिट्टी, चिकने पत्थर
डगमगाते कदम
पलकों की कोर पर
लटकी हुई शबनम
शाखों पर सजी हुई बेबाक़
गुलों की नज़्म
दरीचों से छनकर आती
क़ुदरत की रस्म

डा0 राजेन्द्र सिंघानिया

ढलती शाम लौटते परिंदे मौसम के
मरहम
टिमटिमाता हुआ दिया
हवा से लड़ने का भरम
चंद अशआर लिख फ़र्ज़
अदा करती कलम
समन्दर के सीने पर चाँद
का तैरता मुजस्सम
चाँदनी रात जैसे लिख
रही तारों की सरगम

लघुकथा

लाक्षापथ

इन्दिरा किसलय

ताजा ताजा पिघले कोलतार से सड़क बनी है। सड़क यानी सुविधा।सड़क यानी विकास। जो कश्मीर से कन्याकुमारी तक गवाही दे रहा है। पर नन्हा चुरुंगुन(चिड़िया का बच्चा) कुछ नहीं जानता ।मनुष्य की बनाई दुनिया के नियमों से अनजान।हर सड़क, हर तरह के लोगों के लिए नहीं होती।चुरुंगुन- पगडंडी, सड़क और राजपथ के बीच फर्क नहीं समझता।

वह जैसे ही सड़क पर आकर बैठा, पिघले हुए कोलतार में उसका पाँव फंस गया।उसने निकालने की खूब चेष्टा की, पंख फड़फड़ाए , शरीर झटका पर पाँव न निकला। वह नन्ही सी चोंच खोले जोर - जोर से चूंक-चूंक करने लगा ।उसकी दशा देखकर एक युवक का मन करुणा से भर गया।

उसने धीरे-धीरे कोलतार से उसका पांव निकाला । चुरुंगुन पलक झपकते ही उड़ गया। वह जाने कहाँ चला गया।

युवक ने राहत की साँस ली ।काली सड़क थी, भूरा चुरुंगुन इसलिए झट से नज़र आ गया वर्ना किसी गाड़ी के नीचे या किसी के पाँव तले कुचला जाता ।

युवक सड़क को देखते हुये मन ही मन सोच रहा था-- लाक्षापथ की जानकारी सभी को नहीं होती न ?

नवगीत

सूरज के हैं कड़वे बोल..

फूलों की महफिल सहमी है,
सूरज के हैं कड़वे बोल,
कली, अभी ना घूँघट खोल।

भीतर की हर साँस दहकती,
धड़कन में भी आज तपन है.
माथे पर सलवट भी पड़ गए,
चिंतित इतना नील गगन है।
तितली, अभी न उपवन जाना
तेरा जीवन है अनमोल।
कली, अभी ना घूँघट खोल।।

सतीश उपाध्याय

हरियर कोमल वृक्ष झुलसते ,
कलियों के जज्बात झर गए.
तपिश देख कर इस सूरज की,
बागों के हर पात डर गए।
सहमे-सहमे सभी परिंदे,
दहशत में हैं उनके बोल,
कली, अभी ना घूँघट खोल।।

नरम हवाएँ, कहीं कैद हैं,
तेज धूप लगते अंगारे.
रहबर मानों लूट रहा है,
मोती जो बिखरे हैं सारे।
मकरंदों में सेंध लग गई,
भौंरे इधर-उधर मत डोल,
कली अभी ना घूँघट खोल।।

मनेंद्रगढ़ (छत्तीसगढ़) 497442
मो.7771018161

पुस्तक समीक्षा

सुकून की छाँव तलाशती कहानियाँ

विनीता राहुरीकर

इक्कीसवां मिनट संग्रह की कहानियों से गुजरते हुए पाठक लेखिका के संवेदनात्मक फलक के अनंत विस्तार में दूर तक और देर तक तैरता रहता है। फलक जिसमें समाज के सभी वर्गों के लिए संवेदनाएं समाहित है। फलक जिसके सूक्ष्म तंतुओं में कुछ सिसकारियां हैं, कुछ वेदनाओं की टीस है, कुछ जख्मों का रिसाव है, जो दर्द में आह भरता है तो कलाओं में सुकून की छाँव तलाशता है। जो रिश्तों की आकृति बिगड़ जाने पर मजबूत रेखाओं से खुद को गढ़ता है, छैनी हथौड़ी लेकर खुद को तराशता है, संगीत और नृत्य में खुद को डुबो देता है।

संग्रह की पहली कहानी 'अमिश के पापा' में एक वृद्ध पिता की विवशता पाठकों के अंतर को झकझोर देती है। पिता जो स्वयं वृद्धावस्था के कारण लाचार है लेकिन इस अवस्था में भी वह साठ वर्षीय विकलांग बेटे की देखभाल करने के लिए विवश है। आगत मृत्यु की आहट सुनते पिता की बेटे के भविष्य के प्रति असहाय चिंता पाठकों का हृदय भी मथ डालती है। पाठक पिता की मन:स्थिति को महसूस कर भीतर तक द्रवित हो जाते हैं। संग्रह की शीर्षक कहानी 'इक्कीसवाँ मिनट' फिल्मी दुनिया की भीतरी सच्चाइयों को खंगालती है। योग्यता, पहुँच और पैसा किस तरह फिल्मी लाइन में किसी एक्टर का भविष्य गढ़ सकता है इस सच्चाई से पाठक रूबरू होता है। 'अनकहा' एक अद्भुत कहानी है। यह कहानी शिल्पकला और शिल्पकार को लेकर बुनी गयी है जिसमें लेखिका की शिल्पकला की बारीकियों की जानकारी पाठक को अचंभित कर देती है। संगीत, नृत्य, मूर्तिकला, चित्रकला हर कला में लेखिका का गहन अध्ययन और लगाव है। मूर्तियों को तराशते मूर्तिकार प्रभु गोस्वामी के साथ पाठक स्वयं भी जैसे एक मूर्ति गढ़ते जाते हैं। अभी पाठक छैनी हथौड़ी पकड़ ही पाए थे कि संगीत के सुरों में लेखिका उन्हें डुबो देती है। म्यूजिक, टैलेंट, ऑडिशन और इन ओडिशनों की भीतरी सांठ गांठ। निशा इस क्षेत्र में किन अड़चनों का सामना करती है वही पता चलता है कहानी 'उड़ान को पंख' में।

कभी-कभी सबको साथ लेकर चलने की इच्छा व्यक्ति को निजी जीवन में अकेला कर देती है। सुदीप के साथ भी यही हुआ। अपने सपने को जीता, उसे पूरा करने के जुनून में कब वह सबके जीवन में उजाला करने की कोशिश में खुद अंधेरों से घिर गया उसे पता ही नहीं चला। पता

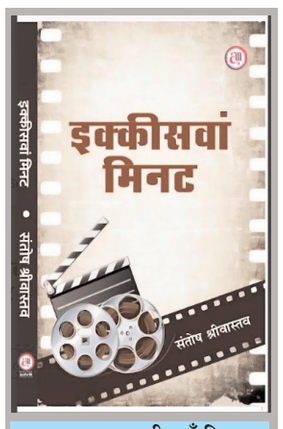

पुस्तक- इक्कीसवाँ मिनट (कथा संग्रह)
लेखिका- संतोष श्रीवास्तव
प्रकाशक- अद्विक पब्लिकेशन प्रा. लिमिटेड
पृष्ठ 144 मूल्य 250

चलता है तब वह अपनी बेटी को अपनी महत्वाकांक्षा के बंधन से मुक्त कर देता है। सन 1948 से ही कश्मीर सदैव भारतीयों की दुखती रग रहा है। देश का सबसे संवेदनशील इलाका है कश्मीर। 1990 के बाद वहाँ जो कुछ हुआ उसका दर्द और भयावहता सच्चे भारतीय के मन में हमेशा टीसती रहेगी। 'क से कश्मीर' कहानी में उसी अपने ही देश में विस्थापन की पीड़ा भोग रहे कश्मीरी हिन्दू की वेदना हृदय को व्यथित कर देती है। आज भी कश्मीरी हिन्दू की आँखों में अपने घर लौट सकने की उम्मीद की एक मद्धिम सी लौ टिमटिमा रही है जो जाने कब बुझ जाएगी।

अपनी वर्दी पर सितारे तंकवाने, जनता को किसी मुद्दे पर भरमाने और पदोन्नति के लिए किस तरह के सियासी खेल होते हैं, इसके धागे खुलते हैं 'जोखिम' कहानी में। ईंट भट्ठे पर काम कर परिवार के लिए दो वक्त की सूखी रोटी कमाना भी सुषमा जैसी स्त्रियों के लिए जंग लड़ने से कम नहीं है। पति के न रहने से किस तरह आसपास के पुरुषों का हाथ स्त्री के कंधे तक पहुँचने लगता है वो पढ़ कर ही पाठक स्तब्ध हो जाता है। 'निगरानी' कहानी सोच का एक अलग ही नजरिया पेश करती है। ट्रेन में अकेली यात्रा करती लड़की या स्त्री कभी न कभी ऐसी परिस्थितियों से दो चार हो ही जाती है कि पूरे डिब्बे में उसके अलावा कोई महिला यात्री नहीं होती। ऐसे में उसकी स्थिति कितनी विचित्र हो जाती है ये सहज ही समझा जा सकता है। उस पर बहुत सी खबरें मन में कुछ पक्की धारणाएँ गढ़ देती हैं। ये धारणाएँ एकदम निर्मूल भी नहीं होती। अगली कहानी 'पानी उतर गया' मुंबई की बाढ़ और मन में बसे पुराने ख्यालातों के पानी उतर जाने की है। जहाँ बाढ़ के पानी के साथ मन के भेदभाव का पानी और कीच भी अनायास ही साफ हो जाता है। 'मोहभंग' जैसी कहानियाँ साहित्य में बहुत कम लिखी गयी हैं। मन्नू भंडारी की 'ईसा के घर इंसान' और विमल मित्र के उपन्यास 'चार आँखों का खेल' में चर्च के इस अंधेरे कोने पर कुछ रौशनी डाली गई थी। उसी रौशनी को थोड़ा और तेज करती है ये कहानी। धर्म के मोह में समाज की सेवा का महती और पवित्र उद्देश्य लेकर लड़कियों का नन बनना और उसके बाद बिशपों और चर्च के फादर द्वारा उनका यौन शोषण किया जाना, उनके उद्देश्य की पवित्रता और निर्मलता को रेशा-रेशा कर देना। अमूमन किसी भी लेखक के संग्रह में कहानियों की कथावस्तु में निहित संवेदना एक ही बिंदु के इर्दगिर्द बुनी जाती है लेकिन संतोष जी की कलम का विस्तार बहुत दूर तक है। पाठक विविध रसों का आस्वादन कर पाता है। मुंबई की लोकल ट्रेन से दिल्ली जाती ट्रेन के एसी कोच की बर्थ तक, सायकल से लक्जरी कार की सीट तक की यात्रा के विभिन्न पड़ावों से गुजरता है। बिजनस वर्ल्ड के शीर्ष पर बैठे व्यक्तित्वों को देखता समझता है। अनुभवों और लेखन की सुदीर्घ यात्रा में तपने के बाद ही ऐसे संग्रह एक अमूल्य निधि के तौर पर अस्तित्व में आते हैं।

व्यंग

आश्वासन पुराण

डॉ. मुकेश 'असीमित'

सभा-मण्डप में धूप के छिन्न-भिन्न कण थिरक रहे थे। मध्य आसन पर विराजित महामुनि ने दीर्घ श्वास लेकर अपनी दृष्टि उस नवदीक्षित राजकुमार पर स्थिर की, जो राजनीति के रणक्षेत्र में प्रविष्ट होने के लिए अभिमन्यु -सा उत्साह लेकर आया था। राजकुमार ने करबद्ध होकर निवेदन किया— 'गुरुदेव, राजनीति का मार्ग कठोर और दुर्गम कहा गया है। कृपा कर वह दिव्य अस्त्र बताइए जिसके बल पर जनमानस जीता जा सके और सिंहासन की अक्षुण प्राप्ति हो।' मुनि के अधरों पर मंद मुस्कान उदित हुई; बोले— 'वत्स, राजनीति में न शस्त्र काम आता है, न शास्त्र का गहन अध्ययन। यहाँ एक ही महामंत्र है— आश्वासन। यही वह अदृश्य अस्त्र है जिसके बल पर राजसिंहासन डोलता भी है और टिका भी रहता है।

मुनि का स्वर गंभीर हुआ, 'लोकतंत्र की भूमि में जो सबसे हरी-भरी फसल उपजती है, वह न धान है न जौ—वह आश्वासन है। यह ऐसा बीज है जो कभी न सड़ता, कभी न मुरझाता। इसे केवल चुनावी मौसम की हल्की-सी फुहार चाहिए और यह स्वयं अंकुरित होकर जनमानस को लहलहा देती है। नेता इसे बोते हैं, जनता भ्रम रूपी जल से सींचती है, और पाँच वर्ष में यह फसल फिर तैयार हो जाती है।

मुनि ने दण्डिका भूमि पर टिका कर गंभीर स्वर में कहा कि राजनीति का मार्ग साधारण जप-तप से नहीं, बल्कि मंच पर चढ़ते ही अपने आपको मदारी बना लेने की कला से चलता है। जैसे पुराणों में नारद वीणा बजाकर लोकों को आंदोलित कर देते थे, वैसे ही तुम्हें चुनावी मंच पर पहुँचते ही एक हाथ में डमरू और दूसरे में आश्वासनों की पोटली थामनी होगी। ज्यों ही डमरू की ध्वनि—'धिन-धिन-धिन्ना'—आकाश में गूँजेगी, पोटली को फाड़कर वायदों की कठपुतलियाँ बाहर निकल आएँगी। कोई शिक्षा का वरदान बाँटेगी, कोई स्वास्थ्य का, कोई रोजगार का, कोई अच्छे दिनों का। वे सब उछलेंगी, नाचेंगी, अभिनय करेंगी, और जनता मोहित हो ताली बजाती रहेगी, मानो मोक्ष का द्वार खुल गया हो। जब प्रदर्शन समाप्त हो जाएगा, कठपुतलियाँ चुपचाप वापस पोटली में लौट जाएँगी, डमरू शांत हो जाएगा, और

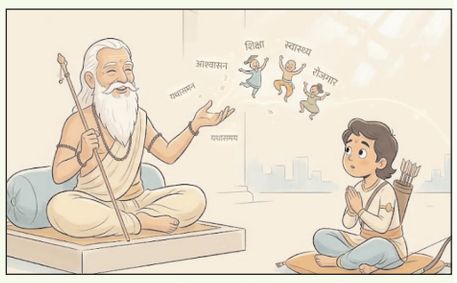

तुम रथ पर आरूढ़ होकर आगे बढ़ जाना । मुनि के स्वर में हल्की करुणा झलकी— 'जनता भी क्या करे वत्स, वह भी आश्वासन की घुट्टी के बिना जीवित नहीं रह सकती। नेता उसे स्वर्ग धरती पर लाने का आश्वासन देते हैं, बाबा उसे मरणोपरांत स्वर्ग भेजने का, विज्ञापन उद्योग उसे गोरा, लंबा, बलवान और भाग्यशाली बनाने का। आश्वासन का जाल सर्वत्र व्याप्त है; उसी में संसार भ्रम-मंडल की भाँति घूम रहा है। जनता डुबकी लगाती है और हर बार सोचती है कि इस बार शायद मोती मिले।

राजकुमार विस्मय से भरकर बोला— 'गुरुदेव, पर जो वचन पूरे नहीं होते उनका क्या? मुनि ने आँखें मूँदकर उत्तर दिया— 'वत्स, आश्वासन न सत्य है न असत्य। यह दोनों के मध्य स्थित एक दिव्य मायातत्त्व है। न इसे पूरा करने की बाध्यता है, न निभाने का कर्तव्य।

यह केवल स्थिति को टालने का माध्यम है। जब जनता पूछे—'हे नेता, वादा कब पूरा होगा?'—तब शांतचित्त कह देना— 'यथासमय।' 'यथासमय'— राजनीति का सर्वाधिक चमत्कारी शब्द। इसका कोई काल नहीं, कोई सीमा नहीं, और जनता इसे प्रश्नविहीन स्वीकार कर लेगी ।' विजय उसी की होती है जो आश्वासन के तंतु से गठबंधन की रस्सियाँ बुनना जानता हो। एक दल को आश्वासन, दूसरे दल को प्रतिज्ञान, तीसरे को परोक्ष वचन—इसी प्रकार सरकार रची-बुनी जाती है। राजा सिंहासन पर बैठते ही प्रथम आश्वासन मंत्रिमण्डल को देता है, फिर अपने गणों को, और सबसे अंतिम में—जनता को। यही परंपरा है, यही शाश्वत धर्म।

मुनि ने आगे कहा— 'यदि कभी राज्य में राजनीतिक विद्यापीठ खुलें, तो उनमें 'आश्वासन शास्त्र' अवश्य पढ़ाया जाएगा। उसमें वादे बुनने की कला, उसे हवा में उड़ाने की नीति, घोषणाओं का रहस्य, जनमोहन मंत्र—सब पढ़ाया जाएगा। बिना इस विद्याविधान के कोई भी नेता परिपूर्ण नहीं हो सकता।

मुनि ने दण्डिका सँभालकर गहरी साँस ली और धीमे, ठहराव भरे स्वर में बोले—

'वत्स, इस लोक में न सेवा चिरस्थायी है, न विकास अचल, न वचन अक्षय। इस शासन-जगत में एक ही तत्व अमृततुल्य है—आश्वासन। यही वह सोने के वरक है जो हर चुनावी व्यंजन के ऊपर लपेटकर उसे उदरस्थ योग्य बनाती है । यही वह अदृश्य रेशमी डोरी है जो नेता और जनता को बाँधे रखती है । इसी के सहारे कुर्सी स्थिर रहती है, इसी से राजसत्ता अंकुरित होकर शाखाएँ फैलाती है। अतः, वत्स, अब उठो। आश्वासन-पोटली कंधे पर बाँधो, डमरू का स्वर जगाओ, और मंच पर उतरकर अपनी कठपुतलियों को नचाओ। क्योंकि राजनीति के इस महालोक में यदि कोई तत्व परम-सत्य है, तो वह आश्वासन ही है—शेष सब तो क्षणभंगुर माया का जाल है.

नवगीत

कचौरी वाली गली

दिनेश विजयवर्गीय

पुराने शहर की एक गली
रहती थी जो कभी सुनसान-सी
आज प्रसिद्ध है कचौरी वाली गली के नाम से
बाजारों-सी रहती है रौनक
कचौरी के स्वाद के चटकारे मारने वालों की
सुबह से शाम तक लगी रहती है भीड़
कई बार तो कचौरी की चाह में
रहना पड़ता है खड़ा और
करना पड़ता है इंतजार
शहर से दूर बसे कॉलोनी वाले भी
आते रहते इस गली में
शहर तो शहर गाँव के लोग भी
सौदा सूत करने के बाद
भूलते नहीं कचौरी वाली गली में आना
वह चटनी के स्वाद वाली गरमा गरम कचौरी
खाते ही नहीं , परिजनों के लिए भी ले जाते हैं
शहर में आयोजित कई समारोहों में
जलेबी के साथ इसी गली की कचौरी
रखी जाती है नाश्ते में
मेहमानों के स्वागत के लिए भी
नहीं रहती गली वाली कचौरी पीछे
कचौरी खाते ही कह उठते हैं
वाह ! क्या स्वाद है कचौरी का
दूर-दूर तक प्रसिद्ध हो गई
शहर की कचौरी वाली गली ।

215 मार्ग 4 रजत कॉलोनी,
बूंदी 323001, मोबाइल- 9413128514

सप्लाई चेन पर असर कम करने के लिए काम कर रही सरकार, फार्मा सेक्टर पर कोई असर नहीं : वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल

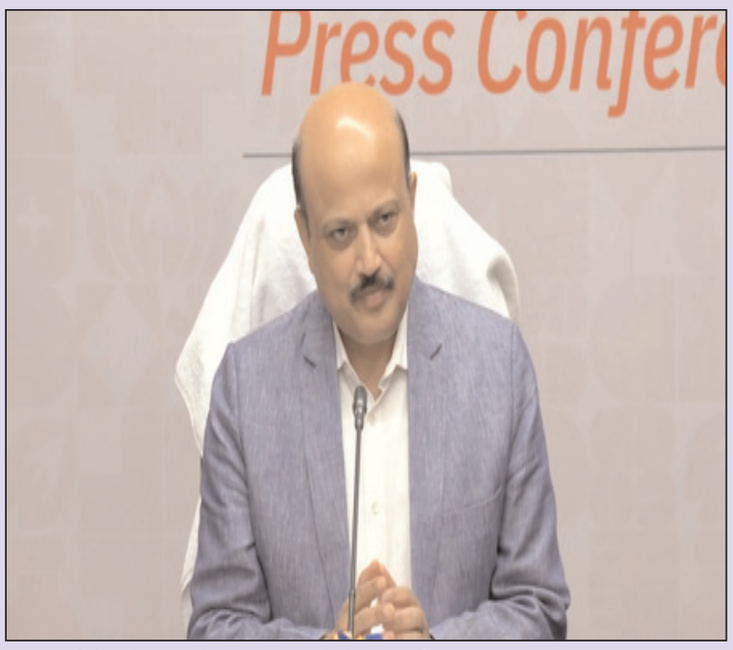

नई दिल्ली। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने शनिवार को कहा कि सरकार वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच आपूर्ति श्रृंखलाओं में कम से कम रुकावट सुनिश्चित करने पर काम कर रही है, और साथ ही निर्यात और आयात में संभावित गिरावट के लिए भी तैयार है।

हैदराबाद में एक 'चिंतन शिविर' सत्र के दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, अग्रवाल ने मीडिया को बताया कि इस पहल का उद्देश्य सरकारी और औद्योगिक हितधारकों को एक साथ लाना है, ताकि चुनौतियों की पहचान की जा सके और एक स्पष्ट रूपरेखा तैयार की जा सके।

अधिकारी ने यह भी कहा कि भारत फार्मास्यूटिकल निर्यात की विकास गति को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण से निर्देशित यह प्रयास, विस्तृत परामर्शों के माध्यम से सभी हितधारकों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को परिभाषित करना चाहता है।

अग्रवाल ने बताया कि चर्चाएं बायोसिमिलर, बायोलॉजिक्स और नवीन दवाओं जैसे उभरते क्षेत्रों में भारत के नेतृत्व को बनाए रखने पर केंद्रित थीं, साथ ही यह सुनिश्चित करने पर भी कि निर्यात और आयात दोनों की आपूर्ति श्रृंखलाएं लचीली बनी रहें और बाहरी झटकों से सुरक्षित रहें।

भारत का फार्मास्यूटिकल उद्योग, जिसका मूल्य 60 बिलियन डॉलर से अधिक है, निर्यात और वैश्विक स्वास्थ्य सेवा आपूर्ति श्रृंखलाओं में एक प्रमुख योगदानकर्ता बना हुआ है।

मध्य पूर्व में चल रहे संकट पर, अधिकारी ने कहा कि इसका ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखलाओं पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है, जो इस क्षेत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, उन्होंने उद्योग की अनुकूलन क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया।

उन्होंने कहा, 'भारत का उद्योग बहुत ही अनुकूलनशील और लचीला है। हम भविष्य में इन चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होंगे।' साथ ही यह भी जोड़ा कि फिलहाल कीमतों पर कोई तत्काल प्रभाव नहीं पड़ा है।

अग्रवाल ने कहा कि सरकार किसी भी उभरती चुनौती का समाधान करने के लिए औद्योगिक हितधारकों के साथ मिलकर काम करेगी, साथ ही यह भी सुनिश्चित करेगी कि आपूर्ति अप्रभावित रहे।

इस सप्ताह की शुरुआत में, पीएम मोदी ने कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी (सीसीएस) की एक बैठक की अध्यक्षता की, ताकि पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति की समीक्षा की जा सके और भारत के राष्ट्रीय हितों पर इसके संभावित प्रभाव का आकलन किया जा सके।

28 फरवरी, 2026 को तनाव बढ़ने के बाद से यह दूसरी सीसीएस बैठक थी; यह तनाव अमेरिकी-इजरायली हवाई हमलों के बाद ईरानी ठिकानों पर हुए हमलों और उसके बाद की जवाबी कार्रवाइयों के कारण बढ़ा था, जिसके चलते इस क्षेत्र में, विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य में, व्यवधान उत्पन्न हुए हैं और वैश्विक ऊर्जा बाजारों में अस्थिरता आई है।

वैश्विक संघर्षों के बीच रिकॉर्ड हाई से सोना 50,000 रुपए तो चांदी 2 लाख रुपए नीचे; कीमती धातुओं में गिरावट

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और अमेरिका-ईरान संघर्ष के पांचवें सप्ताह में पहुंचने के बाद सोने और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट देखने को मिली है। हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 2.2 प्रतिशत और चांदी 3.8 प्रतिशत तक गिर गई। वहीं देश में सोने की कीमतें अपने रिकॉर्ड स्तर से 50 हजार रुपए से नीचे है, जबकि चांदी अपने उच्चतम स्तर से 2 लाख रुपए से नीचे है।

हाल के दिनों में सोने में हल्की तेजी जरूर देखने को मिली है, लेकिन कुल मिलाकर बाजार में दबाव साफ नजर आ रहा है। इसके पीछे मजबूत डॉलर, बढ़ती कच्चे तेल की कीमतें और ब्याज दरों को लेकर बढ़ती चिंताएं प्रमुख कारण माने जा रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय बाजार कॉमेक्स पर गोल्ड 2.29 प्रतिशत गिरकर 4,702 डॉलर प्रति औंस पर आ गया, जबकि सिल्वर 3.82 प्रतिशत गिरकर 73.17 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। वहीं, अमेरिकी गोल्ड फ्यूचर्स 1.7 प्रतिशत टूटकर 4,675.67 डॉलर पर पहुंच गया, जबकि चांदी में और ज्यादा गिरावट देखने को मिली और यह 2.91 प्रतिशत गिरकर 72.99 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। घरेलू वायदा बाजार एमसीएक्स पर जून डिलीवरी वाला सोना हफ्ते के अंतिम कारोबारी दिन (2 अप्रैल) 0.02 प्रतिशत गिरकर 1,49,650 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ, जो अपने ऑल-टाइम हाई 2,02,984 रुपए प्रति 10 ग्राम से करीब 53,334 रुपए कम है।

वहीं अगर चांदी की बात करें तो एमसीएक्स पर मई डिलीवरी वाली चांदी अंतिम कारोबारी दिन (2 अप्रैल) 4.48 प्रतिशत यानी 10,901 रुपए गिरकर 2,32,600 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई, जो अपने ऑल-टाइम हाई 4,39,337 रुपए प्रति किलोग्राम से 2,06,737 कम है।

विशेषज्ञों के अनुसार, शुरुआत में भू-राजनीतिक तनाव के कारण सोने की मांग एक सुरक्षित निवेश (सेफ हेवन) के रूप में बढ़ी थी। लेकिन बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान के बाद संघर्ष के जल्द खत्म होने की उम्मीद कमजोर पड़ गई, जिससे बाजार का रुख बदल गया।

नए लेबर कोड के तहत अब कुछ कर्मचारियों को 1 साल के बाद भी मिलेगा ग्रेच्युटी का अधिकार

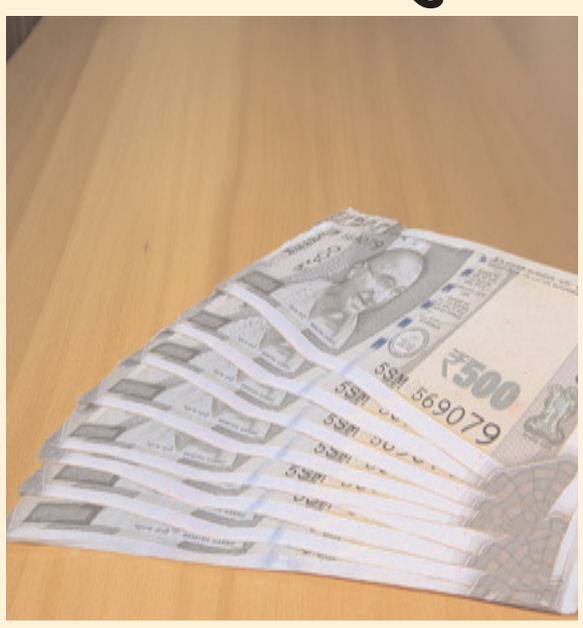

नई दिल्ली। नए लेबर कोड के तहत ग्रेच्युटी के नियमों में बड़ा बदलाव किया गया है। अब कुछ योग्य कर्मचारियों को सिर्फ एक साल की लगातार सेवा के बाद भी ग्रेच्युटी पाने का अधिकार मिल सकता है, जबकि पहले इसके लिए 5 साल तक नौकरी करना जरूरी था।

नवंबर 2025 से लागू हुए इन नए श्रम कानूनों के अनुसार, फिक्स्ड-टर्म और कॉन्ट्रैक्ट कर्मचारियों को आनुपातिक आधार पर ग्रेच्युटी पहले से मिलने लगेगी। हालांकि एनडीटीवी प्रॉफिट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, स्थायी (परमानेंट) कर्मचारियों के लिए अभी भी 5 साल की सेवा पूरी करनी जरूरी है, लेकिन मृत्यु या दिव्यांगता के मामलों में छूट दी गई है। फिक्स्ड-टर्म कर्मचारी वे होते हैं जिन्हें कंपनियां एक तय समय के लिए लिखित कॉन्ट्रैक्ट पर नियुक्त करती हैं, जो आमतौर पर एक या दो साल का हो सकता है। अब ऐसे कर्मचारियों की ग्रेच्युटी उनकी नौकरी की अवधि के अनुसार तय की जाएगी।

इन नए नियमों से देश के औपचारिक (फॉर्मल) सेक्टर के लाखों कर्मचारियों को नौकरी के बाद मिलने वाले लाभों तक पहुंच आसान हो सकती है। नए लेबर कोड के मुताबिक, ग्रेच्युटी की गणना वेतन के आधार पर होगी, जो कर्मचारी के कुल सीटीसी (कॉस्ट-टू-कंपनी) का कम से कम 50 प्रतिशत होना चाहिए। श्रम मंत्रालय के अनुसार, वेतन में बेसिक सैलरी, महंगाई भत्ता (डीए), रिटेनिंग अलाउंस और अन्य भत्ते शामिल होते हैं, जो कर्मचारी को दिए जाते हैं। जिन कर्मचारियों का पहले बेसिक वेतन कम था, उनके लिए अब ग्रेच्युटी की रकम में अच्छी बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

ग्रेच्युटी एक कानूनी रूप से अनिवार्य एकमुश्त (लंप-सम) भुगतान होता है, जो नियोक्ता अपने कर्मचारी को उसकी लंबी सेवा के सम्मान में देता है, आमतौर पर 5 साल की सेवा या रिटायरमेंट के बाद।

श्रम मंत्रालय ने अपने एफएक्यू में कहा है कि ग्रेच्युटी के ये नए नियम 21 नवंबर 2025 से लागू हो गए हैं और संस्थानों को इसके लिए अपने अकाउंटिंग नियमों के अनुसार प्रावधान करना होगा।

इसका मतलब है कि 21 नवंबर 2025 या उसके बाद नौकरी जॉइन करने वाले कर्मचारी ही एक साल की लगातार सेवा पूरी करने के बाद ग्रेच्युटी का दावा कर सकेंगे।

एचडीएफसी बैंक में क्रेडिट-डिपॉजिट गैप बढ़ा, लोन की रफ्तार जमा से आगे; 18 अप्रैल को होगी बोर्ड बैठक

मुंबई । एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को बताया कि मार्च तिमाही में उसके कर्ज (लोन) और जमा (डिपॉजिट) की ग्रोथ के बीच अंतर और बढ़ गया है। लोन की तेज बढ़त के मुकाबले डिपॉजिट की रफ्तार धीमी रही, जिससे बैंक का क्रेडिट-डिपॉजिट रेशियो ऊंचा बना हुआ है। एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार, 31 मार्च तक बैंक के कुल कर्ज (ग्रॉस एडवांस) सालाना आधार पर करीब 17 प्रतिशत बढ़कर लगभग 25 लाख करोड़ रुपए हो गए, जो एक साल पहले करीब 21.4 लाख करोड़ रुपए थे।

तिमाही आधार पर लोन ग्रोथ मध्यम रही, जिसमें मुख्य रूप से रिटेल और एसएमई सेगमेंट का योगदान रहा, जबकि कॉरपोरेट लोनिंग सीमित और संतुलित तरीके से जारी रही। इस दौरान रिटेल लोन ने बढ़त में सबसे ज्यादा योगदान दिया। दूसरी ओर, बैंक के कुल जमा राशि यानी डिपॉजिट लगभग 23.5 लाख करोड़ रुपए रहे, जो एक साल पहले करीब 20.5 लाख करोड़ रुपए थे।

हालांकि, डिपॉजिट की ग्रोथ लोन के मुकाबले धीमी रही, जिससे क्रेडिट-डिपॉजिट रेशियो करीब 106-108 प्रतिशत के ऊंचे स्तर पर बना रहा। बैंक को कम लागत वाले डिपॉजिट (सीएएसए) पर भी कुछ दबाव का सामना करना पड़ा। सीएएसए डिपॉजिट की ग्रोथ धीमी रही, जिससे सीएएसए रेशियो घटकर करीब 37-38 प्रतिशत रह गया, जो पिछले तिमाही में 38-39 प्रतिशत था।

यह दर्शाता है कि कड़े लिक्विडिटी माहौल में सस्ते फंड जुटाना अभी भी चुनौती बना हुआ है। 24 मार्च की एक अलग फाइलिंग में बैंक ने बताया कि उसका बोर्ड 18 अप्रैल को बैठक करेगा, जिसमें मार्च तिमाही और पूरे वित्त वर्ष के ऑडिटेड नतीजों को मंजूरी दी जाएगी।

इस बैठक में वित्त वर्ष 2026 के लिए डिविडेंड पर भी विचार किया जाएगा और इसके लिए रिकॉर्ड डेट तय की जाएगी।

आगे के लिए विश्लेषकों का मानना है कि बैंक के लिए सबसे अहम होगा डिपॉजिट ग्रोथ को तेज करना, सीएएसए बढ़ाना और मार्जिन को स्थिर बनाए रखना।

इस बीच बैंक कुछ गवर्नेंस से जुड़े मामलों को भी संभाल रहा है। सूत्रों के अनुसार, बैंक ने मार्च में इस्तीफा देने वाले पूर्व नॉन-एग्जीक्यूटिव चेयरमैन अतानु चक्रवर्ती के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करने की योजना नहीं बनाई है। इसके बजाय बैंक अपने आंतरिक सिस्टम को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है, खासकर थर्ड-पार्टी प्रोडक्ट्स की बिक्री प्रक्रिया में। बैंक ने 2018-19 में एटी-1 बॉन्ड की गलत बिक्री (मिस-सेलिंग) के मामले में पहले ही कार्रवाई करते हुए।

अमेरिका ने चीनी कंपनियों के संचार उपकरणों के आयात पर प्रतिबंध लगाने का रखा प्रस्ताव

नई दिल्ली। अमेरिका के संघीय संचार आयोग (एफसीसी) ने राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कुछ चीनी कंपनियों के दूरसंचार और निगरानी उपकरणों के आयात पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव रखा है।

चैनल न्यूज एशिया (सीएनए) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि एफसीसी ने 2022 में ही अमेरिका में हुआवेई, जेडटीई, हाइटेरा, हिकविजन और दहुआ के नए मॉडलों को मंजूरी देने से रोकने का फैसला कर लिया था और अब अमेरिकी बाजार में पहले से मंजूर उपकरणों पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव है।

एफसीसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया है कि ऐसे इक्विपमेंट के लगातार इम्पोर्ट और मार्केटिंग पर रोक लगाना राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए जरूरी है। ऐसे में अब इसे बैन करने को लेकर आम लोगों से उनकी प्रतिक्रियां मांगी गई है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि वॉशिंगटन में चीनी दूतावास और हिकविजन ने तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की।

पहले से खरीदे गए डिवाइस इस्तेमाल किए जा सकेंगे, लेकिन एजेंसी ऑर्डर फाइनल होने के तुरंत बाद इम्पोर्ट पर रोक लगा सकती है ताकि नए डिवाइस इम्पोर्ट करने की जल्दबाजी से बचा जा सके।

यह प्रस्ताव चीनी टेक्नोलॉजी को टारगेट करने वाली एफसीसी की कई कार्रवाइयों के बाद आया है, जिसमें दिसंबर में ड्रोन के नए मॉडल और पिछले हफ्ते कंज्यूमर राउटर पर बैन शामिल है।

अक्टूबर में, एफसीसी ने अपनी कवर्ड लिस्ट में शामिल कंपनियों के पार्ट्स वाले डिवाइस के लिए नए अप्रूवल को ब्लॉक करने का फैसला किया और एजेंसी को कुछ खास मामलों में पहले से अप्रूव्ड इक्विपमेंट पर बैन लगाने दिया। हिकविजन ने दिसंबर में उस एफसीसी के फैसले को चुनौती देते हुए एक केस किया था, जिसमें अथॉरिटी के दखल का हवाला दिया गया था।

इसके साथ ही हिकविजन ने बिना किसी सबूत के आधार के कानूनी प्राधिकरण को पिछली तारीख से रोकने की मांग की थी।

फरवरी में एक अमेरिकी अपील कोर्ट ने हिकविजन की उस अर्जी को खारिज कर दिया जिसमें उसने अपने नए वीडियो सर्विलांस और टेलीकम्युनिकेशन उपकरण की मंजूरी पर 2022 के एफसीसी बैन को हटाने की मांग की थी।

मार्च में अमेरिका की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस फर्म एंथ्रोपिक ने तीन चीनी यूनिकॉर्न (डीपसीक, मिनिमैक्स और मूनशॉट एआई) पर अपने सिस्टम को आगे बढ़ाने के लिए उसके क्लाउड मॉडल से गैर-कानूनी तरीके से कैपेबिलिटी निकालने का आरोप लगाया था।

वैश्विक चुनौतियों के बीच फार्मा सेक्टर का निर्यात और सप्लाई चेन मजबूत करने पर सरकार का जोरः वाणिज्य सचिव

हैदराबाद। तेलंगाना की राजधानी में फार्मास्यूटिकल्स सेक्टर पर 'चिंतन शिविर' का आयोजन किया गया, जिसको लेकर वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने मीडिया से बात की। इस दौरान राजेश अग्रवाल ने कहा कि 'चिंतन शिविर' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सोच का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य सरकार, उद्योग और अन्य हितधारकों को एक मंच पर लाकर गहन मंथन करना है। इस पहल के तहत सेक्टर से जुड़ी चुनौतियों को समझते हुए उनके समाधान और भविष्य की स्पष्ट दिशा तय की जा रही है।

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने बताया कि यह मंच केवल चर्चा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सरकार, उद्योग और अन्य संबंधित पक्षों की भूमिकाओं को स्पष्ट करते हुए ठोस रणनीति तैयार की जाती है। खासतौर पर फार्मा सेक्टर के लिए यह अहम है, क्योंकि यह भारत की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा और तेजी से विकसित होता क्षेत्र है।अमेरिका द्वारा फार्मास्युटिकल सेक्टर पर लगाए गए संभावित टैरिफ को लेकर अग्रवाल ने कहा कि शुरुआती समझ के मुताबिक भारतीय जेनेरिक दवाएं इन टैरिफ से बाहर हैं। ऐसे में भारत के फार्मा निर्यात पर बड़ा असर पड़ने की संभावना कम है। हालांकि, कुछ इनोवेटिव या पेटेंटेड दवाओं पर सीमित प्रभाव पड़ सकता है।

उन्होंने यह भी बताया कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड फ्रेमवर्क एग्रीमेंट पर

बातचीत जारी है। यदि किसी भी सेगमेंट में भारतीय उद्योग को दिक्कत आती है, तो उसे इस समझौते के तहत उठाया जाएगा और समाधान खोजा जाएगा।अग्रवाल ने आगे कहा कि भारत का फार्मा सेक्टर मजबूत स्थिति में है, और केंद्र सरकार इसके निर्यात को बढ़ाने के लिए लगातार नए बाजारों और उत्पादों पर ध्यान दे रही है। पिछले 5-6 वर्षों में भारत ने 9 फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) किए हैं, जो करीब 38 अर्थव्यवस्थाओं को कवर करते हैं। इनका कुल आर्थिक आकार 30 ट्रिलियन डॉलर से अधिक है।अग्रवाल के मुताबिक, ये समझौते भारतीय निर्यातकों के लिए नए अवसर खोलेंगे, बाजारों में विविधता लाएंगे और घरेलू उद्योग को मजबूत करेंगे। इससे रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे।

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव को लेकर उन्होंने कहा कि मौजूदा संकट अभी कुछ ही हफ्तों पुराना है, इसलिए इसके दीर्घकालिक प्रभाव का अनुमान लगाना मुश्किल है। हालांकि, सरकार इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए लंबी अवधि की रणनीति तैयार कर रही है।वाणिज्य सचिव ने कोविड-19 महामारी का उदाहरण देते हुए कहा कि ऐसी बाहरी चुनौतियां समय-समय पर आती रहती हैं, लेकिन भारत ने हर बार इनसे निपटते हुए आगे बढ़ने की क्षमता दिखाई है।

अग्रवाल के अनुसार, करीब 60 अरब डॉलर के आकार वाला भारत का फार्मा उद्योग अब पहले से कहीं ज्यादा मजबूत, आधुनिक और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार है।

भारत का एक और एलपीजी टैंकर ग्रीन सान्वी ने होर्मुज स्ट्रेट को सफलतापूर्वक किया पार, दो और टैंकर लाइन में

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच भारतीय ध्वज लगा एक और एलपीजी टैंकर ग्रीन सान्वी होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित रूप से गुजर गया। जहाज ट्रैकिंग डाटा के अनुसार, यह इस अहम समुद्री मार्ग को सुरक्षित पार करने वाला सातवां भारतीय पोत है।

जहाज ने ईरान के समुद्री इलाके से होकर एक तय रास्ते का इस्तेमाल किया ताकि वह रणनीतिक रूप से संवेदनशील पानी के रास्ते से गुजर सके। अनुमान लगाया जा रहा है कि टैंकर में लगभग 44,000 टन एलपीजी है, जो पश्चिम एशिया में चल रहे झगड़े से पहले भारत में लगभग आधे दिन की एलपीजी की खपत के बराबर है। औद्योगिक विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले दिनों में भारत के झंडे वाले दो और एलपीजी टैंकर 'ग्रीन आशा और जग विक्रम' के स्ट्रेट पार करके भारत आने की उम्मीद है। ग्रीन सान्वी पश्चिम एशिया युद्ध शुरू होने के बाद से होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाला सातवां भारत के झंडे वाला व्यापारी जहाज है और सभी सात जहाज एलपीजी टैंकर थे। इसके गुजरने के साथ अब स्ट्रेट के पूर्व में फारस की खाड़ी इलाके में भारत के झंडे वाले 17 जहाज हो गए हैं।

शिपिंग रिकॉर्ड के मुताबिक, इनमें तीन और एलपीजी टैंकर, चार कच्चे तेल के टैंकर, एक लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) टैंकर, एक केमिकल प्रोडक्ट टैंकर, तीन कंटेनर जहाज, दो बल्क कैरियर और दो ऐसे जहाज शामिल हैं जिनका रेगुलर मेंटेनेंस चल रहा है। भारत अपने व्यापारी जहाजों का होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित रास्ता सुनिश्चित करने के लिए डिप्लोमैटिक स्तर पर ईरान के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। ईरान ने चल रहे पश्चिम एशिया संघर्ष के बीच जहाजों की आवाजाही पर काफी हद तक रोक लगा दी है। उसने पिछले हफ्ते स्पष्ट किया कि अमेरिका, इजरायल और उनके सहयोगी देशों के अलावा दूसरे देशों से जुड़े गैर-दुश्मन जहाज ईरानी अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेशन में स्ट्रेट से गुजर सकते हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने पुष्टि की है कि यह समुद्र मार्ग उन देशों के लिए चालू है जिन्हें दोस्त माना जाता है और चीन, रूस, भारत, इराक और पाकिस्तान के जहाजों को चोकपॉइंट से गुजरने की इजाजत दी गई है।

अपने ट्रांजिट के दौरान ग्रीन सान्वी अपनी भारतीय पहचान और जहाज पर सवार नाविकों की पहचान बता रहा था, यह एक ऐसी प्रैक्टिस बन गई है जो ईरानी अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेट करने वाले जहाजों के लिए स्टैंडर्ड बन गई है।

ईरान ने जिसे मार गिराने का दावा किया, जानिए कितना ताकतवर है अमेरिकी एफ-15ई स्ट्राइक ईगल लड़ाकू विमान

नई दिल्ली। ईरान ने दावा किया कि उसने अमेरिकी लड़ाकू विमान को मार गिराया है। उसके इस दावे के बाद दुनिया का ध्यान एक बार फिर अमेरिका के अत्याधुनिक एफ-15ई स्ट्राइक ईगल पर केंद्रित हो गया है। यह विमान अमेरिकी वायुसेना के सबसे भरोसेमंद और बहु-भूमिका वाले फाइटर जेट्स में गिना जाता है। यूएस एयरफोर्स की आधिकारिक वेबसाइट 'एएफडॉटएमआईएल' ने इस पर प्रकाश भी डाला है।

एफ-15ई स्ट्राइक ईगल को 1988 में पहली बार सेवा में शामिल किया गया था। इसे खास तौर पर इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह हवा में दुश्मन के विमानों से लड़ने के साथ-साथ जमीन पर मौजूद ठिकानों पर भी सटीक हमला कर सके। यह दो सदस्यीय क्रू—एक पायलट और एक वेपन सिस्टम ऑफिसर—के साथ संचालित होता है। दावा है कि इस वजह से ही जटिल मिशन को बेहतर तरीके से अंजाम दिया जा सकता है। यह लड़ाकू विमान हर मौसम और दिन-रात किसी भी समय उड़ान भरने में सक्षम है। इसमें लगे अत्याधुनिक एविओनिक्स और रडार सिस्टम इसे लंबी दूरी से लक्ष्य पहचानने और उन पर सटीक हमला करने की क्षमता देते हैं। इसका एपीजी-70 रडार सिस्टम हवा और जमीन दोनों तरह के लक्ष्यों को ट्रैक कर सकता है, जिससे यह एक साथ कई तरह के खतरों से निपट सकता है। एफ-15ई की एक बड़ी खासियत इसका एलएएनटीआईआरएन (लो-एल्टीट्यूड नेविगेशन एंड टारगेटिंग इंफ्रारेड) सिस्टम है, जो इसे बेहद कम ऊंचाई पर उड़ान भरने और रात या खराब मौसम में भी सटीक हमले करने में सक्षम बनाता है। यह सिस्टम पायलट को जमीन के बेहद करीब सुरक्षित उड़ान भरने में मदद करता है।

प्रदर्शन के मामले में भी यह विमान बेहद शक्तिशाली है। इसकी अधिकतम गति लगभग 1,875 मील प्रति घंटा (मैक 2.5 से अधिक) है और यह करीब 60,000 फीट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है। इसकी लंबी रेंज और भारी हथियार ले जाने की क्षमता इसे गहरे तक दुश्मन के इलाके में जाकर हमला करने के लिए उपयुक्त बनाती है।

हथियारों की बात करें तो इसमें 20 मिमी की आंतरिक तोप (गन) के अलावा एम-9 साइडवाइंडर और एम-120 अमराम जैसी हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें लगाई जा सकती हैं। इसके साथ ही यह विभिन्न प्रकार के प्रिसिजन गाइडेड और पारंपरिक बम भी ले जा सकता है। इस विमान का निर्माण अमेरिकी एयरोस्पेस कंपनी बोइंग ने किया है। शुरुआती दौर में इसकी कीमत करीब 31 मिलियन डॉलर थी, जो आधुनिक अपग्रेड के साथ बढ़कर करीब 100 मिलियन डॉलर तक पहुंच गई है।

यूएस एयरफोर्स के अनुसार, अपनी लंबी दूरी, भारी पेलोड और खुद की सुरक्षा करते हुए मिशन पूरा करने की क्षमता के कारण एफ-15ई स्ट्राइक ईगल अमेरिकी वायुसेना की ताकत है।

खाड़ी में अटके प्रवासी और बदलते चुनावी समीकरण: कैसे पश्चिम एशिया युद्ध पलट सकता है केरल चुनाव की बाजी

केरल 9 अप्रैल को होने वाले एक चरण के विधानसभा चुनावों की तैयारी कर रहा है और ऐसे में पश्चिम एशिया के संघर्ष का साया मतपेटियों पर गहराता जा रहा है। एक ऐसे राज्य के लिए जहां खाड़ी देशों के साथ संबंध अर्थव्यवस्था की असली जीवनरेखा है वहां खाड़ी क्षेत्र की वर्तमान अस्थिरता न केवल प्रेषित धन यानी रेमिटेंस में कमी ला रही है बल्कि मतदाताओं की संख्या को भी प्रभावित कर रही है। यह स्थिति कई बेहद करीबी मुकाबले वाली सीटों पर परिणामों को पलटने की चुनौती दे रही है। जमीन पर ही अटकी वोट उड़ानों से लेकर घर लौटने वाले एनआरआई की संख्या में भारी गिरावट तक 2026 का चुनाव इस बात की लड़ाई बनता जा रहा है कि कौन स्थानीय सीट पर बैठकर एक वैश्विक संकट को सबसे बेहतर तरीके से संभाल सकता है।

पश्चिम एशिया का युद्ध निश्चित रूप से कुल मतदान प्रतिशत को कम करेगा विशेष रूप से महत्वपूर्ण प्रवासी मतदाता वर्ग के बीच। ऐतिहासिक रूप से केरल के चुनावों में प्रवासी वोट एक बड़ी शारीरिक ताकत रहे हैं जिसमें लगभग 50,000 से अधिक प्रवासी आमतौर पर वोट डालने के लिए घर आते हैं। हालांकि 2026 के चुनावों के लिए यह संख्या गिरकर 5,000 से भी कम होने की आशंका है। इसके पीछे तीन मुख्य कारण हैं जिनमें आसमान छूता हवाई किराया, हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण उड़ानों का अनिश्चित समय और खाड़ी देशों में छुट्टी का संकट शामिल है। दुबई और दोहा स्थित कई कंपनियों ने क्षेत्रीय सुरक्षा अलर्ट के कारण छुट्टियों को 10-12 दिनों तक सीमित कर दिया है जिससे एक वोट के लिए केरल की यात्रा करना अधिकांश लोगों के लिए तार्किक और आर्थिक रूप से असंभव हो गया है। हालांकि 2.4 लाख पंजीकृत प्रवासी मतदाता हैं लेकिन इस अप्रैल में खाड़ी देशों से आने वाले मतदाताओं की वास्तविक संख्या अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंचने का अनुमान है।

केरल के राजनीतिक परिदृश्य में जहां जीत अक्सर 1,000 से भी कम वोटों से तय होती है वहां कुछ सौ प्रवासी मतदाताओं की अनुपस्थिति भी निर्णायक साबित हो सकती है। पारंपरिक रूप से केएमसीसी और एलडीएफ समर्थित प्रवासी विंग जैसी संस्थाओं ने करीबी सीटों पर अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए वोट उड़ानों का आयोजन किया है। वडकरा, नादापुरम, पोन्नानी और चावक्कड़ जैसे निर्वाचन क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील हैं क्योंकि ये घनी प्रवासी आबादी वाले क्षेत्र हैं जहां लौटने वाले एनआरआई वोट ऐतिहासिक रूप से यूडीएफ के लिए सुरक्षा कवच के रूप में काम करते रहे हैं। यदि ये मतदाता खाड़ी में ही रह जाते हैं तो एलडीएफ या एनडीए उन सीटों पर मौका पा सकते हैं जिन्हें पहले यूडीएफ का गढ़ माना जाता था। इन भौतिक वोटों की कमी ने पार्टियों को अपनी रणनीति बदलने और रिमोट प्रभाव की ओर बढ़ने के लिए मजबूर किया है जिसमें प्रवासियों से अपने परिवारों के वोटों को प्रभावित करने का आग्रह किया जा रहा है। शारीरिक मतदान के अलावा युद्ध एक आर्थिक संकट भी पैदा कर रहा है जो घर-घर प्रचार अभियान पर हावी है। केरल इस साल रेमिटेंस में 20 प्रतिशत की गिरावट के लिए तैयार है जो 2.16 लाख करोड़ रुपये के वार्षिक आधार को देखते हुए एक बड़ा झटका है। यह वित्तीय दबाव पारंपरिक पहचान की राजनीति के बजाय महंगाई और आजीविका की सुरक्षा को मुख्य मुद्दा बना रहा है। एलडीएफ वर्तमान में खुद को एक स्थिरता कवच के रूप में पेश कर रहा है जो लौटने वाले प्रवासियों के लिए अपने कल्याणकारी उपायों को सुरक्षा जाल के रूप में उजागर कर रहा है। इसके विपरीत यूडीएफ स्थानीय रोजगार पैदा करने में सरकार की विफलता पर हमला कर रहा है और तर्क दे रहा है कि युद्ध ने केरल की पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भरता की पोल खोल दी है। इस बीच एनडीए केंद्र सरकार की वंदे भारत जैसी तत्परता को उजागर कर रहा है ताकि संघर्ष क्षेत्र में फंसे परिजनों को लेकर चिंतित मध्यम वर्गीय परिवारों का विश्वास जीता जा सके। कम एनआरआई के यात्रा कर पाने के कारण 2026 के चुनाव में डिजिटल प्रॉक्सी का उदय देखा गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का अनुमान है कि खाड़ी में रहने वाला एक प्रवासी श्रमिक आमतौर पर घर पर अपने परिवार के चार से आठ सदस्यों के मतदान निर्णयों को प्रभावित करता है। प्रचार के अंतिम सप्ताह में राजनीतिक दलों ने अपना ध्यान खाड़ी व्हाट्सएप ग्रुपों पर केंद्रित कर दिया है। विमान के टिकट बुक करने के बजाय वे प्रवासियों के लिए तैयार की गई उच्च गुणवत्ता वाली डिजिटल सामग्री भेज रहे हैं क्योंकि वे जानते हैं कि रियाद में चिंतित बेटे की एक वीडियो कॉल परिवार के वोट को पलटने में किसी भी स्थानीय रैली से अधिक प्रभावी हो सकती है। जैसे-जैसे 9 अप्रैल की समय सीमा नजदीक आ रही है 2026 का केरल चुनाव यह साबित कर रहा है कि भले ही मतदाता जमीन पर अटके हों लेकिन उनकी आवाजें पहले से कहीं अधिक प्रभावी और सक्रिय हैं।

लोहे की कढ़ाई को साफ करने का सबसे आसान तरीका, तुरंत हट जाएगी गंदगी-चिकनाई

लोहे की कढ़ाई पर गंदगी के साथ-साथ चिकनाई भी जमा हो जाती है। कढ़ाई पर चिकनाई की परत की पकड़ काफी ज्यादा मजबूत होती है और यही वजह है कि लोहे की कढ़ाई आसानी से साफ नहीं हो पाती है। खूब मेहनत-मशक्कत करने के बाद भी कढ़ाई पर थोड़ी बहुत चिकनाई रह जाती है। अगर आपके साथ भी ऐसा ही होता है, तो आज हम आपके लिए एक बेहद आसान सॉल्यूशन लेकर आए हैं। अगली बार जब भी कढ़ाई साफ करनी हो, तो आपको इस तरीके को जरूर आजमाकर देखना चाहिए।

फायदेमंद साबित होगा नींबू और नमक- सबसे पहले आपको कढ़ाई में 2 गिलास पानी डालना है। अब कढ़ाई को गैस पर रख दीजिए और गैस ऑन कर दीजिए। आपको इस पानी को अच्छी तरह से उबलने देना है। इसके बाद बॉइल्ड वॉटर में 3-4 नींबू का रस, 2 स्पून कपड़े धोने वाला पाउडर और एक स्पून नमक एड कर लीजिए। सभी चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करने के बाद गैस को मीडियम फ्लेम पर कर दीजिए और इस मिश्रण में उबाल आने दीजिए।

फॉलो करें ये प्रोसीजर- जब मिक्सचर बॉइल हो जाए, तब आप गैस बंद कर दीजिए। थोड़ी देर तक इंतजार कीजिए जिससे कढ़ाई और पानी, दोनों चीजें थोड़ी सी ठंडी हो जाएं। लगभग 5 मिनट तक वेट कीजिए और फिर इस मिक्सचर को फेंक दीजिए। अब आपको कढ़ाई को स्क्रबर की मदद से रगड़ लेना है। आप महसूस कर पाएंगे कि कढ़ाई पर जमी गंदगी और चिकनाई की लेयर आसानी से हट पा रही होगी।

गौर करने वाली बात- लोहे की कढ़ाई के लिए ये जुगाड़ू तरीका एक अच्छा ऑप्शन साबित हो सकता है। अगर आप लोहे की कढ़ाई पर गंदगी और चिकनाई की लेयर को जमने से रोकना चाहते हैं, तो रेगुलर बेसिस पर लोहे की कढ़ाई को अच्छी तरह से साफ करते रहिए। खाना पकाने के बाद, जल्द से जल्द लोहे की कढ़ाई को धो लेना चाहिए। कढ़ाई को धोने के बाद उसे सुखाना न भूलें।

एवोकाडो खाने के शौकीन जान लें, जरा सी लापरवाही अस्पताल पहुंचा सकती है

एवोकाडो एक बहुत ही क्रीमी और टेस्टी फल है। भारत में इन दिनों एवोकाडो खाने का चलन काफी तेजी से बढ़ रहा है। किसी भी सुपर मार्केट में आपको आसानी से एवोकाडो मिल जाएंगे। अगर आप एवोकाडो खाने के शौकीन तो इसे छीलते और काटते वक्त सावधान रहें। आपकी जरा सी लापरवाही अस्पताल पहुंचा सकती है। जी हां दुनिया भर में हजारों एवोकाडो हैंड के मामले सामने आते हैं। आइये जानते हैं एवोकाडो हैंड क्या है और एवोकाडो काटते वक्त आपको क्या सावधानी बरतनी चाहिए?

क्या है एवोकाडो हैंड?

एवोकाडो हैंड एक टर्म है, जब एवोकाडो काटते वक्त आपका हाथ कट जाता है। अब आप सोच रहे होंगे कि ऐसा कैसे हो सकता है। आज तक हमारा हाथ तो कटा नहीं है। दरअसल एवोकाडो बहुत क्रीमी और चिकना होता है। जब आप एवोकाडो को हाथ में पकड़कर चाकू से काटते हैं और चाकू से ही इसकी गुठली

यानि बीज को निकालने की कोशिश करते हैं तो कई बार चाकू स्लिप करके हाथ के अंदर घुस जाता है और आपको घायल कर देता है। गुठली को निकालने के लिए आप काफी प्रेशर से चाकू को अंदर की ओर घुसाते हैं और यही लापरवाही आपके हाथ या उंगली को जख्मी कर सकती है। डॉक्टर्स की भाषा में इसे एवोकाडो हैंड कहते हैं। यह चोट टेंडन, नसों और मांसपेशियों को नुकसान पहुंचा सकती है, कई बार तो सर्जरी को नौबत भी आ जाती है।

एवोकाडो काटते वक्त बरतें सावधानी

हाथ में नहीं कटिंग बोर्ड पर काटें- एवोकाडो को कभी भी हाथ में लेकर नहीं काटना चाहिए। हाथ में फिसलने और चोट लगने का खतरा ज्यादा रहता है। हमेशा चॉपिंग बोर्ड पर रखकर ही एवोकाडो काटें और उसकी गुठली को निकालें।

ध्यान से गुठली निकालें- एवोकाडो की गुठली निकालते वक्त ही हाथ में चोट लगती है। इसलिए गुठली निकालने के लिए चॉपिंग बोर्ड का ही इस्तेमाल करें। कोशिश करें कि चाकू की बजाय किसी चम्मच से बीज निकालें। ज्यादा पके हुए एवोकाडो के बीज को हाथ से भी निकाल सकते हैं।

घुमाकर निकालें बीज- इसके लिए सबसे पहले एकदम पका हुआ एवोकाडो लें और कटिंग बोर्ड पर रखें। अब फल को लंबाई में काटें और एवोकैडो को क्रॉस में घुमाएं। गुठली से चिपका हुआ हिस्सा आसानी से अलग हो जाएगा। अब चाकू से छीलने की बजाय चम्मच से पल्प निकाल लें। ध्यान रखें पके हुए एवोकाडो का छिलका बहुत नरम होता है और ये काटते वक्त फिसल जाता है।

अधिक बड़ी, शांत और घातक आईएनएस अरिदमन कैसे भारत की परमाणु प्रतिरोधक क्षमता के लिए गेम-चेंजर है

भारत की रणनीतिक सैन्य क्षमताओं में एक बड़ी छलांग लगाते हुए देश ने शुक्रवार को अपनी तीसरी परमाणु-संचालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी आईएनएस अरिदमन को बेड़े में शामिल किया। यह पनडुब्बी अरिहंत श्रेणी के बेड़े का हिस्सा है जो भारत के परमाणु त्रय के समुद्री आधार को बनाती है और जमीन, हवा एवं समुद्र से परमाणु हथियार चलाने की क्षमता को प्रदर्शित करती है। आईएनएस अरिदमन एक स्वदेशी रूप से निर्मित परमाणु-संचालित पनडुब्बी है जिसे विशाखापत्तनम में भारत के गोपनीय उन्नत प्रौद्योगिकी पोत कार्यक्रम के तहत विकसित किया गया है। द टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार आईएनएस अरिहंत और आईएनएस अरिघात के बाद यह तीसरी एसएसबीएन है जिसका वजन लगभग 7,000 टन है जो इसे पिछले जहाजों से बड़ा बनाता है। अरिदमन 83 मेगावाट के परमाणु रिएक्टर द्वारा संचालित है जिससे यह लंबे समय तक पानी के नीचे डूबी रह सकती है। ईटी नाउ के अनुसार पारंपरिक पनडुब्बियों के विपरीत परमाणु-संचालित पनडुब्बियां महीनों तक पानी के नीचे काम कर सकती हैं और उनकी क्षमता मुख्य रूप से भोजन की आपूर्ति पर निर्भर करती है। आईएनएस अरिदमन का सबसे बड़ा महत्व भारत की परमाणु प्रतिरोध रणनीति में इसकी भूमिका में निहित है। द टाइम्स ऑफ इंडिया के अनुसार एसएसबीएन 'सेकंड स्ट्राइक कैपेबिलिटी' प्रदान करती हैं जिसका अर्थ है कि परमाणु हमले के बाद भी जवाबी कार्रवाई करने की क्षमता बनी रहती है। यह विशेषता उन्हें परमाणु त्रय का सबसे सुरक्षित हिस्सा बनाती है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट है कि यह पनडुब्बी विशेष रूप से एक अस्थिर क्षेत्र में विश्वसनीय न्यूनतम प्रतिरोध बनाए रखने की भारत की क्षमता को मजबूत करती है। आईएनएस अरिदमन केवल एक नया जुड़ाव नहीं है बल्कि पिछली पनडुब्बियों की तुलना में एक महत्वपूर्ण अपग्रेड है। पिछली पनडुब्बियों में चार के मुकाबले इसमें आठ मिसाइल लॉन्च ट्यूब हैं। यह के-15 मिसाइलें जिनकी मारक क्षमता लगभग 750 किमी है और के-4 मिसाइलें जिनकी मारक क्षमता लगभग 3,500 किमी है उन्हें ले जा सकती है और भविष्य में संभावित रूप से इससे भी लंबी दूरी की प्रणालियां इसमें लगाई जा सकती हैं। यह इसकी प्रहार क्षमता को काफी बढ़ाता है।

पनडुब्बी में बेहतर स्टील्थ यानी चोरी छिपे चलने की क्षमता भी है। इसमें कम ध्वनिक हस्ताक्षर वाला एक बेहतर रिएक्टर लगाया गया है जिससे दुश्मन के सोनार के लिए इसका पता लगाना कठिन हो जाता है। यह गश्त के दौरान इसके सुरक्षित रहने की संभावना को बढ़ाता है जो परमाणु प्रतिरोध के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है। इसमें अधिक सहनशक्ति भी है क्योंकि परमाणु प्रणोदन लगभग असीमित दूरी तक जाने की अनुमति देता है। यह विस्तारित अवधि के लिए पानी के नीचे छिपा रह सकता है जो निरंतर समुद्री प्रतिरोध बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। अपने बड़े और अधिक उन्नत डिजाइन के साथ यह पनडुब्बी भारत की क्षमताओं में एक महत्वपूर्ण वृद्धि है। आईएनएस अरिहंत और आईएनएस अरिघात की तुलना में इसमें अधिक हथियारों और बेहतर प्रणालियों के लिए लंबा हल दिया गया है। रक्षा विश्लेषणों के अनुसार यह पनडुब्बी डिजाइन और निर्माण के क्षेत्र में भारत की बढ़ती विशेषज्ञता को दर्शाता है।

इसे शामिल करने का समय ऐसे समय में आया है जब एशिया में समुद्री प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। जहां एक ओर चीन अपने परमाणु पनडुब्बी बेड़े का विस्तार कर रहा है वहीं पाकिस्तान भी अपनी पानी के नीचे की क्षमताओं का आधुनिकीकरण कर रहा है। इस संदर्भ में आईएनएस अरिदमन भारत को हिंद महासागर में अपनी उपस्थिति मजबूत करने, विश्वसनीय जवाबी कार्रवाई सुनिश्चित करने और निरंतर परमाणु गश्त बनाए रखने की दिशा में आगे बढ़ने में मदद करती है। हालांकि आईएनएस अरिदमन इस यात्रा का अंतिम पड़ाव नहीं है। भारत और भी उन्नत पनडुब्बियां जिनमें बड़े एस5-श्रेणी के जहाज शामिल हैं उन्हें बना रहा है और परमाणु एवं पारंपरिक दोनों पनडुब्बी बेड़ों का विस्तार कर रहा है।

माइक्रोसॉफ्ट की चेतावनी : कोपायलट एआई केवल 'मनोरंजन के उद्देश्यों' के लिए है: 'इसे अपने स्वयं के जोखिम पर उपयोग करें'

2023 में कोपायलट लॉन्च करने के बाद से माइक्रोसॉफ्ट अपने विंडोज 11 उपयोगकर्ताओं को इस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल को अपनाने के लिए लगातार प्रेरित कर रहा है। हालांकि इस लार्ज लैंग्वेज मॉडल (एलएलएम) को आम जनता के लिए उत्पादकता के उपकरण के रूप में प्रचारित किया जा रहा है, लेकिन माइक्रोसॉफ्ट की सेवा की शर्तों को बारीकी से देखने पर पता चलता है कि शायद कंपनी को स्वयं अपने उत्पाद पर पूरा भरोसा नहीं है।

माइक्रोसॉफ्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार कोपायलट का उपयोग केवल 'मनोरंजन के उद्देश्यों' के लिए किया जाना चाहिए और उपयोगकर्ताओं को चेतावनी दी गई है कि वे इस एआई का उपयोग अपने जोखिम पर करें। पिछले साल अपडेट किए गए इस समझौते में स्पष्ट लिखा है कि कोपायलट गलतियाँ कर सकता है और हो सकता है कि यह अपेक्षित रूप से काम न करे, इसलिए महत्वपूर्ण सलाह के लिए इस पर निर्भर न रहें।हालांकि तकनीकी जानकारी रखने वालों के लिए यह सामान्य हो सकता है, लेकिन आम उपयोगकर्ताओं को माइक्रोसॉफ्ट के एआई के पीछे की इस सच्चाई से निराशा हो सकती है। माइक्रोसॉफ्ट का कहना है कि वे कोपायलट की प्रतिक्रियाओं की किसी भी प्रकार की वारंटी नहीं देते हैं और यह गारंटी नहीं दे सकते कि इसके जवाब किसी के कॉपीराइट, ट्रेडमार्क या गोपनीयता के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करेंगे। इसके अलावा, यदि आप कोपायलट के जवाबों को सार्वजनिक रूप से साझा करते हैं, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी आपकी होगी।

सोशल मीडिया पर भी इसे लेकर काफी तीखी प्रतिक्रियाएं आई हैं जहाँ लोगों का कहना है कि माइक्रोसॉफ्ट जैसे बड़े ब्रांड का अपने प्रमुख एआई उत्पाद को केवल 'मनोरंजन' के लिए बताना एक बड़ी खबर है। कुछ उपयोगकर्ताओं ने सवाल उठाया है कि क्या वकीलों की फौज ने कानूनी बचाव के लिए यह रास्ता निकाला है। हाल ही में विंडोज के वीपी पवन दावुलुरी ने भी स्वीकार किया कि कंपनी ने एआई को बढ़ावा देने में कुछ ज्यादा ही सख्ती दिखाई है जिसके कारण उपयोगकर्ता परेशान हुए हैं।

काबिल होने के बाद भी नहीं मिल रही सफलता? चाणक्य की ये बातें बनाएगी सफल

कभी-कभी सब कुछ सही करने के बाद भी सफलता हाथ नहीं लगती, और यह स्थिति काफी हताश करने वाली हो सकती है। आचार्य चाणक्य ने अपनी नीतियों में स्पष्ट किया है कि सिर्फ 'काबिल' होना काफी नहीं है, सफलता के लिए काबिलियत का सही प्रबंधन जरूरी है। यहां हम चाणक्य की ऐसी बातें लेकर आए हैं जो आपको सफलता के शिखर पर पहुंचाने का काम करेगी।

अपनी कमजोरी को गुप्त रखें

चाणक्य के अनुसार, 'अपनी कमजोरी किसी को न बताएं।' अक्सर काबिल लोग भावुक होकर अपनी कमियां या अपनी योजनाएं दूसरों से शेयर कर देते हैं। विरोधी या प्रतियोगी आपकी उसी कमजोरी का फायदा उठाकर आपकी सफलता का रास्ता रोक देते हैं। अपनी योजना तब तक गुप्त रखें जब तक वह पूरी न हो जाए।

समय और स्थान का सही आकलन

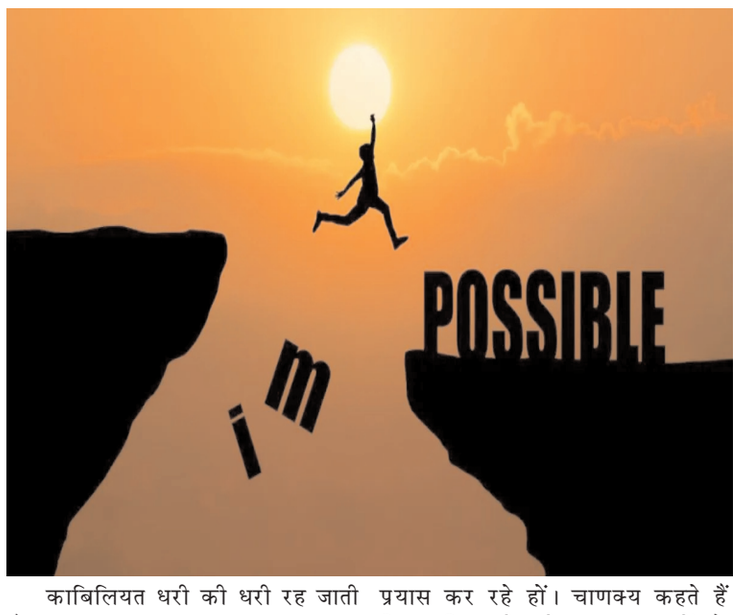

काबिलियत धरी की धरी रह जाती है अगर आप गलत समय पर गलत जगह प्रयास कर रहे हों। चाणक्य कहते हैं कि व्यक्ति को हमेशा इन सवालों के जवाब पता होने चाहिए, यह समय कैसा है? मेरे मित्र कौन हैं और शत्रु कौन? मैं जिस स्थान पर हूं, वहां विकास की कितनी संभावनाएं हैं?

अनुशासन और निरंतरता

ज्यादा-आत्मविश्वास अक्सर काबिल लोगों की हार का कारण बनता है। चाणक्य मानते थे कि एक औसत बुद्धि वाला व्यक्ति यदि अनुशासित है, तो वह उस बुद्धिमान व्यक्ति को हरा सकता है जो आलसी है। सफलता 'शुरुआत' करने से नहीं, बल्कि 'लगे रहने' से मिलती है।

संसाधनों का सही प्रबंधन

सफलता के लिए सिर्फ ज्ञान नहीं, बल्कि साधन और धन का सही संतुलन जरूरी है। चाणक्य नीति कहती है कि व्यक्ति को उतना ही पैर फैलाना चाहिए जितनी लंबी चादर हो। अपनी ऊर्जा और धन का निवेश सोच-समझकर करें।

महाकाल की भक्ति में लीन हुईं कावेरी प्रियम, बोलीं- यहां की ऊर्जा को शब्दों में बयां करना मुश्किल

उज्जैन। टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री कावेरी प्रियम मध्य प्रदेश के उज्जैन स्थित महाकालेश्वर मंदिर बाबा महाकाल के दर्शन के लिए पहुंची। इस दौरान उन्होंने महाकालेश्वर मंदिर में बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद लिया और काफी देर तक हाथ जोड़कर बाबा के भक्ति रस में डूबी नजर आईं।

नंदी महाराज के पास मौजूद अभिनेत्री बाबा महाकाल को निहारती नजर आईं। दर्शन के बाद अभिनेत्री ने आईएएनएस से बातचीत की। उन्होंने बताया कि वह पिछले तीन सालों से लगातार महाकाल दर्शन के लिए आ रही हैं। उन्होंने कहा, 'पिछले तीन सालों से मैं यहां आ रही हूं। यहां की ऊर्जा को शब्दों में बयां करना बहुत मुश्किल है।

भस्म आरती के समय जो शक्ति और ऊर्जा मिलती है, वह अलौकिक होती है। उसे महसूस करके ही समझा जा सकता है। यहां आकर मन को बहुत शांति मिलती है।

अभिनेत्री ने मंदिर की व्यवस्था की भी खूब तारीफ की। उन्होंने कहा, 'महादेव की कृपा से हर बार मेरे दर्शन बहुत शांतिपूर्ण और सुखद होते हैं। यहां का प्रशासन और स्टाफ बहुत अच्छे से काम करता है। हर चीज सही तरीके से व्यवस्थित है।

अभिनेत्री कावेरी प्रियम टेलीविजन इंडस्ट्री का जाना माना नाम हैं।

वे महाकाल के दर्शन के लिए हर साल आती रहती हैं। अभिनेत्री ने मंदिर प्रबंधन और वहां काम करने वाले सभी लोगों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यहां की अच्छी व्यवस्था की वजह से हर भक्त को आसानी से दर्शन करने का मौका मिलता है।

अभिनेत्री ने 'नागिन 2', 'परदेस में है मेरा दिल' और 'सावधान इंडिया' जैसे शो में छोटी भूमिकाओं के साथ शुरुआत की, लेकिन उन्हें लोकप्रिय धारावाहिक 'ये रिश्ते हैं प्यार के' में कुहू माहेश्वरी और 'जिद्दी दिल माने ना' में डॉ. मोनामी महाजन जैसे प्रमुख किरदारों ने उन्हें घर-घर में पहचान दिलाई।

कावेरी प्रियम इस समय 'दूरियां' धारावाहिक में मुख्य भूमिका निभा रही हैं, जिसमें वे सोनिया का किरदार निभा रही हैं। इससे पहले, वे 'दिल दियां गल्लां' और 'जिद्दी दिल माने ना' जैसे शो का हिस्सा रही थी।

रश्मिका मंदाना : पहली ही फिल्म से मिला हिट करियर और लाइफ पार्टनर, ऐसे टूटा रिश्ता कि बैन होने की आ गई नौबत

नई दिल्ली। साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कई ऐसी अभिनेत्रियां रही हैं, जिन्होंने 80 के दशक से लेकर अब तक हिंदी सिनेमा की तरफ रुख किया है।

श्रीदेवी, जय प्रदा, हेमा मालिनी और रेखा समेत कई ऐसी अभिनेत्रियां रही हैं, जिनके करियर की नींव दक्षिण भारत में रखी गई लेकिन सफलता उन्हें हिंदी सिनेमा से मिली। आज के दौर की ऐसी ही अभिनेत्री हैं रश्मिका मंदाना, जिन्होंने दक्षिण भारत में हिट फिल्म देने के बाद पैन इंडिया सफलता पाने में देर नहीं लगाई। 5 अप्रैल को जन्मी रश्मिका तेलुगू और कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री में जाना-माना नाम बन चुकी हैं। उन्होंने फिल्म किरिक पार्टी से 2016 में फिल्मी दुनिया में कदम रखा था और अपनी पहली ही फिल्म से रश्मिका बहुत बड़ी स्टार बन गई थीं। इस फिल्म में अभिनेत्री ने अभिनेता रक्षित शेट्टी के साथ काम किया। 4 करोड़ में बनी फिल्म ने 50 करोड़ की मोटी कमाई की और यह फिल्म रश्मिका के करियर की पहली हिट भी बनी। इस फिल्म में न सिर्फ रश्मिका को अच्छा करियर दिया बल्कि उन्हें रक्षित शेट्टी के रूप में अच्छा पार्टनर भी मिला। दोनों की जोड़ी को कन्नड़ सिनेमा में बहुत पसंद किया जाने लगा और फैंस भी दोनों की जोड़ी को असल जोड़ी के रूप में देखने लगे। आलम ये था कि सेट पर रश्मिका और रक्षित के बीच नजदीकियां बढ़ चुकी थीं। दोनों ने फिल्म के सुपरहिट होने के बाद साल 2017 में सगाई की लेकिन दोनों का रिश्ता एक साल बाद ही टूट गया। अलग होने की वजह दोनों में वैचारिक मतभेद था लेकिन यह बात रक्षित के फैंस को बिल्कुल पसंद नहीं आई और उन्होंने अभिनेत्री को ट्रोल करना शुरू कर दिया और कन्नड़ सिनेमा से बैन करने की धमकी भी दी।

रश्मिका पर रक्षित को करियर की सीढ़ी बनाने का आरोप लगा। मामले को संभालने के लिए खुद रक्षित ने आकर अपने फैंस को अभिनेत्री के सामने कुछ भी न बोलने की अपील की क्योंकि अलग होने का फैसला दोनों का था। विवाद के बीच अभिनेत्री ने तमिल फिल्मों में कदम रखा और साल 2018 में उनकी 'चलो' फिल्म रिलीज हुई, जिसके बाद उन्हें 'गीता गोविंदम', 'डियर कॉमरेड,' 'भीष्म, सुल्तान' (तमिल), 'सरिलरु नीकेवरु' और 'सीता रामम' में देखा गया।

दक्षिण भारत में सिक्का जमाने के बाद साल 2018 में पैन इंडिया फिल्म 'पुष्पा : द राइज' ने अभिनेत्री के करियर को ग्लोबल लेवल पर पहचान दिलाई और वे नेशनल क्रश बनकर उभरीं, जिसके बाद अमिताभ बच्चन के साथ बॉलीवुड में 'गुडबाय' से डेब्यू किया। उन्होंने रणबीर कपूर के साथ एनिमल, सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ मिशन मजनूं और विक्की कौशल के साथ छावा में बेहतरीन रोल प्ले किया।

कविता कौशिक ने बताया 'कप्तान' के लिए क्यों नहीं करनी पड़ी ज्यादा मेहनत

मुंबई। एक्शन-क्राइम ड्रामा वेब सीरीज 'कप्तान' ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। यह सीरीज ज्वालाबाद शहर में एसएसपी समरदीप सिंह की कहानी पर आधारित है। इसमें साकिब सलीम के अलावा सिद्धार्थ निगम, कविता कौशिक और अंजुम शर्मा जैसे मंझे हुए कलाकार नजर आ रहे हैं। सीरीज में कविता कौशिक ने डीएसपी प्रीत का रोल निभाया है, जो एक सख्त महिला पुलिस अधिकारी होती है। अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें पुलिस के किरदार में ढलने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा था।

अभिनेत्री ने हाल ही में आईएएनएस के साथ बातचीत की, जिसमें उन्होंने अपने किरदार के ढलने की प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा, 'मुझे अपने किरदार के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी थी क्योंकि मेरा बैकग्राउंड ही पुलिस से जुड़ा हुआ है। मेरे पिता एक पुलिस अधिकारी थे। बचपन से हम उसी माहौल में बड़े हुए हैं। इसलिए यह भूमिका मेरे लिए स्वाभाविक लगी। चाहे चंद्रमुखी चौटाला का किरदार हो या फिर डीएसपी प्रीत, पुलिस वाली बात मेरी परफॉर्मेंस में अपने आप दिख जाती है।

कविता ने आगे बातचीत में पूरी टीम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'हमारे पास बहुत अच्छा डायरेक्टर, शानदार प्रोड्यूसर्स और एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। हमारी कास्ट भी कमाल की है। सब कुछ मुझे सही लगा था, यही कारण है कि सीरीज के लिए हां कहना बहुत आसान हो गया था।

अभिनेत्री ने मुश्किल शूट के बारे में बात करते हुए कहा, 'सच कहूं, तो मुझे सीन शूट करने में दिक्कत नहीं हुई। अगर मैं मुश्किल कहूंगी तो यह अन्य कलाकारों के साथ नाइंसाफी होगी। वे बहुत कठिन हालात में भी फिट रहते हुए जबरदस्त एक्शन सीन कर रहे थे। उनका अनुशासन और समर्पण देखकर मैं प्रेरित हुई। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। मेरी भूमिका उनकी तुलना में काफी आरामदायक थी। अक्सर पुलिस ड्रामा में महिला अधिकारियों को कम महत्व दिया जाता है।

इस पर कविता ने बेबाकी से कहा, 'मैंने अपने करियर में कभी खुद को नजरअंदाज महसूस नहीं किया। मुझे जो मौका मिलता है, उसका पूरा फायदा उठाती हूं। मैं ज्यादा स्क्रीन टाइम के लिए नहीं लड़ती। मेरा फोकस अपने काम के असर पर रहता है।

'कप्तान' में अपराधी के किरदार में दिखेंगे सिद्धार्थ निगम, रोल के लिए की स्पेशल एक्टिंग वर्कशॉप

मुंबई। अभिनेता सिद्धार्थ निगम इन दिनों एक्शन-क्राइम ड्रामा वेब सीरीज 'कप्तान' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। सीरीज में उन्होंने एक कबीर नाम के आक्रामक, भावुक और दृढ़ निश्चयी अपराधी का किरदार निभाया है।

सिद्धार्थ निगम ने हाल ही में आईएएनएस के साथ खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने बताया कि फिल्म कबीर का रोल मिलने के बाद उन्होंने इमोशनल लेयर्स को बेहतर समझने के लिए एक्टिंग वर्कशॉप की थी। उन्होंने बताया, 'इस किरदार में बहुत गहराई और अंदरूनी संघर्ष हैं। वर्कशॉप ने मुझे हर सीन को नई नजर से देखने में मदद की। यह मेरे करियर का अहम पड़ाव था।

सिद्धार्थ ने आगे अपने किरदार को रोमांचक बताया। उन्होंने कहा, 'मेरा रोल चैलेंजिंग नहीं, बल्कि बहुत रोमांचक है। हर एक्टर लेयर्ड रोल चाहता है जिसमें एक्शन, इमोशन और हल्का ह्यूमर भी हो। इस स्क्रिप्ट में ये सारे एलिमेंट पहले से थे, इसलिए मुझे सब एक्सप्लोर करने का पूरा मौका मिला।

उन्होंने शूटिंग के दौरान आने वाली चुनौतियों के बारे में बताया। अभिनेता ने कहा, 'शूटिंग के दौरान हमारे लिए सबसे बड़ा चुनौती थी मौसम। हम हर दिन तेज गर्मी में शूटिंग कर रहे थे और उसमें भरपूर एक्शन सीन भी थे। एक बार अंजुम शर्मा के साथ फाइट सीन के दौरान हम यह भी नहीं समझ पा रहे थे कि किसे ज्यादा पसीना आ रहा है। इतना इंटेंस था सब कुछ, लेकिन इतने अच्छे कलाकारों के साथ काम करने से सब मजेदार लगने लगा।

आईएएनएस ने सवाल पूछा, 'आजकल ओटीटी पर क्राइम थ्रिलर्स की बाढ़ आ गई है। 'कप्तान' को क्या अलग बनाता है? सिद्धार्थ ने जवाब दिया, 'मुझे नहीं पता कि यह कितना अलग है, लेकिन यह निश्चित रूप से बहुत एंटरटेनिंग है। कहानी मजबूत है और हमारे डायरेक्टर इस जॉनर को अच्छी तरह समझते हैं। सबसे बड़ी बात हम सबने शूटिंग में बहुत मजा लिया और वो एनर्जी स्क्रीन पर साफ दिखती है। सिद्धार्थ ने आगे कहा कि एक्टर का काम अपने सीन अच्छे से करना होता है।

बाकी चीजें उनके कंट्रोल में नहीं होतीं। आज के समय में एक भी दमदार सीन दर्शकों के जेहन में लंबे समय तक रह सकता है या वायरल हो सकता है। संख्या मायने नहीं रखती, असर मायने रखता है।

मोरक्कन सिंगर संग 'बेजाफ' में बिखेरेंगी जलवा, इस दिन आएगा टीजर

मुंबई। कहते हैं कि कला की कोई सीमा नहीं होती है और इस बात को अभिनेत्री शहनाज गिल ने सच कर दिखाया है। दरअसल, उन्होंने मोरक्को पॉप स्टार साद लमजारेद के साथ मिलकर 'बेजाफ' गाना बनाया है। इस गाने में भारतीय और मोरक्कन संस्कृति का अनोखा मेल सुनने को मिलेगा।

शहनाज ने अपने इंस्टाग्राम पर इस गाने का पोस्टर शेयर किया। पोस्टर में शहनाज और साद लमजारेड दोनों नजर आ रहे हैं, जिसे देखकर फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं। शहनाज ने पोस्ट कर लिखा, 'इस साल के पहले क्रॉस-कल्चरल हिट 'बेजाफ' के लिए तैयार हो जाइए। इसका टीजर रविवार सुबह 11 बजे यूट्यूब चैनल पर रिलीज होगा।

यह गाना दोनों कलाकारों की क्रॉस-कल्चरल कोलैबोरेशन है। 'बेजाफ' गाने में भारतीय धुनों के साथ मोरक्कन बीट्स और इंस्ट्रूमेंट्स का खास मिश्रण है। इसमें अलग-अलग भाषाओं और संगीत शैलियों का सुंदर संगम है। फैंस को उम्मीद है कि यह गाना जल्द ही चार्ट्स पर छा जाएगा।ह्य

साद लमजारेंड एक प्रसिद्ध मोरक्कन पॉप गायक, डांसर और अभिनेता हैं, जो अपने सुपरहिट गानों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने पारंपरिक अरबी संगीत और आधुनिक पॉप का मिश्रण कर वैश्विक प्रसिद्धि हासिल की है। उन्होंने श्रेया घोषाल सहित कई अंतरराष्ट्रीय कलाकारों के साथ सहयोग किया है।

साद 2025 में फोर्ब्स मोरक्को के कवर पर फीचर होने वाले पहले कलाकार बने, जो अंतरराष्ट्रीय पॉप दृश्य में उनके प्रभाव को दर्शाता है।

शहनाज गिल भारत की लोकप्रिय एक्ट्रेस और सिंगर हैं। वह बिग बॉस जैसे शो से मशहूर हुईं और अब फिल्मों व गानों में एक्टिव हैं। वहीं, साद लमजारेड मोरक्को के प्रसिद्ध पॉप गायक हैं और उन्होंने कई हिट गाने दिए हैं जो दुनिया भर में पसंद किए जाते हैं।

अभिनेत्री हाल ही में फिल्म इक्क कुड़ी में नजर आई थी। इस फिल्म से उन्होंने बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू भी किया है। यह एक पंजाबी महिला के जीवन पर आधारित फिल्म है। फिल्म की कहानी एक युवा लड़की के इर्द-गिर्द घूमती है, जो शादी की चुनौतियों और सामाजिक मुश्किलों से जूझती है।

'मायका' से मिली वैश्विक पहचान, पर अब भी टर्निंग पॉइंट की तलाश में हैं विनीत रैना

मुंबई। अभिनेता विनीत रैना इन दिनों अपने आगामी अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। अभिनेता ने हाल ही में आईएएनएस के साथ खास बातचीत की और बताया कि 'मायका' सीरियल ने उन्हें ग्लोबली पहचान दिलाई थी। अभिनेता ने कहा, 'जहां तक मुझे लगता है कि मेरे लाइफ का टर्निंग पॉइंट अभी तक आया नहीं है और अभी भी मैं उसकी तलाश में हूं। मैंने कभी कोई खास सीमा तय नहीं की कि कोई एक पल ही मेरे करियर को पूरा परिभाषित कर दे। हालांकि, मुझे अपनी पहली बड़ी पहचान जी टीवी के शो 'मायका- साथ जिंदगी भर का' से मिली थी। मेरे किरदार वीर खुराना को पूरे भारत के साथ-साथ विदेशों में भी बहुत पसंद किया गया था। इस शो ने मुझे देश-विदेश में अच्छी पहचान दिलाई थी। उन्होंने आगे बताया कि 'मायका' के बाद उन्होंने कई चैनलों पर कई लोकप्रिय शो किए।

ईरान-अमेरिका हमलों के बाद पहली बार जापानी और फ्रांस के जहाज ने होर्मुज स्ट्रेट से किया ट्रांजिट

नई दिल्ली। ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे संघर्ष के बीच होर्मुज स्ट्रेट से तेल और गैस टैंकर की आवाजाही बुरी तरह प्रभावित हुई है। होर्मुज से जहाजों का ट्रांजिट पूरी तरह से ईरान के नियंत्रण में है। जापानी मीडिया के अनुसार, 28 फरवरी से शुरू हुए हमलों के बीच फ्रांस, ओमान और जापान के जहाज होर्मुज स्ट्रेट से सफलतापूर्वक निकले हैं।

'द जापान टाइम्स' ने बताया कि शिप ट्रैकिंग कंपनी मरीन ट्रैफिक की वेबसाइट के मुताबिक, दोनों जहाज गुरुवार को पार कर गए। तीन टैंकर, जिसमें एक जापानी कंपनी का को-ओनरशिप वाला भी शामिल है, गुरुवार को दक्षिणी रास्ते से होर्मुज स्ट्रेट पार कर गए।

'द जापान टाइम्स' के अनुसार, दूसरे देश जिनके जहाजों ने ट्रांजिट की, वे संयुक्त अरब अमीरात, चीन, भारत, सऊदी अरब, ओमान, ब्राजील और इराक हैं। आंकड़ों से यह साफ नहीं था कि तेहरान ने कितने जहाजों के ट्रांजिट की मंजूरी दी थी, लेकिन इससे पता चला कि माल ले जाने वाले 118 जहाजों में से 37 गल्फ से कच्चा तेल लेकर निकले थे। इनमें से अधिकांश तेल टैंकर करीब 30 या तो ईरान से आए थे या ईरानी झंडे के तहत संचालित हो रहे थे। वहीं, ईरानी तेल ले जाने वाले ज्यादातर जहाजों ने अपने ट्रांसपोंडर पर गंतव्य स्थान की जानकारी साझा नहीं की थी। जिन लोगों ने ऐसा किया, उनमें से एक को छोड़कर सभी ने बताया कि वे चीन जा रहे थे।

'द जापान टाइम्स' ने बताया कि ट्रांसपोंडर डाटा से पता चला कि दर्जनों जहाज चीनी क्रू या चीनी मालिक से संबंधित मैसेज उस जगह पर ब्रॉडकास्ट कर रहे थे।

मीडिया रिपोर्ट्स में बीते दिन यह बताया गया था कि ईरान होर्मुज से जहाजों के ट्रांजिट के लिए शुल्क लगा रहा है। फ्रांस के जहाज को होर्मुज से गुजरने की इजाजत कैसे दी गई, इसे लेकर को जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि ईरान ने कुछ दूसरे जहाजों को भी जाने दिया है। ये जहाज उन देशों से हैं जिन्हें वह दोस्त मानता है, जैसे भारत, जापान, थाईलैंड, ग्रीस, मलेशिया, चीन, पाकिस्तान और इराक।

अमेरिका, इजरायल, ब्रिटेन और दूसरे देशों के झंडे वाले या उनसे जुड़े हुए जहाजों को होर्मुज से गुजरने नहीं दिया जा रहा है। इन्हें ईरान अपना दुश्मन मानता है, क्योंकि वे तेहरान की नजर में किसी न किसी तरह से उन पर हमला करने के लिए अमेरिका के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

आम तौर पर होर्मुज की खाड़ी से दोनों दिशाओं में लगभग 100 जहाज उस इलाके से गुजरते हैं। फिलहाल जिस तरह के हालात बन गए हैं, उसमें यह मुश्किल हो गया है। अंदाजा है कि 2,000 से 3,000 जहाज पीछे फंसे हुए हैं, जो गुजर नहीं पा रहे हैं।

ईरानी संघर्ष में मध्यस्थ बन रहे पाकिस्तान की बढ़ी मुसीबत, यूएई ने वापस मांगा 3.5 अरब डॉलर का कर्ज

इस्लामाबाद। ईरान और अमेरिका के बीच संघर्ष खत्म करने के लिए पाकिस्तान ने मध्यस्थता करने की कोशिश की। हालांकि आर्थिक मोर्चे पर खुद तंगहाली से जूझ रहे पाकिस्तान को अब संयुक्त अरब अमीरात ने बड़ा झटका दे दिया है। दुनिया से आर्थिक मदद मांगकर काम चला रहे पाकिस्तान को इस महीने के अंत तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से लिया हुआ 3.5 अरब डॉलर का कर्ज लौटाना होगा।

यूएई की तरफ से कर्ज चुकाने की अवधि को बार-बार बढ़ाया जा रहा था। हालांकि, शुक्रवार को आई मीडिया रिपोर्ट्स में साफ किया गया है कि यूएई ने पाकिस्तान से इस महीने के अंत तक सारा कर्ज वापस करने के लिए कहा है।

मौजूदा समय में पाकिस्तान के पास विदेशी मुद्रा भंडार (रिजर्व) में 21 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि है। विदेशी मुद्रा भंडार की राशि से पाकिस्तान फिलहाल यूएई को कर्ज चुका सकता है, लेकिन आने वाले महीनों में देश को बाहरी वित्तीय मदद की आवश्यकता पड़ सकती है।

हालांकि, पाकिस्तान दुनिया के अन्य देशों के सामने हाथ फैलाकर ही अपनी गाड़ी को आगे खींच रहा है। 31 मार्च 2026 तक पाकिस्तान ने आईएमएफ से लगभग 729 करोड़ डॉलर का कर्ज ले रखा है। ट्रेडिंग इकोनॉमिक्स के अनुसार, पाकिस्तान पर कुल विदेशी कर्ज दिसंबर 2025 की दूसरी तिमाही तक लगभग 138 अरब डॉलर पहुंच गया है।

आईएमएफ के अनुसार, पाकिस्तान वर्तमान में आईएमएफ के 7 अरब डॉलर के विस्तारित फंड सुविधा कार्यक्रम के तहत काम कर रहा है। मार्च 2026 के अंत में, आईएमएफ ने पाकिस्तान के लिए लगभग 1.2 अरब डॉलर की अगली किस्त जारी करने पर सहमति जताई। चीन पाकिस्तान का सबसे बड़ा कर्जदाता है। चीन ने पाकिस्तान को लगभग 29 अरब डॉलर का कर्ज दिया है। इसके अलावा सऊदी अरब ने करीब 9.16 अरब डॉलर की वित्तीय सहायता और जमा राशि के रूप में मदद दी है।

प्रोफिट बाई पाकिस्तान के आंकड़ों के अनुसार, पाकिस्तान को अप्रैल 2026 में 1.3 अरब डॉलर के यूरोबॉन्ड का भुगतान भी करना है।

पाकिस्तानी मीडिया डॉन की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारी ने बताया कि अबू धाबी ने रकम तुरंत वापस करने की मांग की थी। अधिकारी ने कहा, 'यह रकम जल्द से जल्द वापस कर दी जाएगी।

ईरान ने एफ15 के बाद अमेरिका के ए10 युद्धक विमान को भी मार गिराया, लापता पायलट की तलाश

नई दिल्ली । अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष का आज 36 वां दिन है। अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार ये दावा कर चुके हैं कि ईरान के पास अब न एयरफोर्स बची है और न नेवी, लेकिन वार जोन में अमेरिका को हो रहे एक के बाद एक नुकसान कुछ और ही कहानी बयां कर रहे हैं। ईरान ने अमेरिकी युद्धक विमान एफ-15 को गिराए जाने के बाद एक और विमान ए-10 को हवा में मार गिराया। वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार, एफ-15ई जेट के ढेर होने के बाद पायलट को रेस्क्यू करने के लिए भेजे गए ब्लैक हॉक हेलीकॉप्टर को भी ईरान ने निशाना बनाया।

पहला प्लेन, दो सीटों वाला यूएस एफ-15ई जेट है, जिसे ईरान में मार गिराया गया। अमेरिकी मीडिया ने बताया कि अमेरिकन स्पेशल फोर्स ने इसके दो क्रू मेंबर में से एक को बचा लिया है, जबकि दूसरा अभी भी लापता है। अमेरिका को यह नुकसान शुक्रवार को पहुंचा। इसमें दो पायलट को रेस्क्यू किया गया, जबकि तीसरा अभी लापता है। वॉशिंगटन पोस्ट ने बताया कि अमेरिका का दूसरा प्लेन ए-10 वॉर्थोग फाइटर एयरक्राफ्ट ईरानी हमले का शिकार हुआ, जिसके बाद पायलट ने उसे कुवैत के हवाई क्षेत्र में लाकर खुद को इजेक्ट कर दिया।

वॉशिंगटन पोस्ट ने अमेरिकी अधिकारी के हवाले से बताया कि एफ-15ई के सर्च और रेस्क्यू की कोशिशों में शामिल दो अमेरिकी सैन्य हेलीकॉप्टर ईरानी फायरिंग की चपेट में आ गए। हालांकि, हेलीकॉप्टर में सवार अमेरिकी कर्मी घायल हो गए, लेकिन दोनों विमान सुरक्षित रूप से अपने अड्डे पर लौट आए।

व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट ने कहा कि प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप को इस बारे में बता दिया गया है। वहीं एनबीसी न्यूज से बात करते हुए अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि एफ-15 के नुकसान से ईरान के साथ बातचीत पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यह घटना ट्रंप के उस बयान के एक हफ्ते बाद हुई है जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान की सेना इस हद तक हार गई है कि हमारे प्लेन सचमुच तेहरान और उनके देश के दूसरे हिस्सों के ऊपर उड़ रहे हैं। उन्होंने कहा था, 'वे इसके बारे में कुछ नहीं कर सकते। एनबीसी न्यूज ने ईरान के सरकारी चैनल के हवाले से बताया कि ईरानी टेलीविजन रिपोर्टर ने कहा कि जो कोई भी अमेरिकी पायलट को जिंदा पकड़ेगा।

बुशहर परमाणु संयंत्र पर हमले से मास्को नाराजः बताया 'क्रूर कृत्य', रूसी कर्मियों की निकासी तेज

मास्को । ईरान के बुशहर न्यूक्लियर पावर प्लांट पर बढ़ते खतरे के बीच रूस ने जहां अपने कर्मियों की निकासी तेज कर दी है, वहीं इस संयंत्र पर हुए हमले की कड़ी निंदा भी की है। रूस की सरकारी परमाणु कंपनी 'रोसाटॉम' ने चेतावनी दी है कि हालात परमाणु दुर्घटना का जोखिम बढ़ा रहे हैं।

रूसी समाचार एजेंसियों के मुताबिक, रोसाटॉम ने शनिवार को संयंत्र से अपने अतिरिक्त 198 कर्मचारियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। यह प्रक्रिया फरवरी के अंत में ईरान में युद्ध शुरू होने के बाद से लगातार जारी है।

इस बीच, अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने जानकारी दी कि संयंत्र के सुरक्षा स्टाफ का एक सदस्य प्रोजेक्टाइल के टुकड़े लगने से मारा गया, जबकि एक इमारत को शॉकवेव और प्रोजेक्टाइल के मलबे की वजह से नुकसान पहुंचा। रोसाटॉम प्रमुख एलेक्सी लिखाचेव ने कहा कि संयंत्र के आसपास हालात 'बेहद खराब' दिशा की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मारा गया कर्मचारी ईरानी नागरिक था।

इसी बीच, रूस के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने बुशहर संयंत्र पर हुए हमले को 'दुष्टतापूर्ण कृत्य' करार देते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा, 'हम इस कृत्य की सख्ती से निंदा करते हैं, जिससे जानमाल का नुकसान हुआ है।

जखारोवा ने जोर देकर कहा कि ईरान के परमाणु ठिकानों, खासकर बुशेहर संयंत्र, पर हमले तुरंत रोके जाने चाहिए। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से भी इस दिशा में कदम उठाने की अपील की।

इससे पहले, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चेतावनी दी थी कि संयंत्र के पास अमेरिका और इजरायल के हमले न केवल ईरान बल्कि पूरे खाड़ी क्षेत्र के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं।

गौरतलब है कि इस हमले की जिम्मेदारी अब तक न तो अमेरिका और न ही इजरायली सेना ने ली है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि परमाणु संयंत्र को गंभीर नुकसान पहुंचता है, तो इसके दूरगामी पर्यावरणीय और मानवीय परिणाम हो सकते हैं, जिससे क्षेत्रीय अस्थिरता और बढ़ सकती है।

बुशहर न्यूक्लियर पावर प्लांट और पेट्रोकेमिकल्स हब पर हमले में एक की मौत, 5 घायल

तेहरान । ईरान की अर्ध-सरकारी मीडिया तस्नीम न्यूज एजेंसी के मुताबिक, शनिवार सुबह यूएस-इजरायली हमले में ईरान के बुशहर न्यूक्लियर पावर प्लांट को निशाना बनाया गया, जिसमें एक प्रोजेक्टाइल प्लांट के पास स्थित जमीन पर गिरा। पेट्रोकेमिकल्स हब 'महशहर' पर भी हमला हुआ, जिसमें पांच लोग घायल हो गए।

न्यूज एजेंसी ने बताया कि इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई और प्लांट से जुड़ी इमारतों को नुकसान हुआ। इसमें यह भी कहा गया कि पावर प्लांट के मुख्य हिस्से को कोई नुकसान नहीं हुआ है और ऑपरेशन पर कोई असर नहीं पड़ा है।

न्यूज एजेंसी ने दावा किया कि युद्ध शुरू होने के बाद से पावर प्लांट पर यह चौथा हमला था। हालांकि अमेरिका और इजरायल ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। वहीं, ईरानी पेट्रोकेमिकल्स हब पर हुई एयर स्ट्राइक में पांच लोगों के घायल होने की खबर है।

ईरानी मीडिया के मुताबिक, कुछ समय पहले दक्षिण-पश्चिम ईरान में पेट्रोकेमिकल हब पर इजरायली हवाई हमले हुए थे।

इजरायली मीडिया हाउस द टाइम्स ऑफ इजरायल ने सुरक्षा सूत्रों के हवाले से पुष्टि की कि हमले इजरायली एयर फोर्स ने किए थे। फार्स न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट है कि खुजेस्तान प्रांत में महशहर पेट्रोकेमिकल स्पेशल जोन की कई जगहों पर हमले हुए।

खुजेस्तान प्रांत के डिप्टी गवर्नर वलियोल्लाह हयाती ने फार्स को बताया कि तीन कंपनियों पर इसका असर पड़ा, जबकि तस्नीम न्यूज एजेंसी ने उनके हवाले से कहा कि 'नुकसान कितना हुआ है, यह अभी पता नहीं है।

उन्होंने आगे कहा कि हमलों में पांच लोग घायल हुए हैं, लेकिन यह तुरंत साफ नहीं है कि कोई मौत हुई है या नहीं।

पिछले हफ्ते ही 'द टाइम्स ऑफ इजरायल' ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया था कि देश राजनीतिक नेतृत्व ने आईडीएफ को ईरान में 'आर्थिक ठिकानों' पर हमला करने का निर्देश दिया, जिसका मकसद शासन को भारी आर्थिक तौर पर कमजोर करना था।

पाकिस्तान में ईंधन की बढ़ी कीमतों से मचा कोहराम, विपक्ष ने कहा 'इस्तीफा दे शरीफ सरकार'

इस्लामाबाद। ईरान और अमेरिका-इजरायल के बीच मध्यस्थता का दावा कर रहे पाकिस्तान के अंदरूनी हालात काबू से बाहर होते जा रहे हैं। पेट्रोल-डीजल की बढ़ोतरी से आवाम परेशान है। विपक्षी खेमे और सिविल सोसाइटी ग्रुप्स ने आवाम के हक में आवाज उठाते हुए शरीफ सरकार से इस्तीफे की डिमांड की है।

विपक्ष ने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार को हटाने की मांग जोरो शोरों से उठाई है।

विपक्षी पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के महासचिव, सलमान अकरम राजा ने शुक्रवार को सरकार को हटाने के लिए 'मास रेवोल्यूशन' (जन क्रांति) का आह्वान किया। उन्होंने फ्यूल की रिकॉर्ड कीमतों में बढ़ोतरी को 'गलत और अमीरों के हक में' बताया। वहीं, कट्टरपंथी इस्लामिक पार्टी, 'जमात-ए-इस्लामी पाकिस्तान' ने देश भर में विरोध प्रदर्शन करने का ऐलान किया। लाहौर प्रेस क्लब में मीडिया को संबोधित करते हुए, राजा ने फिक्र जताते हुए कहा कि देश 'बहुत बुरे दौर' में पहुंच गया है और 'आवाम को सत्ताधारी गठबंधन हटाने के लिए सड़कों पर उतरना होगा। पाकिस्तानी अखबार डॉन ने उनके हवाले से कहा, 'हमें क्रांति की जरूरत है और मौजूदा सरकार को गिराना भी है जिसने फॉर्म-47 के जरिए जनमत संग्रह छीनकर सत्ता हथिया ली है।' उन्होंने उन आधिकारिक निर्वाचन परिणाम फॉर्म का जिक्र किया जिनके बारे में उनकी पार्टी का दावा है कि 2024 के आम चुनावों के दौरान उनमें बड़े पैमाने पर हेरफेर किया गया था।

सरकार के इस दावे को खारिज करते हुए कि पेट्रोलियम की 'कीमतों में हालिया उछाल ग्लोबल तनाव के कारण आया है', राजा ने कहा, 'पेट्रोलियम की कीमतों में भारी बढ़ोतरी को यूएस-ईरान संघर्ष से जोड़ना बकवास है। उन्होंने पाकिस्तानी सरकार पर आरोप लगाया कि वह नागरिकों का शोषण कर रही है। वहीं, प्रशासनिक और सैन्य अधिकारियों के लिए लग्जरी गाड़ियों और दूसरे फायदों पर फिजूलखर्ची कर रही है। राजा ने कहा, 'किसी देश में लोकतंत्र सीधे तौर पर गरीबों, कमजोरों और बेजुबानों की मदद करती है, लेकिन यहां इसे जानबूझकर हड़प लिया गया, जनता का अधिकार छीन लिया गया और ट्रेड यूनियनों को चुप करा दिया गया। जहां किसी देश में सियासत जिंदा नहीं रहती, वहां कमजोर और गरीब अपनी आवाज नहीं उठा पाते। इस बीच, एक अन्य भाषण में, जमात-ए-इस्लामी के नेता हाफिज नईमुर रहमान ने फ्यूल की कीमतों में बढ़ोतरी के खिलाफ पूरे देश में विरोध प्रदर्शन का ऐलान किया और धमकी दी कि अगर सरकार अपना फैसला वापस नहीं लेती है तो बेमियादी हड़ताल होगी और लोग धरने पर बैठेंगे। डॉन ने लाहौर में एक सम्मेलन के दौरान रहमान के हवाले से कहा, 'सरकार को तुरंत इस बेरहम और अतार्किक बढ़ोतरी को वापस लेना चाहिए या पूरे देश में आंदोलन होगा।

मिडिल ईस्ट संघर्ष की वजह से कंबोडिया में डीजल की कीमत दोगुनी से ज्यादा हुई : सरकार

नोम पेन्ह। मिडिल ईस्ट में जारी संघर्ष की वजह से तेल संकट की गहरी समस्या देखने को मिल रही है। तेल संकट की वजह से इसकी कीमतों में भी भारी उछाल देखने को मिल रहा है। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि मध्य पूर्व संघर्ष शुरू होने के बाद से कंबोडिया में डीजल की कीमत दोगुनी से ज्यादा हो गई है।

शुक्रवार रात को एक घोषणा में, मंत्रालय ने कहा कि एक लीटर डीजल की कीमत अब 8,100 रीएल (2.03 डॉलर) है, जो फरवरी के आखिर में 3,850 रीएल (0.96 डॉलर) से 110 फीसदी ज्यादा है।

इस बीच, घोषणा के मुताबिक, रेगुलर गैसोलीन की कीमत अब 5,500 रीएल (1.37 डॉलर) प्रति लीटर है, जो फरवरी के आखिर में 3,850 रीएल (0.96 डॉलर) से 42.8 फीसदी ज्यादा है। इसके साथ ही, लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की कीमत 3,900 रीएल (0.97 डॉलर) प्रति लीटर हो गई है, जो फरवरी के आखिर में 2,000 रीएल (0.50 डॉलर) से 95 फीसदी ज्यादा है।

न्यूज एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, फ्यूल की बढ़ती कीमतों के असर को कम करने के लिए, सरकार ने 20 मार्च को फ्यूल प्रोडक्ट्स पर इंपोर्ट ड्यूटी और टैक्स कम कर दिए। इसके अलावा, 28 मार्च को, सरकार ने इलेक्ट्रिक गाड़ियों, पैसेंजर प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक गाड़ियों, इलेक्ट्रिक स्टोव और सोलर पावर्ड डिवाइस पर इंपोर्ट ड्यूटी कम करने का फैसला किया। यह साउथ-ईस्ट एशियाई देश पूरी तरह से इंपोर्टेड पेट्रोलियम और डीजल पर निर्भर है, क्योंकि इसके समुद्र तल के तेल भंडार का अभी तक इस्तेमाल नहीं हुआ है।

इससे पहले सिविल एविएशन प्रवक्ता ने कहा था कि 31 मार्च को, कंबोडिया से आने-जाने वाली 36 में से 18 एयरलाइंस ने मिडिल ईस्ट संघर्ष के कारण फ्यूल की बढ़ती कीमतों के कारण अपने एयर टिकट के दाम बढ़ा दिए थे। सेक्रेटरी ऑफ स्टेट और स्टेट सेक्रेटेरिएट ऑफ सिविल एविएशन के प्रवक्ता सिन चांसेरी वुथा ने कहा कि एयरलाइंस ने फ्लाइट की दूरी के आधार पर अपने बेसिक हवाई किराए पर फ्यूल सरचार्ज जोड़ा है। उन्होंने एक न्यूज रिलीज में कहा कि चार घरेलू एयरलाइनों ने अपने हवाई किराए में औसतन लगभग 21 डॉलर की बढ़ोतरी की है, जबकि विदेशी एयरलाइनों ने अपने हवाई किराए में औसतन लगभग 28 डॉलर की बढ़ोतरी की है।

बंगाल में भय और भ्रष्टाचार की राजनीति का अंत करने का समय आया : रेखा गुप्ता

खड़गपुर । खड़गपुर से भाजपा उम्मीदवार दिलीप घोष के नामांकन से पहले शहरह में रैली निकाली गई। रैली में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और सुवेंदु अधिकारी भी शामिल हुए। रैली वाहन से रेखा गुप्ता और सुवेंदु अधिकारी ने जनता को संबोधित करते हुए उत्साह भरा। इसके साथ ही ममता बनर्जी पर जमकर तंज कसा।

इस दौरान बंगाल में घुसपैठियों को हटाने के सवाल पर रेखा गुप्ता ने कहा, 'यह पूरे देश और पश्चिम बंगाल की सुरक्षा का सवाल है। पश्चिम बंगाल के संसाधनों का अब उपयोग घुसपैठियों को नहीं करने दिया जाएगा। बंगाल में भय और भ्रष्टाचार की राजनीति का अंत करने का समय आ गया है। विकास और विश्वास की राजनीति अब बंगाल में नरेंद्र मोदी के हाथों में होगी। बंगाल की जनता ने ठान लिया है कि इस बार मोदी सरकार और ममता दीदी को बंगाल से बाहर कर देना चाहिए। यह चिंता और खेद का विषय है कि महिला मुख्यमंत्री होने के बावजूद जिस तरह से इस शहर ने वर्षों तक अपमान सहा है, यहां की महिलाओं को कभी सम्मान या अधिकार नहीं मिला है।

विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा, 'पूरे बंगाल में एक ही लहर है। दार्जिलिंग से लेकर दीघा तक, कूचबिहार से लेकर काकदीप तक, हर जगह एक ही लहर है। लोग बदलाव चाहते हैं। बदलाव हो रहा है। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनने जा रही है। टीएमसी गुंडों की पार्टी है। टीएमसी सभी माओवादी चरमपंथियों और राष्ट्रविरोधी ताकतों को संरक्षण देती है। रैली में शामिल भाजपा नेता श्रीनाथ सिन्हा ने कहा, 'खड़गपुर के नेता दिलीप घोष आज फिर से अपना नामांकन दाखिल कर रहे हैं। इसको लेकर न केवल हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं में बल्कि आम जनता में भी उत्साह और जोश साफ दिखाई दे रहा है। जैसे-जैसे रैली आगे बढ़ेगी, आपको दोनों तरफ यही जोश देखने को मिलेगा। एक बार फिर, खड़गपुर की जनता दिलीप घोष के नामांकन का गर्मजोशी से स्वागत कर रही है।

पीएमएलए केस में जवाद अहमद सिद्दीकी की न्यायिक हिरासत 17 अप्रैल तक बढ़ी

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में अल-फलाह यूनिवर्सिटी ग्रुप के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी की जमानत याचिका शनिवार को साकेत कोर्ट ने खारिज कर दी है। कोर्ट ने सिद्दीकी को 17 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े मामले में अल-फलाह यूनिवर्सिटी के चेयरमैन जवाद अहमद सिद्दीकी की पुलिस हिरासत खत्म होने के बाद उन्हें कोर्ट में एएसजे शीतल चौधरी प्रधान के सामने पेश किया गया। जांच एजेंसी की तरफ से कहा गया कि अभी जवाद अहमद सिद्दीकी के खिलाफ जांच चल रही है और सबूत एकत्रित करने के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा जाए। जिसके बाद कोर्ट ने हिरासत में भेज दिया। जवाद को प्रवर्तन निदेशालय ने 24 मार्च को तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। यह उनके खिलाफ दर्ज दूसरा मनी लॉन्ड्रिंग का मामला है।

बता दें कि यह कार्रवाई अल फलाह चैरिटेबल ट्रस्ट, अल-फलाह यूनिवर्सिटी और उनसे संबद्ध संस्थाओं से जुड़ी मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के तहत की गई है। अल-फलाह ग्रुप की जांच 10 नवंबर को दिल्ली के लाल किले के पास हुए धमाके से जुड़े मामले में भी चल रही है। ईडी के अनुसार, एजेंसी पहले ही 17 जनवरी को जवाद अहमद सिद्दीकी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल कर चुकी थी। अब तक की जांच में सामने आया है कि जमीन को धोखाधड़ी से हासिल करने के लिए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल किया गया। एजेंसी का आरोप है कि सिद्दीकी ने कुछ अन्य लोगों के साथ मिलकर फर्जी कागज तैयार करवाए और उनके जरिए दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के मदनपुर खादर गांव में स्थित खसरा नंबर 792 की जमीन को अवैध तरीके से अपने नाम कराया। यह जमीन करीब 1.146 एकड़ ह।

संक्षिप्त खबर

सीएम स्टालिन ने 'थ्री लैंग्वेज पॉलिसी' को बताया हिंदी थोपने की कोशिश

चेन्नई । तमिलनाडु में एक बार फिर भाषा का मुद्दा गरमा गया है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्र सरकार और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) को घेरते हुए 'थ्री-लैंग्वेज पॉलिसी' को छुपे रूप में हिंदी थोपने की कोशिश बताया। दरअसल, केंद्र सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत 2026-27 सत्र से कक्षा 6 से तीन भाषा फॉर्मूला लागू करने का प्रस्ताव है। तमिलनाडु ने हमेशा से अनिवार्य हिंदी का विरोध किया है और अब इस मुद्दे पर राज्य व केंद्र के बीच टकराव तेज हो गया है।

सीएम स्टालिन ने अपने बयान में कहा कि यह कोई सामान्य शिक्षा सुधार नहीं है बल्कि राजनीतिक मकसद से उठाया गया कदम है, जो भारत की भाषाई विविधता को कमजोर करता है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार धीरे-धीरे हिंदी को अन्य क्षेत्रीय भाषाओं पर प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा, 'यह तीन-भाषा नीति दरअसल गैर-हिंदी भाषी राज्यों में हिंदी को बढ़ावा देने की कोशिश है। दक्षिण भारत के छात्रों के लिए यह सीधे-सीधे अनिवार्य हिंदी है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने सवाल उठाया कि क्या हिंदी भाषी राज्यों के छात्रों को भी तमिल, तेलुगु, कन्नड़, मलयालम, बंगाली या मराठी सीखना अनिवार्य किया जाएगा। उन्होंने इसे दोहरा मापदंड करार देते हुए कहा कि केंद्र ने केंद्रीय विद्यालय में तमिल को अनिवार्य नहीं किया और न ही पर्याप्त तमिल शिक्षकों की नियुक्ति की है।

उन्होंने कहा कि इस नीति को लागू करने के लिए न तो पर्याप्त ढांचा तैयार है और न ही प्रशिक्षित शिक्षक उपलब्ध हैं। उन्होंने सवाल किया कि क्या केंद्र ने जमीनी हकीकत (जैसे शिक्षकों की कमी और संस्थागत क्षमता) का सही आकलन किया है।

सीएम स्टालिन ने चेतावनी दी कि यह नीति राज्यों के बीच असमानता बढ़ा सकती है और हिंदी भाषी छात्रों को उच्च शिक्षा और रोजगार में बढ़त दे सकती है। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा सिर्फ भाषा का नहीं बल्कि संघवाद, समानता और अवसरों की बराबरी का है।

उन्होंने कहा कि आज के समय में छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एनीमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग और कॉमिक्स जैसे आधुनिक क्षेत्रों में कौशल की जरूरत है। ऐसे में अतिरिक्त भाषा का बोझ उनके विकास में बाधा बन सकता है। सीएम स्टालिन ने इसे सहकारी संघवाद के खिलाफ और देश की भाषाई पहचान के लिए अपमानजनक कदम बताया।

'शिक्षा ही भविष्य की असली ताकत', सीएम योगी ने काशी से की 'स्कूल चलो' अभियान की शुरुआत

वाराणसी । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को काशी से प्रदेशव्यापी 'स्कूल चलो अभियान' का शुभारंभ किया और बुनियादी शिक्षा को लेकर सरकार की प्राथमिकता को स्पष्ट किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शिक्षा ही भविष्य की असली ताकत होती है।

वाराणसी के शिवपुर स्थित कंपोजिट विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बच्चों के बीच पहुंचे तो माहौल उत्साह से भर उठा। उन्होंने बच्चों को अपने हाथों से स्कूल बैग पहनाया, किताबें वितरित कीं और उनसे आत्मीय संवाद किया। इस दौरान उन्होंने पांच 'निपुण विद्यार्थियों' को सम्मानित किया और कई कक्षाओं के छात्रों को पाठ्य सामग्री प्रदान की। मुख्यमंत्री ने नए शैक्षिक सत्र 2026-27 के लिए 'स्कूल चलो अभियान' की शुरुआत करते हुए शैक्षिक नवाचार और उपलब्धियों की पुस्तिका का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री नहीं, बल्कि इंसान को बेहतर मनुष्य बनाने का माध्यम है। उन्होंने जनपद के पांच 'निपुण विद्यालयों' के प्रधानाध्यापकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले शिक्षा व्यवस्था उपेक्षित थी और नकल की प्रवृत्ति हावी थी, लेकिन अब प्रदेश में पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का माहौल बना है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्कूली शिक्षा पर 80 हजार करोड़ रुपये से अधिक खर्च कर रही है और इसका उद्देश्य हर बच्चे को बेहतर अवसर देना है। उन्होंने शिक्षकों को शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ बताते हुए कहा कि उनके समर्पण से ही 'ऑपरेशन कायाकल्प' जैसे अभियान सफल हुए हैं और स्कूलों की तस्वीर बदली है। मुख्यमंत्री ने समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे 'स्कूल चलो अभियान' से जुड़कर हर बच्चे को स्कूल तक पहुंचाने में सहयोग करें। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया और उनके प्रोजेक्ट्स की सराहना की, जिससे बच्चों का उत्साह और बढ़ाया। बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने 'स्कूल चलो अभियान' के महत्व को समझाया। कहा कि यह अभियान 6 से 14 वर्ष की आयु के प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जोड़ने और उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए है। मंत्री ने उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पिछले नौ

चुनाव आयोग की डिजिटल पहल: ईसीआईनेट से मतदाताओं को मिलेगी उम्मीदवारों की पूरी जानकारी

नई दिल्ली। आम चुनाव और उप-चुनाव 2026 में ईसीआईनेट प्लेटफॉर्म का उपयोग कर मतदाता उम्मीदवार की शैक्षणिक योग्यता और आपराधिक पृष्ठभूमि के बारे में जानकारी प्राप्?त कर सकते हैं। ईसीआईनेट को चुनाव आयोग की एक महत्वपूर्ण डिजिटल पहल के रूप में देखा जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने 15 मार्च को असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल की विधानसभाओं के आम चुनावों के साथ-साथ गोवा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, नगालैंड और त्रिपुरा के आठ विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनावों का कार्यक्रम घोषित किया है।

इस चुनावी कार्यक्रम के तहत असम, केरल और पुडुचेरी सहित चार राज्यों में होने वाले उपचुनावों में कुल 1,955 उम्मीदवार मैदान में हैं, जहां 9 अप्रैल को मतदान कराया जाएगा।

वहीं तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में चुनावी गतिविधियां तेज हो चुकी हैं, जहां नामांकन प्रक्रिया जारी है और उम्मीदवारों के नाम वापस लेने की अंतिम तिथि क्रमश: 9 अप्रैल (तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल चरण-I) तथा 13 अप्रैल (पश्चिम बंगाल चरण-II) निर्धारित की गई है। चुनावों में पारदर्शिता बढ़ाने और मतदाताओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से चुनाव आयोग ने ईसीआईनेट प्लेटफॉर्म को प्रमुखता से लागू किया है।

इस प्लेटफॉर्म के 'नो योर कैंडिडेट (केवाईसी)' मॉड्यूल के माध्यम से मतदाता अपने क्षेत्र के उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता, आपराधिक पृष्ठभूमि, संपत्तियों और देनदारियों के साथ-साथ उनके आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स की जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, उम्मीदवारों द्वारा जमा किए गए शपथ पत्र (फॉर्म 26) को डाउनलोड करने की सुविधा भी उपलब्ध है, जिससे मतदाता उम्मीदवारों की विस्तृत प्रोफाइल का अध्ययन कर सकते हैं।

ईसीआईनेट को चुनाव आयोग की एक महत्वपूर्ण डिजिटल पहल के रूप में देखा जा रहा है, जो 40 से अधिक ऐप्स और पोर्टल्स को एकीकृत कर सभी चुनावी सेवाओं को एक ही मंच पर उपलब्ध कराता है।

इस प्लेटफॉर्म के जरिए मतदाता पंजीकरण, मतदाता सूची में नाम खोजने, अपने आवेदन की स्थिति ट्रैक करने, चुनाव अधिकारियों से संपर्क करने, बीएलओ के साथ कॉल बुक करने और ई-ईपीआईसी डाउनलोड करने जैसी सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

केरल विधानसभा चुनाव : नेय्यत्तिनकारा में जेपी नड्डा ने किया रोड शो, कहा- सोना तस्करी के दोषियों को जेल भेजकर दम लेंगे

तिरुवनंतपुरम। जैसे-जैसे केरल में विधानसभा चुनावों की तारीखें पास आ रही हैं, वैसे-वैसे राजनीतिक दल प्रचार में पूरी तेजी पर हैं। केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने भी शनिवार को नेय्यत्तिनकारा में मेगा रोड शो कर भाजपा प्रत्याशी के लिए वोट मांगा।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, 'लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) यहां एक-दूसरे से लड़ते हैं लेकिन दिल्ली में संसद में वे गठबंधन सहयोगी बनते हैं। दोनों ही दल पूरी तरह भ्रष्ट हैं। जब मैं भ्रष्टाचार की बात करता हूं तो सोना तस्करी मामले का जिक्र करना स्वाभाविक है।

उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इसमें मुख्यमंत्री के सहयोगी, परिवार के लोग, अफसर भी शामिल हैं। समय दूर नहीं है, आप हमें जनादेश दीजिए, हम इन सारे दोषियों को सजा दिलाएंगे।

जेपी नड्डा ने कहा, 'हमें अपना जनादेश दीजिए और हम इन सभी दोषियों को कानून के कटघरे में खड़ा करेंगे। पिछले पंद्रह वर्षों से, इन्होंने देश के सोने को भी नहीं बख्शा है। ये तथाकथित 'संयुक्त समूह' लोगों को, देश की संपत्ति को और यहां तक कि देश के पवित्र सोने को भी लूटते रहे हैं। अपनी पार्टी की ओर से, मैं आपको यह आश्वासन देता हूँ। यदि आप अपने जनादेश के साथ हमें सत्ता में लाते हैं, तो हम यह सुनिश्चित करेंगे कि गलत काम में शामिल हर व्यक्ति और हर पार्टी को न्याय के कटघरे में लाया जाए। उन्हें जेल जाना ही पड़ेगा।'

उन्होंने कहा, 'मुझे एस. राजशेखरन नायर के रोडशो में शामिल होने का मौका मिला और यहां मैंने जो उत्साह और भागीदारी देखी, उससे मुझे बहुत खुशी हुई। इससे मुझे यह भी यकीन हो गया है कि आप एस. राजशेखरन नायर को विधानसभा भेजने के लिए पूरी तरह से दृढ़ हैं। जब हम चुनावों की बात करते हैं, तो हमें सबसे पहले यह समझना होगा कि एलडीएफ और यूडीएफ एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

उन्होंने कहा कि कई सालों से, वे 'म्यूजिकल चेयर्स' के खेल की तरह आपस में सत्ता की अदला-बदली करते आ रहे हैं। ये दोनों ही पार्टियां भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद, प्रशासनिक अक्षमता और जन-विरोधी नीतियों के लिए जानी जाती हैं।

टीवीके नेता विजय का पुडुचेरी में प्रचार, रैली में सिर्फ 5 हजार लोगों को शामिल होने की अनुमति

पुडुचेरी। विधानसभा चुनाव में कुछ ही दिन शेष रहने के साथ ही केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में राजनीतिक गतिविधियां चरम पर पहुंच गई हैं। ऐसे में तमिलगा वेट्ट्री कज़गम (टीवीके) के नेता विजय आज यानी शनिवार को प्रचार करने पहुंचे हैं। विजय की रैली मतदान दिवस से पहले मतदाताओं को लामबंद करने के लिए क्षेत्रीय नेताओं के अंतिम महत्वपूर्ण प्रयासों में से एक है और इसमें भारी भीड़ जुटने की उम्मीद है, जिससे पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरेगा।

पुडुचेरी की 30 विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान 9 अप्रैल को निर्धारित है और मतगणना 4 मई को होगी। कुल 294 उम्मीदवार मैदान में हैं, जो अंतिम समय में समर्थन हासिल करने के लिए सक्रिय रूप से निर्वाचन क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं और मतदाताओं से संपर्क साध रहे हैं। प्रमुख नेता अपनी पार्टियों की संभावनाओं को मजबूत करने के लिए अपने प्रचार अभियान को तेज कर रहे हैं। टीवीके के महासचिव एन. आनंद ने पार्टी के एक्स हैंडल पर लिखा है, 'चुनाव आयोग ने शनिवार को तीन स्थानों पर विजय के चुनाव प्रचार कार्यक्रमों के आयोजन की अनुमति दे दी है। प्रचार कार्यक्रम थट्टनचावड़ी मार्केट कमेटी क्षेत्र में सुबह 10:00 बजे से 11:00 बजे तक चलेगा। इसके बाद कुड्डालोर रोड मॉल के पास सुबह 11:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक रैली होगी। अंत में थवलकुप्पम जंक्शन पर दोपहर 12:00 बजे से 1:00 बजे तक जनसभा होगी।

पार्टी ने कहा है कि चुनाव प्रचार के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पेयजल और चिकित्सा सुविधाओं सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं कर ली गई हैं। चुनाव आयोग द्वारा जारी सख्त दिशानिर्देशों का पूरे कार्यक्रम के दौरान पालन किया जाएगा। नियमों के अनुसार, पार्टी नेता के प्रचार वाहन के पीछे दोपहिया वाहनों सहित किसी भी वाहन को चलने की अनुमति नहीं होगी। इसके अलावा, प्रत्येक कार्यक्रम में भाग लेने वालों की संख्या 5,000 तक सीमित कर दी गई है।

एनसीआर में 8 अप्रैल तक बिगड़ा रहेगा मौसम, तेज हवाएं, बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को नुकसान

नोएडा । एनसीआर में इन दिनों मौसम का मिजाज पूरी तरह बदला हुआ नजर आ रहा है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण क्षेत्र में लगातार बादल छाए हुए हैं, तेज हवाएं चल रही हैं और कई जगहों पर बारिश के साथ ओलावृष्टि भी दर्ज की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार यह अस्थिर स्थिति 8 अप्रैल तक बनी रह सकती है, जिससे आम जनजीवन के साथ-साथ किसानों की चिंता भी बढ़ गई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के ताज़ा पूर्वानुमान के अनुसार 4 अप्रैल को नोएडा क्षेत्र में न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

दिनभर आसमान में बादल छाए रहने और बीच-बीच में बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना जताई गई है। 5 और 6 अप्रैल को मौसम कुछ हद तक साफ रहने की संभावना है, जहां तापमान 32 से 33 डिग्री तक पहुंच सकता है, लेकिन इसके बाद 7 और 8 अप्रैल को फिर से आंशिक बादल छाने और बारिश या गरज-चमक के साथ बौछारों का दौर लौट सकता है। वहीं, वायु गुणवत्ता की बात करें तो एनसीआर में प्रदूषण का स्तर भी मध्यम से खराब श्रेणी में बना हुआ है। दिल्ली के आनंद विहार क्षेत्र में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) 250 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। अशोक विहार में एक्यूआई 180, बवाना में 143, चांदनी चौक में 156 और कैंटोनमेंट क्षेत्र में 193 दर्ज किया गया है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में स्थिति अपेक्षाकृत बेहतर भी रही, जैसे डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में एक्यूआई 73 दर्ज किया गया, जो 'संतोषजनक' श्रेणी में आता है। नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में भी वायु गुणवत्ता मध्यम से खराब स्तर पर बनी हुई है। सेक्टर-125 में एक्यूआई 195, सेक्टर-62 में 181, सेक्टर-1 में 208 और सेक्टर-116 में 199 दर्ज किया गया है।

समुद्र में रंगों का अनोखा खेल, जलवायु के लिए क्यों जरूरी है 'फाइटोप्लांकटन'

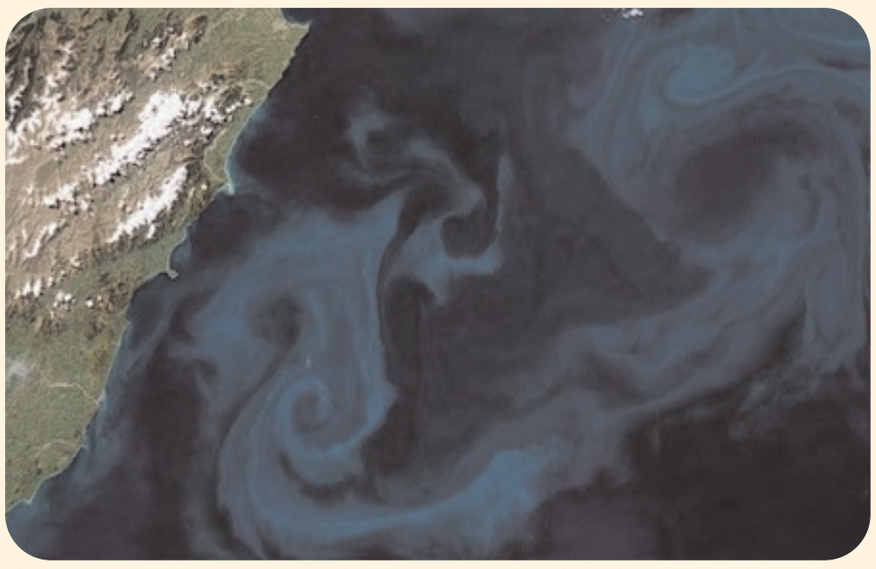

नई दिल्ली। समुंद्र हो या पहाड़ पृथ्वी का कोना-कोना अपने अंदर रहस्य को सिमेटे हुए है। ऐसा ही रहस्य है समुद्र में रंगों के अनोखे खेल का अद्भुत नजारा दिखाता फाइटोप्लांकटन ब्लूम।

जून 2025 में स्कॉटलैंड के शेटलैंड द्वीपों के पास उत्तरी सागर का पानी अचानक रंग-बिरंगा हो उठा। हरे और नीले रंगों का यह अद्भुत नजारा फाइटोप्लांकटन नामक सूक्ष्म जीवों के भारी ब्लूम की वजह से था। ये इतने छोटे होते हैं कि नंगी आंख से दिखाई नहीं देते, लेकिन जब इनकी संख्या अचानक बहुत बढ़ जाती है तो सैटेलाइट से भी साफ दिखने लगते हैं। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के लैंडसैट- 9 उपग्रह पर लगे ओएलआई-2 कैमरे ने 13 जून 2025 को एक तस्वीर खींची, जिसमें ब्लूम का हिस्सा करीब 160 किलोमीटर चौड़ा था। सैटेलाइट से ली गई तस्वीरों में पानी हरा और कुछ जगहों पर नीला, सफेद नजर आ रहा था। वैज्ञानिकों के अनुसार, हरे रंग ज्यादातर डायटम नामक फाइटोप्लांकटन की वजह से थे। डायटम में सिलिका के खोल होते हैं और इनमें क्लोरोफिल बहुत ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। ये वसंत ऋतु में खूब पनपते हैं, लेकिन कभी-कभी गर्मियों में भी दिख जाते हैं। इस ब्लूम में कोकोलिथोफोर नामक फाइटोप्लांकटन भी शामिल थे, इनके कवच पर चमकदार कैल्शियम कार्बोनेट की छोटी-छोटी प्लेट होती हैं, जो पानी को दूधिया या फिरोजी नीला रंग दे देती हैं। यह प्रजाति उत्तरी सागर में आम है और पहले भी 2021 में स्कॉटलैंड के तटीय इलाकों में ऐसी घटना देखी गई थी। सबसे पहले सरल तरीके से समझने की जरूरत है कि फाइटोप्लांकटन क्या हैं? यह ग्रीक शब्द 'फाइटो' (पौधा) और 'प्लैंकटन' (भटकने वाला) से मिलकर बना यह नाम सूक्ष्म जीवों के लिए इस्तेमाल होता है। ये खारे और मीठे पानी दोनों जगह रहते हैं। इनमें सायनोबैक्टीरिया, डायटम, डिनोफ्लैजेलेट्स, हरे शैवाल और कोकोलिथोफोर शामिल हैं। ज्यादातर एककोशिकीय होते हैं। ये स्थलीय पौधों की तरह सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा बनाते हैं, जिसे प्रकाश संश्लेषण कहते हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड सोखते हैं और ऑक्सीजन छोड़ते हैं। इनकी वृद्धि के लिए सूर्य का प्रकाश, कार्बन डाइऑक्साइड और नाइट्रेट, फॉस्फेट, सिलिकेट जैसे पोषक तत्व जरूरी होते हैं। कुछ प्रजातियां नाइट्रोजन को स्थिर भी कर सकती हैं। अनुकूल मौसम में इनकी संख्या में विस्फोटक वृद्धि होती है, जिसे ब्लूम कहते हैं। यह सैकड़ों वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैल सकता है और कई हफ्तों तक रह सकता है, हालांकि हर जीव का जीवनकाल सिर्फ कुछ दिन का होता है। फाइटोप्लांकटन समुद्री खाद्य शृंखला की नींव हैं। ये प्राथमिक उत्पादक हैं जो छोटे जूप्लैंकटन से लेकर विशाल व्हेल तक सभी जीवों को भोजन मुहैया कराते हैं।

तन और मन दोनों को शीतलता देती है ककड़ी, गर्मियों में खुद को रखें बीमारियों से कोसों दूर

नई दिल्ली। गर्मियों के मौसम में जब गर्मी और लू से परेशानी बढ़ जाती है, तब ककड़ी सबसे अच्छा और सस्ता उपाय साबित होती है। यह न सिर्फ शरीर और मन को ठंडक पहुंचाती है बल्कि कई बीमारियों से बचाव में भी कारगर होती है। ककड़ी को 'शीतल फल' भी कहा जाता है क्योंकि इसमें 95 प्रतिशत से ज्यादा पानी होता है। गर्मियों में हेल्थ एक्सपर्ट ककड़ी के सेवन का सुझाव देते हैं, जिससे गर्मी संबंधित समस्याएं दूर रहती हैं और तन के साथ मन को भी कई फायदे मिलते हैं। ककड़ी शरीर में पानी की कमी दूर करती है। गर्मियों में पसीना ज्यादा आने से शरीर डिहाइड्रेट हो जाता है। ककड़ी खाने से शरीर को प्राकृतिक तरीके से पानी मिलता है। यह पानी, इलेक्ट्रोलाइट्स और खनिजों से भरपूर होती है, जो पूरे दिन एनर्जी बनाए रखती है। गर्मी और लू से बचाव में मददगार है। ककड़ी का सेवन शरीर का तापमान नियंत्रित रखता है। गर्मी में लू लगने की आशंका कम हो जाती है। इसे सलाद, रायता या जूस के रूप में लिया जा सकता है।

वजन घटाने में भी ककड़ी सहायक है। ककड़ी में कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। इसमें फाइबर भरपूर होता है, जो भूख को कंट्रोल करता है। जो लोग वजन कम करना चाहते हैं, उनके लिए ककड़ी रोजाना का आहार बन सकती है। यही नहीं ककड़ी के सेवन से पाचन शक्ति मजबूत होती है। ककड़ी पाचन तंत्र को सुधारती है। इसमें मौजूद फाइबर कब्ज की समस्या को दूर करता है और गैस व ब्लोटिंग से राहत देता है।

नियमित सेवन से पेट स्वस्थ रहता है। यह त्वचा के लिए भी फायदेमंद है। ककड़ी त्वचा को साफ और चमकदार बनाती है। इसमें मौजूद पानी और एंटीऑक्सीडेंट्स त्वचा की सूजन कम करते हैं। गर्मियों में चेहरे पर ककड़ी के टुकड़े रखने से ठंडक मिलती है और सनबर्न से बचाव होता है।

गैजेट रेडिएशन से सुरक्षा है बेहद जरूरी, बच्चों का मानसिक विकास हो सकता है प्रभावित

नई दिल्ली। आज की जीवनशैली में सारा काम गैजेट पर निर्भर हो गया है। हर वक्त हमेशा गैजेट से घिरे रहते हैं, बात चाहे ऑफिस की हो या फिर घर की।

घर पर टीवी, एसी और फोन और ऑफिस में लगातार कंप्यूटर या फिर लैपटॉप के सामने बैठना ही पड़ता है। ऐसे में गैजेट रेडिएशन से शरीर को कई तरह के नुकसान होते हैं, जो दिखते नहीं हैं लेकिन शरीर को अंदर से हानि पहुंचाते हैं। आज के समय में रेडिएशन से सुरक्षा बड़ा मुद्दा बन चुका है। आज हम आपको गैजेट रेडिएशन से सुरक्षा के बारे में बताएंगे। आज के समय में मोबाइल, लैपटॉप और वाई-फाई हमारे जीवन का हिस्सा बन चुके हैं। लेकिन इनका ज्यादा और गलत इस्तेमाल शरीर पर असर डाल सकता है। थोड़ी सावधानी अपनाकर आप खुद और अपने परिवार को सुरक्षित रख सकते हैं। अगर आप लैपटॉप पर काम करते हैं तो हमेशा माउस और कीबोर्ड का इस्तेमाल करें। इससे शरीर के बीच में एक सीमित दूरी बन जाती है और रेडिएशन का असर कम हो जाता है।

दूसरा, लैपटॉप को गोद में रखकर काम करने से बचें; हमेशा टेबल का इस्तेमाल करें। इससे रेडिएशन सीधा शरीर को नहीं छूती। अपने और मेज के बीच में हमेशा एक फीट की दूरी बनाकर रखें। इससे आंखें और शरीर दोनों ही स्वस्थ रहेंगे। इसके साथ ही, फोन को भी हमेशा खुद से सटाकर न रखें। अक्सर लोग फोन को पॉकेट में रखते हैं और सोते वक्त भी अपने पास रखते हैं। इससे दिल और दिमाग दोनों को क्षति पहुंचती है। अगर घर पर वाई-फाई लगता है तो कोशिश करें कि वाई-फाई के राउटर को बाहर लगवाने की कोशिश करें। इससे घर में रेडिएशन का स्तर कम होगा और हवा भी साफ रहेगी।

राउटर से निकलने वाली किरणें नींद में खलल डालती हैं और इससे मस्तिष्क की नसों पर भी हानिकारक प्रभाव पड़ता है।

सोते समय कोशिश करें कि फोन को एयरप्लेन मोड पर रखें। ऐसा करने से रेडिएशन का स्तर काफी हद तक कम हो जाता है। इसके साथ ही कोशिश करें कि बच्चों को गैजेट से दूर रखें। गैजेट के इस्तेमाल से बच्चों का मानसिक स्तर कमजोर होता है और विकास में भी बाधा होती है।

आर्टेमिस II मिशनः आधी सदी बाद चंद्रमा के करीब पहुंचा मानव मिशन, अंतरिक्ष से दिखा धरती का अद्भुत नजारा

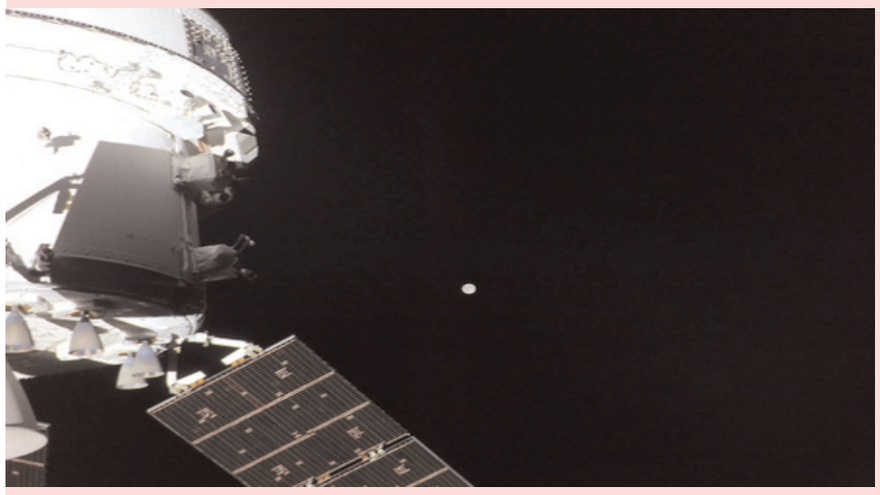

नई दिल्ली। नासा के आर्टेमिस II मिशन पर गए अंतरिक्ष यात्रियों ने चांद के पास पहुंचते हुए धरती की बेहद शानदार और मनमोहक तस्वीरें भेजी हैं।

कमांडर रीड वाइजमैन द्वारा ली गई एक तस्वीर में पृथ्वी का घुमावदार हिस्सा ओरियन कैप्सूल की खिड़की से नजर आ रहा है। दूसरी तस्वीर में पूरी धरती दिखाई दे रही है, जिसमें महासागर, सफेद बादल और हरी रोशनी वाली ऑरोरा साफ नजर आ रही है।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह पिछले आधे से ज्यादा सदी में पहली बार है जब इंसान चंद्रमा के इतने करीब पहुंचा है।

नासा ने एक्स पर तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'आर्टेमिस II क्रू द्वारा ली गई इस तस्वीर में धरती पर इंसानी गतिविधियों की रोशनी दिखाई दे रही है। नीचे की ओर सूर्य की रोशनी धरती के किनारे को रोशन कर रही है।

पहली तस्वीर में ज्यादा शटर स्पीड के कारण धरती से आने वाली रोशनी ज्यादा कैद हुई, जबकि दूसरी तस्वीर में कम शटर स्पीड के जरिए रात में चमकती धरती को बेहतर तरीके से दिखाया गया है।

एक अन्य तस्वीर में धरती पर दिन और रात के बीच की साफ सीमा दिखाई देती है, जिसे 'टर्मिनेटर' कहा जाता है।

नासा ने इस तस्वीर के साथ लिखा, 'चाहे हम जाग रहे हों या सपने देख रहे हों, हम सभी इसी ग्रह पर साथ हैं।

एक्सप्लोरेशन सिस्टम लीडर लकीशा हॉकिन्स ने कहा, 'यह सोचकर अच्छा लगता है कि हमारे चार अंतरिक्ष यात्रियों को छोड़कर इस तस्वीर में हम सभी शामिल हैं।' उन्होंने यह भी बताया कि मिशन अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है।

शुक्रवार देर शाम तक नासा के अंतरिक्ष यात्री धरती से करीब 1,80,000 किलोमीटर दूर पहुंच चुके थे, और चंद्रमा के पास पहुंचने के लिए उन्हें अभी करीब 2,40,000 किलोमीटर और यात्रा करनी है, जहां वे संभवत: सोमवार तक पहुंचेंगे। तीन अमेरिकी और एक कनाडाई सदस्य की टीम अपने ओरियन कैप्सूल में सवार होकर चंद्रमा का चक्कर लगाने, यू-टर्न लेने और बिना लैंडिंग किए सीधे धरती पर वापस लौटने की योजना बना रही है।

आंखों का बढ़ता स्ट्रेस कम करें, रोजाना अपनाएं ये हेल्दी आदतें

नई दिल्ली। मौसम में बदलाव के साथ आंखों की देखभाल करना भी जरूरी हो जाता है। बदलते मौसम की वजह से आंखों में चिपचिपापन हमेशा बना रहता है और आंखों में पानी आने की समस्या भी परेशान करने लगती है। इसके साथ ही आज के डिजिटल दौर में आंखों की कमजोरी एक आम समस्या बन गई है, लेकिन हम आपके लिए कुछ आसान और प्राकृतिक तरीके लेकर आए हैं, जिनके उपयोग से आंखों की देखभाल और घटते नंबर को भी नियंत्रित किया जा सकता है। आज के डिजिटल दौर में आंखें स्क्रीन की वजह से बहुत थक जाती हैं। ऐसे में आंखों के व्यायाम और सनगैजिंग जरूरी हो जाता है। इसके लिए रोजाना 10 मिनट आंखों को चारों दिशाओं में घुमाएं और कुछ देर के लिए बंद कर आराम दें। इस व्यायाम को 5 बार दोहराएं। इसके साथ ही सनगैजिंग यानी सूरज को निहारे। इसके लिए सूर्योदय और सूर्यास्त से 1 घंटे पहले नंगी आंखों से सूरज की तरह देखने की कोशिश करें। इसके बाद दोनों हथेलियों को रगड़कर आंखों पर लगाएं। इससे आंखों को आराम मिलेगा।

दूसरा, गर्मियों में आंखों का रुखापन बढ़ जाता है। ऐसे में रोजाना आंखों पर खीरा या ककड़ी का आईपैक लगाएं। इसके लिए खीरे या ककड़ी की दो स्लाइस को आंखों पर रखें और कुछ देर खुद को शांत करने की कोशिश करें। इससे आंखों की थकावट दूर होती है और रक्त संचार भी बढ़ता है।

स्क्रीन टाइमिंग को कम करें। नियम बना लें कि रात को 9 बजे के बाद फोन का इस्तेमाल नहीं करेंगे और टीवी भी नहीं देखेंगे। इससे आंखों की मांसपेशियां मजबूत होंगी और स्क्रीन की वजह से पड़ने वाला दबाव भी कम होगा। इससे सिर दर्द में भी राहत मिलेगी। इसके अलावा, त्राटक क्रिया को रोजाना करें। इसके लिए अंधेरे कमरे में एक मोमबत्ती या दीया जला लें और फिर उसे लगातार देखते रहें। इससे आंखों की सफाई होती है और आंखों से खूब सारा पानी भी बहता है।

ईरान ने जिसे मार गिराने का दावा किया, जानिए कितना ताकतवर है अमेरिकी एफ-15ई स्ट्राइक ईगल लड़ाकू विमान

नई दिल्ली। ईरान ने दावा किया कि उसने अमेरिकी लड़ाकू विमान को मार गिराया है। उसके इस दावे के बाद दुनिया का ध्यान एक बार फिर अमेरिका के अत्याधुनिक एफ-15ई स्ट्राइक ईगल पर केंद्रित हो गया है। यह विमान अमेरिकी वायुसेना के सबसे भरोसेमंद और बहु-भूमिका वाले फाइटर जेट्स में गिना जाता है। यूएस एयरफोर्स की आधिकारिक वेबसाइट 'एएफडॉटएमआईएल' ने इस पर प्रकाश भी डाला है।

एफ-15ई स्ट्राइक ईगल को 1988 में पहली बार सेवा में शामिल किया गया था। इसे खास तौर पर इस तरह डिजाइन किया गया है कि यह हवा में दुश्मन के विमानों से लड़ने के साथ-साथ जमीन पर मौजूद ठिकानों पर भी सटीक हमला कर सके। यह दो सदस्यीय क्रू—एक पायलट और एक वेपन सिस्टम ऑफिसर—के साथ संचालित होता है। दावा है कि इस वजह से ही जटिल मिशन को बेहतर तरीके से अंजाम दिया जा सकता है।

यह लड़ाकू विमान हर मौसम और दिन-रात किसी भी समय उड़ान भरने में सक्षम है। इसमें लगे अत्याधुनिक एवियोनिक्स और रडार सिस्टम इसे लंबी दूरी से लक्ष्य पहचानने और उन पर सटीक हमला करने की क्षमता देते हैं। इसका एपीजी-70 रडार सिस्टम हवा और जमीन दोनों तरह के लक्ष्यों को ट्रैक कर सकता है, जिससे यह एक साथ कई तरह के खतरों से निपट सकता है। एफ-15ई की एक बड़ी खासियत इसका एलएएनटीआईआरएन (लो-एल्टीट्यूड नेविगेशन एंड टारगेटिंग इंफ्रारेड) सिस्टम है, जो इसे बेहद कम ऊंचाई पर उड़ान भरने और रात या खराब मौसम में भी सटीक हमले करने में सक्षम बनाता है। यह सिस्टम पायलट को जमीन के बेहद करीब सुरक्षित उड़ान भरने में मदद करता है।

प्रदर्शन के मामले में भी यह विमान बेहद शक्तिशाली है। इसकी अधिकतम गति लगभग 1,875 मील प्रति घंटा (मैक 2.5 से अधिक) है और यह करीब 60,000 फीट की ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है। इसकी लंबी रेंज और भारी हथियार ले जाने की क्षमता इसे गहरे तक दुश्मन के इलाके में जाकर हमला करने के लिए उपयुक्त बनाती है।

हथियारों की बात करें तो इसमें 20 मिमी की आंतरिक तोप (गन) के अलावा एम-9 साइडवाइंडर और एम-120 अमराम जैसी हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलें लगाई जा सकती हैं। इसके साथ ही यह विभिन्न प्रकार के प्रिसिजन गाइडेड और पारंपरिक बम भी ले जा सकता है।

इस विमान का निर्माण अमेरिकी एयरोस्पेस कंपनी बोइंग ने किया है। शुरुआती दौर में इसकी कीमत करीब 31 मिलियन डॉलर थी।

पीरियड्स में जरूरी है अतिरिक्त देखभाल और पोषण, जानें कैसा हो आहार

नई दिल्ली। मासिक धर्म यानी पीरियड्स के दौरान महिलाओं के शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं। हार्मोनल उतार-चढ़ाव, खून की कमी और थकान के कारण शरीर को सामान्य दिनों से ज्यादा देखभाल और पोषण की जरूरत पड़ती है। सही आहार न सिर्फ पेट दर्द, कमर दर्द और मूड स्विंग्स को कम करता है, बल्कि शरीर को अंदर से मजबूत भी बनाता है।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि इन दिनों में पौष्टिक भोजन से मुश्किल दिनों को काफी हद तक आसान बनाया जा सकता है। नेशनल हेल्थ मिशन के अनुसार, पीरियड्स के दौरान महिलाओं के शरीर से खून निकलता है, जिससे आयरन की कमी हो सकती है। इससे थकान, चक्कर आना और कमजोरी महसूस होती है। साथ ही हार्मोन बदलने से पेट में ऐंठन और सूजन जैसी समस्याएं भी होती हैं। सही खान-पान से शरीर में खून की कमी पूरी होती है, शरीर की एनर्जी बनी रहती है और दर्द भी कम होता है। हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि पीरियड्स में क्या खाएं-

फल और सब्जियां : - विटामिन और मिनरल्स का खजाना होते हैं फल। ऐसे में केला, संतरा, सेब, अनार, पपीता और कीवी जैसे फल खाएं। ये विटामिन सी और पोटेशियम से भरपूर होते हैं, जो थकान दूर करते हैं और इम्युनिटी बढ़ाते हैं। हरी सब्जियां जैसे पालक, मेथी, सरसों का साग और ब्रोकोली आयरन और फोलिक एसिड का अच्छा स्रोत हैं।

फाइबर युक्त अनाज जैसे ओट्स, दलिया, ब्राउन राइस और रागी जैसे फाइबर वाले अनाज लें। ये पाचन को बेहतर बनाते हैं और कब्ज की समस्या नहीं होने देते। प्रोटीन से भरपूर खाना जैसे दालें, छोले, राजमा, पनीर, अंडा और बादाम, अखरोट आदि प्रोटीन देते हैं। प्रोटीन मांसपेशियों को मजबूत रखता है और थकान कम करता है।

आयरन युक्त आहार लें जैसे पालक, चुकंदर, किशमिश, गुड़ और अनाज आयरन से भरपूर होते हैं। पीरियड्स में खून जाने के कारण आयरन की जरूरत बढ़ जाती है। विटामिन सी युक्त फलों के साथ आयरन वाले खाद्य पदार्थ लेने से आयरन बेहतर तरीके से शरीर में अवशोषित होता है। साथ ही पर्याप्त पानी और हाइड्रेटिंग ड्रिंक्स लें और दिन भर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पिएं। नारियल पानी, हर्बल टी और नींबू पानी पीना फायदेमंद है। ये शरीर को हाइड्रेट रखते हैं और सूजन कम करने में मदद करते हैं।

अतिरिक्त सावधानियां भी रखें जैसे ज्यादा तला-भुना, जंक फूड, चाय-कॉफी और ज्यादा नमक वाले खाने से बचें। गर्म दूध में हल्दी मिलाकर पी सकते हैं, यह दर्द कम करने में सहायक है।

आईपीएल 2026: आरआर ने रोमांचक मुकाबले में जीटी को 6 रन से हराया

अहमदाबाद। आईपीएल 2026 के 9वें मुकाबले में शनिवार को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) ने नरेंद्र मोदी क्रिकेट स्टेडियम में गुजरात टाइटंस (जीटी) को 6 रनों से हराया। आरआर से मिले 211 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जीटी की टीम 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 204 रन ही बना सकी। यह राजस्थान रॉयल्स की इस सीजन में लगातार दूसरी जीत है।

211 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरुआत जोरदार रही। कुमार कुशाग्र और साई सुदर्शन ने मिलकर पहले विकेट के लिए 7.6 ओवर में 78 रन जोड़े। कुशाग्र ने 18 रन बनाए। वहीं, सुदर्शन बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 44 गेंदों में 73 रनों की दमदार पारी खेली। सुदर्शन ने अपनी इस पारी में 9 चौके और 3 छक्के लगाए। जोस बटलर अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और वह 14 गेंदों में 26 रन बनाकर आउट हुए। ग्लेन फिलिप्स बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और सिर्फ 3 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, वॉशिंगटन सुंदर 4 रन ही बना सके। राहुल तेवतिया 6 गेंदों में 12 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, शाहरुख खान ने 4 गेंदों में 11 रन बनाए।

अंतिम ओवरों में राशिद खान और कगिसो रबाडा ने 30 गेंदों में 43 रनों की ताबड़तोड़ साझेदारी निभाई, लेकिन वह टीम को जीत नहीं दिला सके। राशिद ने 16 गेंदों में 24 रन बनाए, जबकि रबाडा ने 16 गेंदों में 23 रन बनाकर नाबाद रहे। आखिरी के दो ओवर में जोफ्रा आर्चर और तुषार देशपांडे ने शानदार गेंदबाजी की। राजस्थान रॉयल्स की ओर से गेंदबाजी में रवि बिश्नोई ने 4 ओवर के स्पेल में 41 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए। वहीं, नांद्रे बर्गर और तुषार देशपांडे ने एक-एक विकेट चटकाया। इससे पहले टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की शुरुआत दमदार रही। यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए पहले विकेट के लिए 6.2 ओवर में 70 रन जोड़े। वैभव ने 18 गेंदों का सामना करते हुए 5 चौके और एक छक्के की मदद से 31 रन बनाए। वहीं, यशस्वी ने 36 गेंदों में 55 रनों की शानदार पारी खेली।

नंबर तीन पर बल्लेबाजी करने उतरे ध्रुव जुरैल बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 42 गेंदों में 75 रनों की लाजवाब पारी खेली। जुरैल ने अपनी इस पारी में 5 चौके और 5 छक्के लगाए।

जुरैल ने दूसरे विकेट के लिए यशस्वी संग मिलकर 56 रनों की अहम साझेदारी निभाई। शिमरोन हेटमायर ने 8 गेंदों में 18 रन बनाए।

आईपीएल 2026: 28 करोड़ 40 लाख पर 1 करोड़ 5 लाख भारी, क्या सीएसके से चूक हो गई?

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 से पहले मिनी ऑक्शन हुआ था। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के लिए यह मिनी ऑक्शन नहीं था। सीएसके इस ऑक्शन में लगभग पूरी टीम ही बदली। कभी अनुभवी खिलाड़ियों को प्राथमिकता देने वाली सीएसके मैनेजमेंट मिनी ऑक्शन में मुख्य फोकस युवाओं पर था। प्रबंधन वर्तमान के साथ ही भविष्य को सोचते हुए भी टीम तैयार कर रहा था, लेकिन आईपीएल 2026 के शुरुआती 2 मैचों के बाद ऐसा लग रहा है कि सीएसके से कहीं नीलामी में गलती तो नहीं हो गई।

सीएसके ने मिनी ऑक्शन में कार्तिक शर्मा (19 वर्ष) और प्रशांत वीर (20 वर्ष) दोनों को 14.20-14.20 करोड़ देकर खरीदा। कार्तिक और प्रशांत दोनों अनकैप्ड खिलाड़ी हैं। घरेलू क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है, लेकिन ऐसा भी नहीं कि सीएसके जैसी बड़ी फ्रेंचाइजी बड़े-बड़े खिलाड़ियों को छोड़ते हुए इन पर इतनी बड़ी राशि खर्च करे। घरेलू टी20 करियर पर गौर करें तो प्रशांत ने 9 टी20 मैचों में 12 विकेट लेने के साथ ही 118 रन बनाए हैं। वहीं कार्तिक ने 12 टी20 मैचों में 2 अर्धशतक लगाते हुए 334 रन बनाए हैं।

छोटे करियर और साधारण रिकॉर्ड के बावजूद सीएसके द्वारा इन खिलाड़ियों पर खर्च की गई राशि ने सभी को हैरान किया था।

सीएसके मैनेजमेंट और सामान्य क्रिकेट फैंस को आईपीएल 2026 में कार्तिक और प्रशांत के पराक्रम को देखने का इंतजार था।

सीएसके का पहला मुकाबला 30 मार्च को राजस्थान रॉयल्स के साथ था। इस मैच में कार्तिक शर्मा को डेब्यू का मौका मिला। कार्तिक 15 गेंदों पर 18 रन बना सके। प्रशांत को इस मैच में मौका नहीं मिला था।

सीएसके ने अपना दूसरा मैच 3 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ खेला। इस मैच में कार्तिक के साथ ही प्रशांत को भी मौका मिला। कार्तिक 3 गेंदों पर 1 रन बनाकर आउट हुए, जबकि प्रशांत वीर 7 गेंदों पर 6 रन बना सके। कार्तिक विकेटकीपर बल्लेबाज हैं। प्रशांत गेंदबाज हैं। प्रशांत से गेंदबाजी नहीं कराई गई। कार्तिक और प्रशांत के लिए आईपीएल में यह शुरुआती समय है, इसलिए उनके बारे में कोई धारणा नहीं गढ़ी जा सकती।

आईपीएल 2026 के बीच स्कैन के लिए ऑस्ट्रेलिया वापस लौटे कमिंस: रिपोर्ट

नई दिल्ली। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के कप्तान पैट कमिंस इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के बीच में ही अपनी टीम को छोड़कर, पीठ की पुरानी चोट के आखिरी मेडिकल स्कैन के लिए ऑस्ट्रेलिया लौट गए हैं। पैट कमिंस सनराइजर्स हैदराबाद के शुरुआती 2 मुकाबले नहीं खेल सके हैं। आगामी दो मुकाबलों में भी उनका खेल पाना मुमकिन नहीं है। उम्मीद है कि टेस्ट पास करने के बाद वह 17 अप्रैल को टीम से जुड़ेंगे। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज ने इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू एशेज सीरीज के बाद से एक भी मुकाबला नहीं खेला है। कमिंस हाल ही में खत्म हुए आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 में भी नहीं खेल सके थे। 'ईएसपीएनक्रिकइन्फो' की एक रिपोर्ट के अनुसार, पैट कमिंस 2 अप्रैल को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ एसआरएच की रोमांचक जीत के ठीक बाद ऑस्ट्रेलिया लौट गए। हालांकि, यह स्कैन पहले से ही तय था और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) की देखरेख में किया जाएगा।

जब यह स्पष्ट हो गया कि कमिंस आईपीएल 2026 के शुरुआती दौर में नहीं उतर पाएंगे, तो ईशान किशन को उनकी गैरमौजूदगी में टीम की कमान सौंपी गई।

ईशान किशन की कप्तानी में 2016 की चैंपियन टीम सनराइजर्स हैदराबाद ने 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ 6 विकेट से हार का सामना किया। हालांकि, अगले मैच में टीम ने शानदार वापसी करते हुए तीन बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को 65 रनों से हराया। इस जीत के साथ, सनराइजर्स हैदराबाद फिलहाल प्वाइंट्स टेबल में छठे स्थान पर है।

इस टीम का अगला मुकाबला रविवार को हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में खेले जाने वाले आईपीएल 2026 के पहले घरेलू मैच में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से होगा। इसके बाद 11 अप्रैल को उसके सामने पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) होगी। 13 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से भिड़ने के बाद यह टीम 18 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को चुनौती देगी।

7 टीमें, जिन्होंने आईपीएल इतिहास में 'जीत का शतक' लगाया

नई दिल्ली। इस समय इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) इतिहास का 19वां सीजन खेला जा रहा है। इस दौरान कुल 7 टीमों ने 'जीत का शतक' लगाया है। आइए, इनके बारे में जानते हैं।

मुंबई इंडियंस: पांच बार की आईपीएल चैंपियन ने अब तक कुल 277 मैच खेले हैं, जिसमें 152 जीते और 122 गंवाए। इस दौरान 4 मुकाबले टाई (2 टाई+जीत, 2 टाई+हार) रहे और 2 मैच बेनतीजा रहे।

चेन्नई सुपर किंग्स: पांच बार की आईपीएल चैंपियन टीम ने साल 2008 से अब तक कुल 255 मैच खेले, जिसमें 142 मुकाबले जीते। इस दौरान टीम ने 110 मुकाबले गंवाए। 1 मैच टाई (टाई+हार) रहा, जबकि 2 मैच बेनतीजा रहे।

कोलकाता नाइट राइडर्स: तीन बार आईपीएल खिताब अपने नाम कर चुकी इस टीम ने साल 2008 से अब तक कुल 267 मैच खेले, जिसमें 135 जीते। इस दौरान केकेआर ने 126 मुकाबले गंवाए, जबकि 4 मैच टाई (1 टाई+जीत, 3 टाई+हार) रहे। इनके अलावा, 2 मुकाबले बेनतीजा रहे।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु: बीते सीजन आईपीएल का खिताबी सूखा समाप्त करने वाली इस टीम ने अब तक 272 मैच खेले हैं, जिसमें 133 जीते। इस बीच आरसीबी को 132 मुकाबले गंवाने भी पड़े हैं। 3 मुकाबले टाई (2 टाई+जीत, 1 टाई+हार) रहे, जबकि 4 मुकाबलों का नतीजा नहीं निकल सका।

पंजाब किंग्स: इस टीम ने आईपीएल इतिहास में अब तक कुल 265 मैच खेले हैं, जिसमें 121 मैच जीते। यह टीम साल 2008 से अब तक कुल 139 मैच गंवा चुकी है। इस दौरान 4 मैच टाई (3 टाई+जीत, 1 टाई+हार) रहे, जबकि 1 मुकाबले का नतीजा नहीं निकला।

दिल्ली कैपिटल्स: इस टीम ने आईपीएल इतिहास में कुल 267 मैच खेले, जिसमें 119 जीते और 140 गंवाए। इस दौरान 5 मैच टाई (4 टाई+जीत, 1 टाई+हार) रहे और 3 मुकाबलों का नतीजा नहीं निकल सका।

राजस्थान रॉयल्स: साल 2008 में आईपीएल का पहला संस्करण जीतने वाली इस टीम ने अब तक कुल 237 मैच खेले हैं, जिसमें 115 जीते और इतने ही मैच गंवाए।

इस दौरान 4 मैच टाई (2 टाई+जीत, 2 टाई+हार) रहे। 3 मुकाबले का नतीजा नहीं निकला।

टेनिस: थियागो अगस्टिन ने पहला सेट हारने के बाद बेन शेल्टन पर जोरदार जीत हासिल की

ह्यूस्टन । अर्जेंटीना के थियागो अगस्टिन टिरांटे ने ह्यूस्टन में यूएस पुरुष क्ले कोर्ट चैंपियनशिप में टॉप सीड बेन शेल्टन को हरा दिया। थियागो ने पहले सेट में हारने के बाद जोरदार वापसी करते हुए शेल्टन पर जीत दर्ज की।

टिरांटे ने पहला सेट 7-6 (5) से हारने के बाद जोरदार वापसी की और मैच पर नियंत्रण स्थापित किया और अगले दो सेट 6-3, 6-4 से जीत लिए। अर्जेंटीना के इस खिलाड़ी ने सर्व में परफेक्ट प्रदर्शन किया। उन्होंने शांत और अच्छे प्रदर्शन के साथ अपने सभी 16 सर्विस गेम अपने नाम किए।

शेल्टन के लिए हार मुश्किल दौर की तरह है। फरवरी में डलास ओपन में टेलर फ्रिट्ज के खिलाफ टाइटल जीतने के बाद से वह राउंड ऑफ 16 से आगे नहीं बढ़ पाए हैं।

ह्यूस्टन में हुए दूसरे मैचों में, अर्जेंटीना के रोमन एंड्रेस बुरुचागा ने तीसरी सीड लर्नर टिएन को 7-5, 6-4 से हराया, जबकि टॉमी पॉल ने टॉमस मार्टिन एचेवेरी को 6-4, 6-2 से हराकर आगे बढ़े।

रात के मैच में, दूसरी सीड फ्रांसेस टियाफो ने लगभग तीन घंटे तक चले रोमांचक मुकाबले में एलेक्सी पोपिरिन को 3-6, 6-4, 7-6 (6) से हराया। टियाफो का सामना एक ऑल-अमेरिकन सेमीफाइनल में पॉल से होगा, जबकि बुरुचागा का सामना एक ऑल-अर्जेंटीना मैचअप में टिरांटे से होगा। अर्जेंटीना के मार्को ट्रुंगेलिटी ने तीसरी सीड कोरेंटिन मौटेट को 4-6, 6-3, 6-4 से हराया, जिसमें उन्होंने छह एस के साथ आठ डबल फॉल्ट किए। साथी अर्जेंटीना के कैमिलो उगो कैराबेली ने भी तीन सेट का मुकाबला जीता, जिसमें उन्होंने लुका वैन एश को 0-6, 6-3, 6-2 से हराया। स्पेन के राफेल जोडार एलेक्जेंडर मुलर के 6-2, 2-0 से पीछे रहने के बाद रिटायर होने के बाद आगे बढ़े। लुसियानो डार्डेरी भी यानिक हनफमैन के खिलाफ वॉकओवर की वजह से आगे बढ़े।

स्पेन के डेनियल मेरिडा एगुइलर, फ्रांस के टिटुआन ड्रोगेट, हंगरी के फैबियन मारोजसन और जर्मनी के डेनियल अल्टमायर शुरुआती विजेताओं में शामिल थे।

बाद में, बोटिक वैन डे जैंडशुल्प, मारियानो नवोन, मेरिडा एगुइलर और मारोजसन ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। तीसरी सीड मारोजसन ने अल्टमायर को 6-2, 7-6 (5) से हराया, जबकि मेरिडा एगुइलर ने ड्रोगेट को 4-6, 7-6 (7), 3-1 से हराया, इससे पहले कि फ्रांसीसी खिलाड़ी रिटायर हो गए।

आईपीएल इतिहास के 3 गेंदबाज, जिन्होंने एक ही पारी में विकेटों का 'छक्का' लगाया

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 सीजन में अब तक सिर्फ 3 ही गेंदबाज पारी में '6 विकेट' ले सके हैं। आइए, इनके बारे में जानते हैं।

सोहेल तनवीर: आईपीएल मैच की एक ही पारी में 6 विकेट लेने का कारनामा सबसे पहले सोहेल तनवीर ने किया था। 4 मई 2008 को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ तनवीर ने 4 ओवरों में महज 14 रन देकर 6 विकेट निकाले थे। इस शानदार गेंदबाजी के सामने सीएसके 19 ओवरों में महज 109 रन पर सिमट गई।

इसके जवाब में राजस्थान रॉयल्स ने 14.2 ओवरों में 8 विकेट शेष रहते मैच अपने नाम कर लिया। ग्रीम स्मिथ ने नाबाद 35 रन की पारी खेली, जबकि स्वप्निल असनोदकर ने 32 रन का योगदान टीम का खाते में दिया।

एडम जांपा: 10 मई 2016 को राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स की ओर से खेलते हुए जांपा ने सनराइजर्स हैदराबाद के विरुद्ध 4 ओवर गेंदबाजी की, जिसमें 19 रन देकर 6 विकेट निकाले। विशाखापत्तनम में खेले गए इस मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद जांपा की स्पिन गेंदबाजी के सामने 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर सिर्फ 137 रन ही बना सकी। इस पारी में शिखर धवन ने 33 रन, जबकि केन विलियम्सन ने 32 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। इसके जवाब में राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स 20 ओवरों के खेल तक 8 विकेट खोकर सिर्फ 133 रन ही बना सकी। सनराइजर्स ने 4 रन के करीबी अंतर से मैच अपने नाम किया। इस पारी में जॉर्ज बेली ने सर्वाधिक 34 रन बनाए, जबकि कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने 30 रन की पारी खेली, लेकिन सुपरजायंट्स को जीत नहीं दिला सके। अल्जारी जोसेफ: मुंबई इंडियंस (एमआई) की ओर से खेलते हुए 6 अप्रैल 2019 को अल्जारी जोसेफ ने सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के खिलाफ 3.4 ओवरों में महज 12 रन देकर 6 विकेट निकाले थे, जिसमें एक ओवर मेडन रहा।

मेरा खेल बचपन से ही ऐसा, थोड़ा जोखिम लेना होता है: प्रियांश आर्या

चेन्नई । आईपीएल 2026 में शुक्रवार की शाम पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) और अपने पहले खिताब की तलाश में लगी पंजाब किंग्स के बीच मैच एम. ए चिदंबरम स्टेडियम में खेला गया। पंजाब ने अपनी बेहतरीन बल्लेबाजी के दम पर सीएसके को 5 विकेट से हरा दिया। पंजाब की जीत की मजबूत बुनियाद सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या ने शुरुआती ओवरों में ही अपनी तूफानी बल्लेबाजी से कर दी थी। प्रियांश को उनकी विस्फोटक पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

मैच के बाद प्रियांश आर्या ने कहा, 'मेरा खेलने का अंदाज बचपन से ऐसा ही रहा है। जब भी मुझे लगता है कि इससे टीम को फायदा होगा, मैं वैसे ही खेलता हूं। थोड़ा जोखिम लेना होता है। मुझे खुद पर भरोसा होता है कि अगर मैं पहली गेंद पर हिट कर सकता हूं, तो मैं उसे हिट कर दूंगा। इस स्तर पर थोड़े अनुभवी गेंदबाज जरूर मिलते हैं, लेकिन मुझे अपनी काबिलियत पर भरोसा है और इसका अच्छा परिणाम मिलता है। प्रियांश ने कहा, 'मुझे बल्लेबाजी पसंद है, इसलिए मैं बहुत अभ्यास करता हूं। दिन में दो सत्र में बल्लेबाजी करता हूं। प्रत्येक सत्र डेढ़ घंटे का होता है।

पंजाब के लिए पारी की शुरुआत करने आए प्रियांश ने पहली दो गेंदों पर चौका और छक्का लगाया। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने महज 11 गेंदों पर 3 चौके और 4 छक्के लगाते हुए 47 रन की पारी खेलकर शुरुआती ओवरों में ही मैच का रुख अपनी टीम की तरफ मोड़ दिया।

मैच पर नजर डालें तो टॉस जीतकर पंजाब ने गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी सीएसके ने आयुष म्हात्रे के 43 गेंदों पर 5 छक्कों और 6 चौकों की मदद से बनाए 73 रनों की पारी की बदौलत 5 विकेट पर 209 रन बनाए थे। इसके अलावा शिवम दुबे ने 27 गेंदों पर 45 और सरफराज खान ने 12 गेंदों पर 1 छक्के और 6 चौकों की मदद से 32 रन बनाए थे। पंजाब ने प्रियांश के 39, प्रभसिमरन के 34 गेंदों पर 43 और कप्तान श्रेयस अय्यर के 29 गेंदों पर 3 छक्कों और 4 चौकों की मदद से बनाए 50 रनों की मदद से 18.4 ओवर में 5

ग्रीन का शतक, मैयर का पंच, न्यूजीलैंड ने तीसरे वनडे में दक्षिण अफ्रीका को 66 रन से हराकर सीरीज 2-1 से जीती

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। शनिवार को वेलिंगटन के बेसिन रिजर्व में खेले गए तीसरे वनडे में न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को 66 रन से हराकर सीरीज अपने नाम की।

दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। शुरुआती ओवरों में दक्षिण अफ्रीका का फैसला सही साबित दिख रहा था, जब न्यूजीलैंड ने 3 के स्कोर पर अपने 3 विकेट गंवा दिए। इसके बाद चौथे विकेट के लिए मैडी ग्रीन और ब्रूकी हैलीडे ने 211 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूती थी। 214 के स्कोर पर हैलीडे का विकेट गिरा। वह शतक लगाने का मौका चूक गईं और 124 गेंदों पर 98 रन की पारी खेलकर आउट हुईं। ग्रीन अंत तक नाबाद रहीं। ग्रीन ने अपने वनडे करियर का तीसरा शतक लगाया। वह 128 गेंदों पर 15 चौकों की मदद से 141 रन बनाकर नाबाद लौटीं।

ग्रीन और हैलीडे की बेहतरीन पारियों की बदौलत न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 306 रन बनाए। 307 रन के लक्ष्य को हासिल करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम 46.1 ओवर में 240 रन पर सिमट गई। कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट ने सर्वाधिक 69 रन बनाए। इसके अलावा, एनेरी डर्कसेन ने 47, क्योले ट्रायन ने 29, और तंजिमव ब्रिट्स ने 25 रन बनाए।

न्यूजीलैंड की तरफ से तेज गेंदबाज रोजमेरी मैयर ने घातक गेंदबाजी की।

मैयर ने 9.1 ओवर में 50 रन देकर 5 विकेट लिए। कप्तान अमेलिया केर ने 2 विकेट लिए, जबकि जेस केर, केली नाइट और नैंसी पटेल को 1-1 विकेट मिला। नाबाद 141 रन की पारी खेलने वाली मैडी ग्रीन को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। ग्रीन ही सीरीज की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी भी चुनी गईं। 3 मैचों की सीरीज में उन्होंने 239 रन बनाए।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415